नई दिल्ली, शुक्रवार
02 मई 2025

नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण) वर्ष : 10, अंक : 63 www.nationalpresstimes.com पृष्ठ : 10 मूल्य : 05 रुपया RNI No : UPHIN/2015/64579

ताजमहल के पांच किमी के भीतर बिना हमारी अनुमति के पेड़ नहीं काटे जाएंगे

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से ताजमहल के पांच किलोमीटर के दायरे में बिना उसकी अनुमति के पेड़ काटे जाने के अपने 2015 के फैसले का बरकरार रखा है। ऐसे मामलों में, पेड़ों की कटाई की अनुमति के लिए आवेदन करना होगा, भले ही पेड़ों की संख्या 50 से कम हो। देश के सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को उत्तर प्रदेश के आगरा में ताजमहल के पांच किलोमीटर के हवाई क्षेत्र में बिना अनुमति के पेड़ों की कटाई पर प्रतिबंध लगाने संबंधी अपने 2015 के निर्देश को दोहराया है। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अभय एस ओका और उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि ऐतिहासिक स्मारक से 5 किलोमीटर की दूरी से परे टीटीजेड के भीतर के क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई के लिए केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) के प्रभागीय वन अधिकारी (डीएफओ) की पूर्व अनुमति की आवश्यकता होगी और अधिकारी उत्तर प्रदेश वृक्ष संरक्षण अधिनियम के प्रावधानों से बंधे होंगे। **शेष पेज 2 पर**

भारत की कार्रवाई से सहमा पाकिस्तान

अस्थायी रूप से बंद किया कराची, लाहौर हवाई क्षेत्र

इस्लामाबाद । भारत की तरफ से पाकिस्तान पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। जिससे पड़ोसी देश में खलबली मची हुई है। अब ताजा घटनाक्रम में पाकिस्तान की तरफ से अस्थायी रूप से कराची, और लाहौर हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से लगातार की जा रही कार्रवाई से पाकिस्तान बौखला गया है। गुरुवार को पाकिस्तान ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए पूरे मई महीने के सभी दिन सीमित समय के लिए कराची और लाहौर के हवाई क्षेत्रों के कुछ हिस्सों को बंद करने की घोषणा की है।

सुबह चार से आठ बजे तक बंद रहेगा हवाई क्षेत्र- पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और इस्लामाबाद के बीच बढ़े तनाव और नई दिल्ली की तरफे से जवाबी कार्रवाई की आशंका के बीच पाकिस्तान के विमानन अधिकारियों की तरफ से यह घोषणा की गई है। एक स्थानीय समाचार पत्र ने एक आधिकारिक नोटिस का हवाला देते हुए कहा, प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र 1 मई से 31 मई के बीच स्थानीय समयानुसार प्रतिदिन सुबह 4:00 बजे से सुबह 8:00 बजे तक बंद रहेगा।

हवाई क्षेत्र बंद होने से नहीं होगी कोई परेशानी- सीएए- पाकिस्तानी नागरिक विमानन प्राधिकरण (सीएए) ने कहा कि बंद होने से वाणिज्यिक उड़ान संचालन में कोई खास बाधा नहीं आएगी, क्योंकि प्रतिबंधित घंटों के दौरान विमानों को वैकल्पिक उड़ान मार्गों के माध्यम से भेजा जाएगा।

भारत ने कल जारी किया था 'नोटम'

वहीं एक दिन पहले भारत ने बुधवार को एक बड़ा कदम उठाते हुए नोटम (नोटिस टू एयरमैन) जारी किया है। नोटम के तहत भारत ने 30 अप्रैल से 23 मई 2025 तक अपने एयरस्पेस को सभी पाकिस्तानी यात्री विमानों और सैन्य विमानों के लिए बंद कर दिया गया है। नोटिस टू एयर मिशन सिस्टम एक तरह की संचार व्यवस्था है, जिसकी मदद से फ्लाइट में मौजूद केबिन क्रू के लोगों के लिए अहम सूचनाएं भेजी जाती हैं। यह बेहद गोपनीय सूचना तंत्र है, जिसमें सेंध लगाना बेहद मुश्किल काम है।

पहलगामः 'हम नहीं चाहते कि लोग मुस्लिमों-कश्मीरियों के खिलाफ जाएं, न्याय चाहिए'

सैनिक पति को खोने वाली हिमांशी

करनाल / नई दिल्ली । शादी के केवल छह दिन बाद सुहाग उजड़ने के बावजूद हिमांशी नरवाल ने सौहार्द बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि वे मुस्लिम समुदाय या कश्मीरी लोगों के खिलाफ नहीं हैं। वे केवल शांति चाहती हैं, लेकिन उन्हें इंसाफ का भी इंतजार है।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले में भारतीय नौसेना के लेफ्टिनेंट विनय नरवाल समेत 26 निहत्थे पर्यटकों की बर्बरता से बत्या कर दी गई। इस आतंकी हमले में मारे गए लोगों के परिजनों ने मृतकों को शहीद का दर्जा देने की मांग की है। आज हरियाणा के करनाल में मीडिया से बात करते हुए लेफ्टिनेंट विनय की पत्नी हिमांशी नरवाल ने शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की। **शेष पेज 2 पर**

अमेरिका भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है...

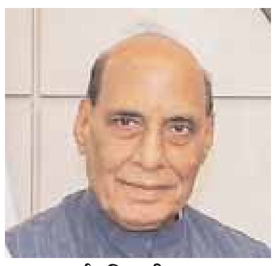

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत कई देशों से उच्च अधिकारियों के सीधे संपर्क में है। विदेश मंत्रालय की तरफ से जी-20 देशों को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया जा चुका है। अब ताजा घटनाक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने अमेरिकी समकक्ष पीट हेगसेथ से फोन पर बात की है। अमेरिकी रक्षा मंत्री के साथ राजनाथ सिंह ने फोन पर बात की है। दोनों की बातचीत को लेकर रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। **शेष पेज 2 पर**

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से की अपील, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को मिले शहीद का दर्जा

नई दिल्ली। गांधी ने एक्स पर लिखा कि मैं पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के दुख और उन्हें शहीद का दर्जा दिए जाने की उनकी मांग के साथ खड़ा हूं। प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि इस त्रासदी में जान गंवाने वालों के परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें यह सम्मान दें।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हाल ही में हुए पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को शहीद का दर्जा देने का आग्रह किया। एक्स पर एक पोस्ट में, कांग्रेस नेता ने पीड़ित परिवारों के साथ एकजुटता व्यक्त की और मृतकों को शहीद के रूप में आधिकारिक मान्यता देने की उनकी मांग का समर्थन किया। गांधी ने एक्स पर लिखा कि मैं पहलगाम हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के दुख और उन्हें शहीद का दर्जा दिए जाने की उनकी मांग के साथ खड़ा हूं। **शेष पेज 2 पर**

लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई, चुन चुन कर लिया जाएगा बदला...

पहलगाम के दहशतगर्दों को अमित शाह का कड़ा संदेश

नई दिल्ली। शाह ने कहा कि मैं आज जनता से कहना चाहता हूं कि 90 के दशक से कश्मीर में आतंकवाद चलाने वालों के खिलाफ हम जीरो टॉलरेंस की नीति पर मजबूती से लड़ रहे हैं। आज वो (आतंकवादी) ये न सोचें कि हमारे नागरिकों की जान लेकर उन्होंने जंग जीत ली है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को पहलगाम हमले में शामिल आतंकवादियों को चेतावनी दी कि उन्हें यह नहीं सोचना चाहिए कि उन्होंने युद्ध जीत लिया है। पहलगाम के बाद अपनी पहली सार्वजनिक टिप्पणी में शाह ने कहा कि लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। आतंकवादियों को यह नहीं सोचना चाहिए कि हमारे 27 लोगों को मारने के बाद

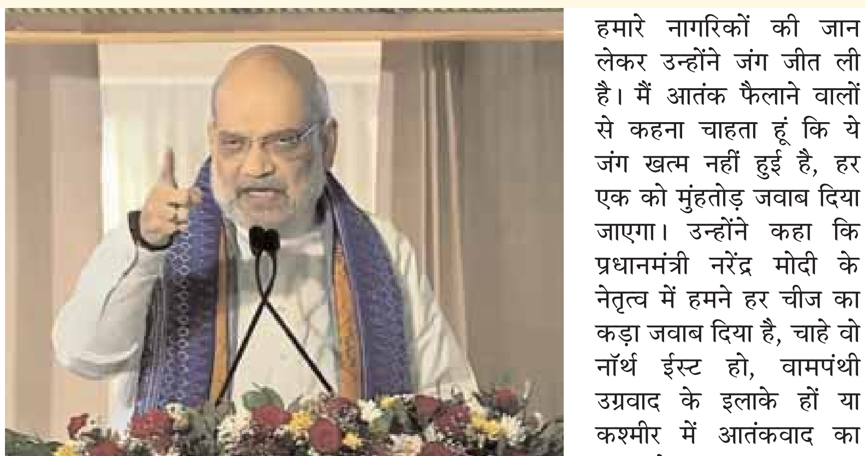

उन्होंने युद्ध जीत लिया है। उन्होंने एक कार्यक्रम में बोलते हुए कहा कि पहलगाम में नागरिकों की हत्या करने वाले हर एक आतंकवादी की तलाश की जाएगी और उसे दंडित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी सरकार आतंकवाद को जड़ से उखाड़ फेंकेगी और पहलगाम आतंकी हमले का जवाब देगी।

शाह ने कहा कि मैं आज जनता से कहना चाहता हूं कि 90 के दशक से कश्मीर में आतंकवाद चलाने वालों के खिलाफ हम जीरो टॉलरेंस की नीति पर मजबूती से लड़ रहे हैं। आज वो (आतंकवादी) ये न सोचें कि हमारे नागरिकों की जान लेकर उन्होंने जंग जीत ली है। मैं आतंक फैलाने वालों से कहना चाहता हूं कि ये जंग खत्म नहीं हुई है, हर एक को मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमने हर चीज का कड़ा जवाब दिया है, चाहे वो नॉर्थ ईस्ट हो, वामपंथी उग्रवाद के इलाके हों या कश्मीर में आतंकवाद का साया हो।

अमित शाह ने हुंकार भरते हुए कहा कि अगर कोई सोचता है कि कायराना हमला करके उसने अपनी बड़ी जीत हासिल कर ली है, तो समझ लीजिए ये नरेंद्र मोदी सरकार है, किसी को बख्शा नहीं जाएगा। **शेष पेज 2 पर**

जाति जनगणना पर अखिलेश यादव बोले- 90 फीसदी पीडीए की एकजुटता मतलब सौ फीसदी जीत

लखनऊ । सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि देश में 90 फीसदी लोग पीडीए के हैं। ये लोग अगर साथ आ जाते हैं तो जीत सौ फीसदी पक्की है। उन्होंने सरकार से जाति जनगणना ठीक तरीके से कराने की अपील की है।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि केंद्र की मोदी सरकार ने जाति जनगणना कराने का जो फैसला लिया है यह खुशी की बात है। सरकार सामाजिक न्याय की दिशा में कुछ आगे बढ़ी है। ये तो शुरूआत है। यहां से सामाजिक न्याय की शुरूआत होती है। उन्होंने कहा कि चुनाव में अब धांधली न करें। ठीक तरह से जातीय जनगणना कराएं, सरकार गड़बड़ी न करे। ये लोग कुछ भी कर सकते हैं। अखिलेश यादव बृहस्पतिवार को मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि सरकार का यह निर्णय लेना इंडिया गठबंधन के एजेंडे की जीत है। देश संविधान से चलता है मन विधान से नहीं। आज सरकार जातीय जनगणना के लिए तैयार हो गई है। **शेष पेज 2 पर**

उपराष्ट्रपति धनखड़ बोले-

सवैधानिक संस्थाएं अपने-अपने दायरे में सीमित रहें, तभी होता है परस्पर सम्मान

लखनऊ । उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन पर आधारित पुस्तक के लेखकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभी मुझे भी राज्यपाल ने कहा कि आपको भी मुफ्त में किताब नहीं मिलेगी। मुझे कोई चीज मुफ्त में लेना नहीं पसंद है। मैंने बहुत पहले चुनौती से सात फेरे ले लिए। मुझे चुनौती के साथ रहने की आदत है।

राजधानी लखनऊ में गुरुवार को उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल के जीवन

पर आधारित पुस्तक 'चुनौतियां मुझे पसंद हैं' के विमोचन कार्यक्रम में भाग लिया। कार्यक्रम जानकीपुरम स्थित एकेटीयू में आयोजित हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और केशव प्रसाद मौर्य, विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र समेत कैबिनेट मंत्री मौजूद रहे। स्वामी चिदानंद सरस्वती भी साथ में रहे। **शेष पेज 2 पर**

फटकार 'क्या आप सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना चाहते हैं?'

सुप्रीम कोर्ट की याचिकाकताओं को फटकार

नई दिल्ली । जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकियों ने पर्यटकों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा कर 26 लोगों की नृशंस हत्या कर दी थी। इसी घटना को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई गई थी। याचिका में हमले की जांच के अलावा केंद्र और जम्मू-कश्मीर प्रशासन को पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का निर्देश देने की मांग की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पहलगाम आतंकी हमले की न्यायिक जांच के लिए जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया है। हमले में आतंकियों ने 26 लोगों की निर्मम हत्या कर दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका दायर करने वाले याचिकाकताओं को फटकार लगाते हुए कहा कि जज आतंकी मामलों की जांच के विशेषज्ञ नहीं हैं। इस महत्वपूर्ण समय में देश के हर नागरिक ने आतंकवाद से लड़ने के लिए ह ा थ ा मिलाया ह ै । कोर्ट ने पूछा कि क्या वे सुरक्षा बलों का मनोबल गिराना चाहते हैं। कोर्ट ने उनसे ऐसे मुद्दों को न्यायिक क्षेत्र में नहीं लाने को कहा।

जनहित याचिका वापस लेने के लिए कहा- जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने पहलगाम हमले की जांच की निगरानी के लिए सेवानिवृत्त न्यायाधीश की मांग करने वाले याचिकाकताओं को जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने याचिकाकर्ता फतेह कुमार साहू और अन्य को जनहित याचिका वापस लेने के लिए कहा। शीर्ष कोर्ट ने याचिकाकताओं से कहा कि वे इस मुद्दे की संवेदनशीलता को समझें और अदालत में ऐसी कोई अपील न करें, जिससे सुरक्षा बलों का मनोबल गिरे।

'बेहतर होगा कि आप वापस चले जाएं'- पीठ ने याचिकाकताओं में से एक से कहा, 'आप सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश से जांच करने के लिए कह रहे हैं।' **शेष पेज 2 पर**

'एलोपैथी की तरह आयुष की दवाओं के लिए भी खुल सकता है जनऔषधि केंद्र'

नई दिल्ली।केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने गुरुवार को महाराष्ट्र के लोनावला स्थित कैवल्यधाम में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) कॉन्क्लेव का उद्घाटन किया।

एलोपैथी की दवा की तरह आयुष की दवाओं के लिए भी देश में जल्द जन औषधि केंद्र खोले जा सकते हैं। इन केंद्रों पर केवल आयुर्वेद, युनानी, होम्योपैथी, सिद्धा व आयुष से जुड़े पद्धति की ही दवाइयां मिलेंगी। यह कहना है केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव का। गुरुवार को महाराष्ट्र के लोनावला स्थित कैवल्यधाम में राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) कॉन्क्लेव का उद्घाटन करने के बाद उन्होंने कहा कि आयुष पद्धति से शिक्षा हासिल करने के बाद मेडिकल छात्र को प्रेक्टिस करने में काफी दिक्कत आती है। वह जो दवाइयां लिखते हैं वह मिलती नहीं।

एक सप्ताह के लिए गर्मी जाएंगे भूल... मौसम रहेगा सुहावना, 34-36 डिग्री के बीच बना रहेगा पारा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। मौसम विभाग के अनुसार अब एक सप्ताह तक अधिकतम तापमान में गिरावट आने की संभावना है। इस तरह से इस दौरान मौसम सुहावना और ठंडा बना रहेगा। इन गतिविधियों के कारण मौसम प्री मानसून जैसा रहेगा।

दिल्ली-एनसीआर में बृहस्पतिवार से मौसम ने करवट ले ली है। दिन में धूप के बावजूद हवाएं चलने से गर्मी का अहसास नहीं हुआ। दिन के तापमान में सामान्य से 0.7 डिग्री कम तक की गिरावट देखने को मिली। अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। बुधवार से ही दोपहर में हवा का रुख बदलकर पूर्वी हो गया था, इस कारण से तेज सतही हवाएं चलीं, जिससे गर्मी का अहसास कम हुआ। अब एक मई से सात मई तक पश्चिमी विक्षोभ के असर से मौसम में कई गतिविधियां होंगी।

दिल्ली में बृहस्पतिवार को अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 37 डिग्री रहने व बादल छाने व हल्की बारिश-आंधी का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार एक मई से सात मई तक एक से दो दिन के ब्रेक पर आंधी व बारिश का अनुमान है। इस कारण से तापमान 34 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के असर से 01 मई की रात से 04 मई की सुबह तक मौसम में बदलाव देखने को मिलेगा, 05 और 06 मई को शाम के समय आंधी-तूफान और बादल गरजने की गतिविधियां रहेंगी। इससे पहले मौसम विभाग एक से दो मई के लिए बारिश व आंधी का येलो अलर्ट जारी कर चुका है।

24 से 28 अप्रैल तक तापमान लगातार 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया था। लेकिन 29 अप्रैल से तापमान में गिरावट दर्ज होने लगी। इस दिन तापमान सामान्य से नीचे चला गया और तापमान 37.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।। 30 अप्रैल को अधिकतम तापमान 38.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था।

मौसम विभाग के अनुसार अब एक सप्ताह तक अधिकतम तापमान में गिरावट आने की संभावना है। इस तरह से इस दौरान मौसम सुहावना और ठंडा बना रहेगा। इन गतिविधियों के कारण मौसम प्री मानसून जैसा रहेगा। इस दौरान बारिश, गरज वाले बादल, धूल भरी हवाएं, बिजली कड़कने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। तापमान 34-36 डिग्री के बीच बना रहेगा।

आज का तापमान

अधिकतम तापमानः 38.6 डिग्री सेल्सियस

न्यूनतम तापमानः 26.8 डिग्री सेल्सियस

दो मई को सूर्यास्तः 6:57 मिनट

तीन मई को सूयोर्दः सुबह 5:39 मिनट

अगले 20 दिनों में युद्ध स्तर पर चलेगा सफाई अभियान

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो,

दिल्ली। दिल्ली में अगले 20 दिनों में युद्ध स्तर पर एक सफाई अभियान चलाया जाएगा। इस संबंध में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, ऐसा पहली बार हुआ है कि दिल्ली में तीन स्तरीय सरकार काम कर रही है। आज दिल्ली में पहली बार एक ही मंच पर एक संयुक्त बैठक बुलाई गई, जिसमें दिल्ली के सभी बड़े अधिकारी और नगर निगम के बड़े अधिकारी उपस्थित रहे। यह तीन स्तरीय सरकार 20 दिनों में दिल्ली में एक बड़ा बदलाव जनता को देखने को मिले, इस पर कार्रवाई कर रही है।

विद्या भारती के शंकरदेव शिशु-विद्या निकेतन के मेधावी छात्राओं और प्रधानाचार्यों को बधाई और सम्मानित करने की तैयारी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो,

असम : हाल ही में घोषित हाईस्कूल शिक्षान्त परीक्षा में विद्या भारती से संबद्ध शिशु शिक्षा समिति, असम के अंतर्गत शंकरदेव शिशु-विद्या निकेतनों के छात्र-छात्राओं ने इस बार भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। इन सफल छात्रों और उनके प्रधानाचार्यों को बधाई देने और सम्मानित करने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। शिशु शिक्षा समिति, असम के प्रचार प्रमुख मुकुटेश्वर गोस्वामी के अनुसार, जिन छात्र-छात्राओं ने 95% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, जिन निकेतनों ने पहली बार परीक्षा में भाग लेकर 100% सफलता प्राप्त की है, और वे निकेतन जिन्होंने अपने सभी छात्र-छात्राओं को प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण कराया है ' उन सभी निकेतनों के प्रधानाचार्यों को सम्मानित किया जाएगा। इस उपलक्ष्य में 4 मई, रविवार को सुबह 11 बजे गुवाहाटी के चिड़ियाघर रोड स्थित विष्णुपथ .विद्यालय के रजनीकांत देव शर्मा स्मृति प्रेक्षागृह में एक बधाई तथा सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस समारोह में विद्या भारती पूर्वोत्तर क्षेत्र के महासचिव डॉ. जगदींद्र रायचौधुरी, संगठन सचिव डॉ. पवन तिवारी, शिशु शिक्षा समिति, असम के अध्यक्ष कुलेंद्र कुमार भागवती, सचिव जगन्नाथ राजवंशी और संगठन सचिव निरव घेलानी सहित राज्य के प्रमुख शिक्षाविद और पत्रकार उपस्थित रहेंगे, जो छात्र-छात्राओं को प्रोत्साहित करेंगे।

पेज एक का शेष...

अमेरिका भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है...

हालांकि, मीडिया रिपोर्ट्स के आधार पर समझा जाता है कि दोनों नेताओं के बीच पहलगाम आतंकी हमले से जुड़ी वार्ता हुई है। इस आतंकी वारदात के पीछे पाकिस्तान की भूमिका है।बता दें कि जम्मू–कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की नृशंस हत्या हुई। वारदात के समय अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अपने परिवार के साथ भारत में ही मौजूद थे। आतंकी वारदात के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात कर 'पूर्ण समर्थन' का भरोसा दिलाया था। अमेरिका के अलावा रूस, इस्राइल, ब्रिटेन जैसे कई अन्य देशों ने भी भारत के साथ एकजुटता दिखाई है।

करीब तीन महीने पहले फरवरी में हुई थी बात–इससे पहले राजनाथ सिंह ने पीट हेगसेथ को अमेरिका के नए रक्षा मंत्री बनने पर बधाई देने के लिए फरवरी में फोन किया था। दोनों रक्षा मंत्रियों ने भूमि, वायु, समुद्री और अंतरिक्ष से जुड़े तमाम मुद्दों पर बात हुई थी। राजनाथ और पीट हेगसेथ ने भारत–अमरीका रक्षा सहयोग गतिविधियों की व्यापक समीक्षा भी की थी। दोनों की बातचीत के संबंध में रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि प्रौद्योगिकी सहयोग, रक्षा औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखलाओं के एकीकरण, रसद और सूचना साझा करने के साथ–साथ संयुक्त सैन्य अभ्यासों जारी रखने को लेकर बात हुई थी। दोनों रक्षा मंत्री 2035 तक द्विपक्षीय सहयोग को बढ़ावा देने पर भी सहमत हुए।

पहलगामः 'हम नहीं चाहते कि लोग मुस्लिमों-कश्मीरियों के खिलाफ जाएं, न्याय चाहिए'

उन्होंने कहा, हम नहीं चाहते कि लोग मुसलमानों या कश्मीरियों के खिलाफ व्यवहार करें। बकौल हिमांशी, बेशक, हम न्याय चाहते हैं, लेकिन उन्हें शांति और केवल शांति चाहिए।'

कब और कहां हुई आतंकी वारदात, जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री क्या बोले– जम्मू–कश्मीर के पहलगाम शहर के निकट ह्यमिनी स्विटरलैंडह्ल नाम से मशहूर पर्यटन स्थल पर मंगलवार दोपहर हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत हो गई, जिनमें ज्यादातर पर्यटक हैं। यह 2019 में पुलवामा में हुए हमले के बाद घाटी में हुआ सबसे घातक हमला है। एक उच्च पदस्थ अधिकारी ने बताया कि 26 मृतकों में दो विदेशी और दो स्थानीय निवासी हैं। जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इस आतंकी हमले को हाल के वर्षों में आम लोगों पर हुए किसी भी हमले से कहीं बड़ा हमला बताया। अधिकारियों ने बताया कि यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस भारत की यात्रा पर हैं। इसी समय जम्मू–कश्मीर में पर्यटन और ट्रैकिंग का मौसम जोर पकड़ रहा है।

2019 की फरवरी में जम्मू–कश्मीर के ही पुलवामा में हुए आतंकी हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला पहलगाम में हुआ है। पहलगाम शहर से लगभग छह किलोमीटर दूर बैसरन चीड़ के पेड़ों के घने जंगलों और पहाड़ों से घिरा एक विशाल घास का मैदान है तथा देश व दुनिया के पर्यटकों के बीच पसंदीदा स्थान है।

आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा से जुड़े ळफ्फ्न ने ली हमले की जिम्मेदारी–पहलगाम हमले के संबंध में अधिकारियों और प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हथियारबंद आतंकवादी मिनी स्विट्जरलैंड में घुस आए और भोजनालयों के आसपास घूम रहे, खच्चर की सवारी कर रहे, पिकनिक मना रहे पर्यटकों पर गोलीबारी शुरू कर दी। पाकिस्तान में स्थित प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर–ए–तैयबा (एलईटी) के छद्म संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

जाति जनगणना पर अखिलेश यादव बोले- 90 फीसदी पीडीए की एकजुटता मतलब सौ फीसदी जीत

अब निजी संस्थाओं में नौकरी पर बहस चलेगी। श्रमिकों को बहुत बहुत बधाई। श्रमिक कई चुनौतियों से जूझ रहे हैं। अलग–अलग तरह के बाजार में श्रमिक हैं। भाजपा राज में सभी की चुनौतियां एक जैसी हैं। हमें आपको मशीन समझा जाता है। उत्पीड़न हो रहा है। आउटसोर्स किया जा रहा है। मजदूरी में भी कमीशनखोरी हो गई। देश का डाटा निकलें तो 99 फीसदी मजदूर पीडीए (पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक) के होंगे।

इस मौके पर अखिलेश यादव ने सपा में शामिल होने वाले नेताओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आज के दिन शंख बजा है तो परिवर्तन होना तय है। पीडीए हेल्पलाइन के बाद पीडीए डेटा सेंटर बना देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमने सरकारी वेबसाइट से आकंड़े लिए और ग्राफ पेश किया तो सरकार को बुखार आ गया। खुद सामने न आकर अपने अधिकारी को आगे किया जो रिटायर होने वाले हैं। बहुत से जिले हैं जहां हमने डाटा जुटा लिया है जो बहुत शॉकिंग हैं।

अखिलेश यादव ने सपा में शामिल होने वाले लाल चंद गौतम के बारे में कहा कि गौतम वो साथी हैं जिनकी वजह से भाजपा अपने एसी कमरों से निकल कर सड़कों पर आ गई। भविष्य में इस तरह का कोई काम न करें जिससे किसी को ठेस पहुंचे। हमने समझा दिया है अपने कार्यकताओं को लेकिन क्या भाजपा अपने कार्यकताओं को समझाएगी कि महापुरुषो का सम्मान करना सीखें।

पूर्व सांसद अरविंद ने कहा कि हम अति संवेदनशील अपील करते हैं कि भावनाओं में बहकर किसी राजनीतिक की तुलना किसी महापुरुष से न करें। वो दिव्य व्यक्तित्व हैं जिनकी किसी से भी तुलना नहीं की जा सकती है। बदरुद्दीन खान सपा में शामिल हो गए।

राहुल गांधी ने पीएम मोदी से की अपील, पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को मिले शहीद का दर्जा

प्रधानमंत्री से अनुरोध है कि इस त्रासदी में जान गंवाने वालों के परिवारों की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्हें यह सम्मान दें।

इससे पहले बुधवार को रायबरेली से कांग्रेस सांसद ने कानपुर में पहलगाम हमले के पीड़ित के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और कहा कि वे मृतक के लिए शहीद का दर्जा चाहते हैं। कांग्रेस नेता ने बुधवार को संवाददाताओं से कहा, "मैंने कानपुर में एक पीड़ित के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने मुझसे नरेंद्र मोदी को संदेश भेजने के लिए कहा। उन सभी परिवारों की ओर से मैं प्रधानमंत्री से कहना चाहता हूं – 'प्रधानमंत्री जी, उन्होंने कहा है कि हमारे बच्चे शहीद हुए हैं। हम चाहते हैं कि आप उन्हें शहीद का दर्जा दें और उन्हें सम्मान दें।

गांधी ने कानपुर में शुभम द्विवेदी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की और कहा कि विपक्ष पहलगाम हमले के पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा, मैं सिर्फ इतना कहना चाहता हूं कि आतंकियों को इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। चाहे वे जहां भी हों, उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। कांग्रेस नेता ने कहा कि आतंकियों को ढुलमुल तरीके से नहीं, बल्कि पूरी मजबूती के साथ करारा जवाब देना है, ताकि उन्हें याद रहे कि हिंदुस्तान के साथ ऐसा नहीं किया जा सकता है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कार्रवाई करनी है। पूरा विपक्ष सरकार के साथ खड़ा है। हमारा 100 प्रतिशत समर्थन सरकार के साथ है।

लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई, चुन चुन कर लिया जाएगा बदला...

इस देश के हर एक इंच से आतंकवाद को उखाड़ फेंकना हमारा संकल्प है। बोडोफा उपेंद्रनाथ ब्रह्मा की विरासत को सम्मानित करने के लिए सड़क और प्रतिमा के उद्घाटन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि यह मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे कैलाश कॉलोनी में बोडोफा के सम्मान में प्रतिमा का अनावरण और सड़क का उद्घाटन करने का अवसर मिला है।

उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा न केवल बोडो समुदाय के लिए बल्कि उन सभी छोटी जनजातियों के लिए भी महत्वपूर्ण है जिन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और विकास के लिए संघर्ष किया। बोडोफा की प्रतिमा न केवल बोडो समुदाय बल्कि ऐसी सभी छोटी जनजातियों का सम्मान बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि असम बोडोलैंड के लोगों को स्वीकार करता है और बोडोलैंड असम को स्वीकार करता है। आज बोडोलैंड से बहुत सारे लोग मेरी बात सुन रहे हैं, मैं कहना चाहता हूँ कि आप सभी को किसी भी तरह की हीन भावना नहीं रखनी चाहिए। इस देश पर जितना हक मेरा है उतना ही आपका भी है। 9 महीने की विस्तृत चर्चा के बाद 2020 में बोडो समझौते पर हस्ताक्षर हुए और सभी लोग आज हथियार डालकर मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। मैं बोडोलैंड के लोगों से कहना चाहता हूँ कि हमने आपके साथ किए गए समझौते के 96% मुद्दों को सुलझा लिया है।

संवैधानिक संस्थाएं अपने-अपने दायरे में सीमित रहें, तभी होता है परस्पर सम्मान

इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बक्शी का तालाब स्थित एयरफोर्स स्टेशन पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का स्वागत किया। उनके साथ राज्यपाल आनंदी बेन पटेल भी रहीं। कार्यक्रम में पहुंचकर उपराष्ट्रपति ने कार्यक्रम की शुरूआत की। इसके बाद पुस्तक का विमोचन किया।

हमारी संवैधानिक संस्थाएं एक–दूसरे का सम्मान करें– उपराष्ट्रपति ने कहा कि यह हमारा बाध्यकारी कर्तव्य है कि हमारी संवैधानिक संस्थाएं एक–दूसरे का सम्मान करें और यह सम्मान तभी होता है जब सभी संस्थाएं अपने–अपने दायरे में सीमित रहती हैं। हमारा लोकतंत्र तब फलता फूलता नहीं है जब संस्थाओं के बीच टकराव होता है। संविधान इस बात की मांग करता है कि समन्वय हो, सहभागिता हो, विचार विमर्श हो, संवाद और वाद–विवाद हो।

राज्यपाल इतनी सरल नहीं हैं... जितनी दिखती हैं– इस मौके पर उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि आनंदी बेन पटेल नाम ही काफी है। जिस प्रदेश में वह शिक्षक रहीं, मंत्री रहीं और मुख्यमंत्री रहीं। आज उस प्रदेश का स्थापना दिवस है। आज श्रमिक दिवस भी है। इस दिन को उनके जीवन पर आधारित पुस्तक का विमोचन रखा गया। यह कितना सोच समझकर किया गया होगा। आनंदी बेन इतनी सरल नहीं हैं, जितनी दिखती हैं।

उत्तर प्रदेश उत्तम प्रदेश है। सीएम योगी को युवा कहा जा सकता है। आज युवा की परिभाषा समझ नहीं आती है। यूपी आठ साल बेमिसाल के लायक है। यहां महाकुंभ सबसे बड़ा आयोजन हुआ। इसमें 60 करोड़ से ज्यादा लोगों का आना और सफलतम आयोजन होना, सदियों तक याद रहेगा।

भारत के सबसे ज्यादा एक्सप्रेस–वे यूपी में हैं– सीएम उत्तम प्रदेश के सारथी हैं। आपका भी आकलन आसान नहीं है। आठ साल में यूपी को बिना टैक्स के ही 12 लाख करोड़ से 30 लाख करोड़ तक ले गए। यह हर अर्थशास्त्री के लिए अचंभा है। प्रति व्यक्ति आय बढ़ी है। भारत के सबसे ज्यादा एक्सप्रेसवे यहां है। आपके यहां छह शहरों में मेट्रो है।

उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति व वाद–विवाद जरूरी है। अभिव्यक्ति का कोई कोई अर्थ नहीं है। यदि उसमें वाद विवाद नहीं है। लेकिन, यहां भी एक ईको सिस्टम होना चाहिए। क्योंकि अभिव्यक्ति अगर पराकाष्ठा पर चली जाए तो अधिकार विकार बन जाता है। अहम और अहंकार व्यक्ति और संस्था दोनों के लिए घातक है। हमारी सांस्कृतिक विरासत बेमिसाल है। कोई भी चुनौती दे उसे स्वीकार करना चाहिए। हम चुनौतियों से मुंह नहीं मोड़ सकते हैं।

अपनों से मिली चुनौती सबसे खतरनाक होती है– उन्होंने पहलगाम की घटना को भी एक चुनौती बताया। कहा कि पीएम के नेतृत्व में हम सुरक्षित हैं। हम एक देश के रूप में उनके साथ खड़े हैं। राष्ट्रवाद हमारा धर्म है। इससे दूर नहीं रह सकते। यही कारण है कि दुनिया आज हमारी तरफ देख रही है। चुनौतियों को अवसर में बदलने की हमारे पास क्षमता है। सबसे खतरनाक चुनौती वह है जो अपनों से मिलती है। किंतु हम उसकी चर्चा भी नहीं कर सकते हैं।

विधायिका फैसला नहीं लिख सकती है–उप राष्ट्रपति ने बोलते हुए आगे कहा कि सीएम हो, सांसद या अन्य जनप्रतिनिधि हो। सभी की शपथ संविधान के प्रति होती है। जबकि राज्यपाल, राष्ट्रपति की शपथ इनसे अलग होती है। इस तरह के गरिमापूर्ण पदों पर टिप्पणी करना चिंतनीय है। सभी संस्थान अपनी भूमिका का निर्वहन कर रहे हैं। चुनाव के माध्यम से 140 करोड़ जनता अपनी भावना जनप्रतिनिधि को चुनकर व्यक्त करती है। जो उनकी आवाज सदन में होती है। विधायिका फैसला नहीं लिख सकती है। मैं न्यायपालिका का सम्मान करता हूं। यहां बहुत सारे प्रतिभाशाली लोग है। उसकी लोकतंत्र में महत्वपूर्ण भूमिका है। फिर भी मैं अपील करता हूं कि सभी संस्था आपस में समन्वय सहयोग एवं एक दूसरे के सम्मान के साथ चलें।

सुप्रीम कोर्ट की याचिकाकताओं को फटकार

वे जांच में विशेषज्ञ नहीं हैं। वे केवल निर्णय दे सकते हैं और किसी मुद्दे पर निर्णय ले सकते हैं। हमें आदेश पारित करने के लिए मत कहिए। आप जहां जाना चाहते हैं, वहां जाएं। बेहतर होगा कि आप वापस चले जाएं।'

22 अप्रैल को हुआ था आतंकी हमला–22 अप्रैल को आतंकवादियों ने अनंतनाग जिले के पहलगाम के ऊपरी इलाकों में एक लोकप्रिय पर्यटक स्थल बैसरन में गोलीबारी की थी, जिसमें 26 लोग मारे गए। इनमें से अधिकतर दूसरे राज्यों से आए थे। घटना ने भारत–पाकिस्तान के बीच तनाव को बढ़ा दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर देकर कहा है कि आतंकी हमले करने वाले, साजिश रचने वाले और मदद करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

ताजमहल के पांच किमी के भीतर बिना हमारी अनुमति के पेड़ नहीं काटे जाएंगे

8 मई 2015 का मूल आदेश लागू रहेगा– सुप्रीम कोर्ट– पीठ ने कहा, 'ताजमहल के 5 किलोमीटर के भीतर मौजूद क्षेत्रों के संबंध में, 8 मई, 2015 का मूल आदेश लागू रहेगा। ऐसे मामलों में, पेड़ों की कटाई की अनुमति के लिए आवेदन करना होगा, भले ही पेड़ों की संख्या 50 से कम हो। यह अदालत केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति से अनुशंसा मांगेगी और उसके बाद पेड़ों की कटाई पर विचार करेगी।' इसमें कहा गया है, 'जब तक पेड़ों को काटने की बहुत आवश्यकता न हो, तब तक प्रभागीय वन अधिकारी को यह शर्त लगानी होगी कि वास्तविक पेड़ों की कटाई तभी की जा सकती है, जब प्रतिपूरक वनरोपण समेत अन्य सभी शर्तों का अनुपालन किया जाए।'

आगरा के एक ट्रस्ट की एक अन्य याचिका खारिज–डीएफओ या सीईसी को पहले पेड़ों को काटने की अनुमति देने से पहले निर्धारित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था। पीठ ने कहा, 'हम यह स्पष्ट करते हैं कि अपवाद केवल तभी लागू होगा, जब पेड़ों को काटने की बहुत आवश्यकता हो, क्योंकि यदि पेड़ों को काटने की कार्रवाई तुरंत नहीं की जाती है, तो मानव जीवन के नुकसान की संभावना हो सकती है।' अदालत ने मामले में सीईसी से एक रिपोर्ट भी मांगी, जिसमें यह दशार्या गया हो कि क्या आगरा किला और फतेहपुर सीकरी जैसे दो अन्य विश्व धरोहर संरचनाओं की सुरक्षा के लिए कोई अतिरिक्त प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। इस बीच, अदालत ने आगरा में मौजूद एक ट्रस्ट की एक अन्य याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें निजी भूमि पर पेड़ों को काटने के लिए पूर्व अनुमति प्राप्त करने की शर्त में ढील देने की मांग की गई थी।

क्या है सुप्रीम कोर्ट का 2015 का आदेश?–शीर्ष अदालत ने 8 मई के अपने आदेश में कहा था कि टीटीजेड में बिना अदालत की पूर्व अनुमति के कोई भी पेड़ नहीं काटा जा सकता है, यह उपाय वनों की कटाई को रोकने और क्षेत्र की जैव विविधता की रक्षा करने के उद्देश्य से किया गया था। 11 दिसंबर, 2019 को शीर्ष अदालत ने इस आदेश को संशोधित करते हुए टीटीजेड के भीतर गैर–वन और निजी भूमि पर पेड़ों की कटाई के लिए पूर्व अनुमति की आवश्यकता को हटा दिया।

क्या है ताज ट्रेपेजियम क्षेत्र?–ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड), जो शीर्ष अदालत के समक्ष विषय है, ताज ट्रेपेजियम क्षेत्र लगभग 10,400 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है, जो उत्तर प्रदेश के आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, हाथरस और एटा जिलों के साथ–साथ राजस्थान के भरतपुर जिले में भी फैला हुआ है।

आदर्श पब्लिक स्कूल में बच्चों ने मनाया मजदूर दिवस

एनपीटी ब्यूरो

बागपत। कस्बा खेकड़ा के आदर्श पब्लिक स्कूल में आज मजदूर दिवस मनाया गया।

मजदूर दिवस की शुरूआत 1886 में अमेरिका के शिकागो शहर में हुई थी। जब काम के घंटों को सीमित करने की मांग को लेकर श्रमिकों ने हड़ताल की थी, तब से यह दिन, दुनिया भर में श्रमिकों के अधिकारों के प्रतीक के रूप में मनाया जाता हैं। यह दिन हमे याद दिलाता है कि देश की तरक्की में श्रमिकों की भूमिका अमूल्य है और उनके योगदान का सम्मान किया जाना चाहिए। मजदूरों

को भी सम्मान मिलना चाहिए। इसके लिए आदर्श पब्लिक स्कूल के बच्चे आज मजदूरों की विभिन्न प्रकार की वेशभूषा में (जैसे माली, फूलवाला,फूलवाली,सब्जीवाला,सब जीवाली, दूधवाला, पेंटर, बढ़ई, मिस्त्री) आदि बनकर स्कूल आए। बच्चों ने सभी मजदूर वर्ग को भारतीय तिरंगा और फूल देकर सम्मानित किया। स्कूल की प्रधानाचार्या कोमल शर्मा ने बताया कि मजदूर हमारे समाज का आधार है और उसके बिना कोई भी समाज और संस्था आगे नहीं बढ़ सकती। उन्होने बच्चों को श्रम के महत्व और सम्मान के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि मजदूर केवल ईंट पत्थर, नहीं उठाते। वे समाज की बुनियाद को मजबूती देते है, उनका सम्मान करना हमारा कर्तव्य नहीं, हमारा संस्कार होना चाहिए।

अंबेडकर के अपमान पर भाजपा कार्यकताओं का विरोध, अखिलेश यादव के मुदार्बाद के लगाए नारे

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो।

बड़ौत।भाजपाइयों ने बाबा साहेब के साथ समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व सांसद अखिलेश यादव के पोस्टर को लेकर विरोध जताया। भाजपाइयों ने कहा कि इस कृत्य पर सपा मुखिया अखिलेश यादव को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

जिला मीडिया प्रभारी पवन शर्मा ने बताया कि समाजवादी पार्टी द्वारा लखनऊ में अपने कार्यालय के बाहर एक पोस्टर में आधी फोटो डॉक्टर भीमराव अंबेडकर व आधी फोटो अखिलेश यादव के चेहरे वाली लगाने को लेकर बृहस्पतिवार को क्षेत्र के गांव कौताना में भाजपा जिलाध्यक्ष वेदपाल उपाध्याय के निर्देश पर भाजपा के संगठनात्मक कौताना मंडल के मंडल अध्यक्ष दिनेश प्रधान के नेतृत्व में कौताना गांव के अम्बेडकर चौपाल में बैठक कर इस कृत्य को दलित विरोधी बताते हुए निंदा की। भाजपाइयों ने इस दौरान बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया।

इस दौरान एससी मोर्चा के जिला संयोजक आत्माराम मौर्य ने कहा कि दलित समाज बाबा साहेब को अपना भगवान मानता है। उनका सभी वर्गो में सम्मान है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब की आधी तस्वीर काटकर उसमें अपनी आधी तस्वीर लगाकर दलित समाज को शायद सांसद अखिलेश यादव यही बताना चाहते हैं कि वह बाबा साहब के बराबर हैं। सपा ने जान बूझकर भीमराव अंबेडकर का अपमान किया है। सपा व कांग्रेस ने कभी भी बाबासाहेब का सम्मान नहीं किया, केवल उनका नाम लेकर राजनीति की है। जबकि भाजपा ने बाबा भीमराव अंबेडकर को हर जगह सम्मान देने का काम किया है। एससी मोर्चा के जिला महामंत्री सतेन्द्र मौर्य व व्यापार प्रकोष्ठ के जिला सहसंयोजक रविन्द्र आर्य ने कहा कि भारत के संविधान के निमार्ता डॉ बाबासाहेब अंबेडकर का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता। इस कृत्य पर सपा मुखिया अखिलेश यादव को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। कहा कि समाजवादी पार्टी का यह स्वभाव बन गया है कि वह समय-समय पर बाबा साहब का अपमान करती रहती है।

इस दौरान बाबा साहेब अमर रहे, अखिलेश यादव, समाजवादी पार्टी मुदार्बाद के नारे लगाए गए। इस मौके पर जिला महामंत्री एडवोकेट बिजेंद्र शर्मा, जिला उपाध्यक्ष राकेश जैन, पूर्व जिला मंत्री विनोद पांचाल, मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, पूर्व मंडल अध्यक्ष सचिन शर्मा, मंडल उपाध्यक्ष अमित त्यागी, सुरेश जाटव, गोलू जाटव, शिवा जाटव, नीटू जाटव, मदनपाल, इन्द्र पाल जाटव आदि मौजूद रहे।

दमकल विभाग की जांच में 123 होटलों में नहीं मिले आग बुझाने के संसाधन

नेशनल प्रेस टाइम्स ,ब्यूरो।

गाजियाबाद। फायर विभाग की जांच में जिले में 123 होटलों में आगे बुझाने वाले फायर फाइटिंग सिस्टम खराब पाए गए हैं। विभाग की ओर से इन्हें नोटिस जारी किए जाएंगे। शहर के कुछ चुनिंदा होटलों को छोड़ दिया जाए तो ज्यादातर होटल व रेस्टोरेंट में आग से बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं है। ऐसे में अगर यहां आग लगी तो बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता है। होटल, रेस्टोरेंट, लाज और गेस्ट हाउस की बिल्डिंग बनाने से पहले नक्शे के हिसाब से अग्निशमन विभाग आग से सुरक्षा के लिए एनओसी जारी करता है।

15 अप्रैल से फायर विभाग होटल, रेस्टोरेंट और लॉज का निरीक्षण कर रहा है। मात्र 15 दिनों के अभियान में 123 होटलों, रेस्टोरेंट और लॉज में आग से बचाव के पुख्ता इंतजाम नहीं पाए गए हैं। कुछ ऐसे हैं जिनमें आग लगने से इसमें ठहरने वालों के बचाव का रास्ता तक नहीं है। ऐसे भी होटल हैं जहां एनओसी ले रखी है लेकिन फायर सेफ्टी के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। ऐसे होटलों की 18 मई को शासन को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

मोदीनगर में पुल निर्माण के दौरान हादसा, कई मजदूर घायल, घटिया निर्माण सामग्री का आरोप

नेशनल प्रेस टाइम्स ,ब्यूरो।

मोदीनगर। मोदीनगर में पुल निर्माण के दौरान हादसा हो गया। बताया जा रहा है कि निमार्णाधीन पुल पर लिंटर डालने के दौरान अचानक शटरिंग (ढांचा) खिसक गई, जिससे पुल का एक हिस्सा ढह गया।

यह हादसा कादराबाद चकभोला रजवाहे पर बन रहे पुल पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, देर रात लिंटर का काम चल रहा था, तभी तेज आवाज के साथ शटरिंग टूट गई और ऊपर डाला गया सीमेंट-कंक्रीट का ढांचा भरभरा कर गिर पड़ा। कई मजदूर मलबे में दब गए और कुछ मजदूर पानी में गिर गए। स्थानीय लोगों की मदद से तुरंत राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया। हादसे में कई मजदूर घायल हो गए

स्थानीय निवासियों और मजदूरों का आरोप है कि पुल निर्माण में घटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा था, जिससे यह हादसा हुआ। लोगों ने ठेकेदार और विभाग की लापरवाही पर सवाल उठाए हैं।

उपजिलाधिकारी निखिल चक्रवर्ती ने बताया कि सिंचाई विभाग द्वारा इस पुल का निर्माण कराया जा रहा था। उन्होंने कहा कि हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है। मामले की जांच के आदेश दिए हैं और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

दिल्ली-NCR से वेस्ट यूपी के शहरों को जोड़ने की पहलः डॉक्टर राजकुमार सांगवान ने की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से मुलाकात, DTC की इलेक्ट्रिक बस सेवाएं जल्द चलने की मांग की

बागपत/नई दिल्ली- दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से 11-बागपत लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने मुलाकात की। इस महत्वपूर्ण बैठक का उद्देश्य दिल्ली परिवहन निगम (उ़ळउ) की इलेक्ट्रिक एसी बस सेवाएं दिल्ली से सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कई शहरों तक विस्तार देने को लेकर चर्चा करना था।

डॉ. सांगवान ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि ये पर्यावरण अनुकूल बस सेवाएं बागपत, बड़ौत, छपरौली, शामली, मोदीनगर, मेरठ और हापुड़ तक आरंभ की जाएँ। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस विषय में सकारात्मक रुख दिखाते हुए प्रस्ताव का स्वागत किया और संबंधित विभागों को तकनीकी तथा व्यावहारिक पहलुओं पर तेजी से काम करने के निर्देश दिए।

इस प्रस्तावित सेवा से न केवल लाखों यात्रियों को राहत मिलेगी जो प्रतिदिन दिल्ली

और वेस्ट यूपी के बीच यात्रा करते हैं, बल्कि इससे क्षेत्रीय एकता, संपर्क और सामाजिक-आर्थिक विकास को भी मजबूती मिलेगी। साथ ही, इलेक्ट्रिक बसों के उपयोग से प्रदूषण में कमी लाने में भी मदद मिलेगी, जो कि दिल्ली-एनसीआर जैसे अत्यधिक प्रदूषित क्षेत्र के लिए बेहद जरूरी है।

डॉ. सांगवान ने बैठक के बाद मीडिया को बताया, ₹हमारे क्षेत्र के लोग रोजगार, शिक्षा और स्वास्थ्य के सिलसिले में दिल्ली की ओर निर्भर हैं। यह सेवा सिर्फ एक यात्रा सुविधा नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और पर्यावरण के प्रति हमारी जिम्मेदारी का प्रतीक भी है।

यह पहल उन लाखों लोगों के लिए वरदान साबित हो सकती है जो रोजमर्रा के सफर में घंटों जाम और महंगे किरायों का सामना करते हैं। इसके लागू होने के बाद, लोगों को सस्ती, स्वच्छ, वातानुकूलित और नियमित सेवा उपलब्ध होगी।

अब सबकी निगाहें दिल्ली सरकार और डीटीसी की कार्ययोजना पर टिकी हैं, ताकि यह ऐतिहासिक कदम जल्द जमीन पर उतर सके।

दलित समाज की बारात चढ़ाने के दौरान बारात में हंगामा बारातियों के साथ मारपीट का आरोप

मामला गंभीर होता देख पुलिस ने कई को हिरासत में लिया।

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो

रामपुर ,शाहबाद। बुधवार रात सिरौली थाना क्षेत्र के गांव से शाहबाद के रुस्तमपुर गांव में दलित समाज के यहां बारात आई थी, आरोप है कि बारात चढ़ाने के दौरान गांव के दूसरी जाति के दो तीन लोगों ने बारात में हंगामा करते हुए बारातियों के साथ मारपीट शुरू कर दी जिससे दलितों में आक्रोश का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही भीम आर्मी के पदाधिकारी भी रुस्तमपुर गांव पहुंच गए और कोतवाली आकर थाना प्रभारी पंकज पंत के सामने नाराजगी जताते हुए कार्यवाही की मांग की। कोतवाल ने मामले की जांच कराने को कहकर भीम आर्मी के लोगों को शांत किया। हालांकि पुलिस की मौजूदगी में गांव में बारात चढ़ाई गई और गुरुवार सुबह में दुल्हन को लेकर विदा हो गई। उधर पुलिस ने हालत को भांपते हुए तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। गांव में पुलिस बल तैनात है। गुरुवार को भीम आर्मी के कुछ पदाधिकारी फिर से थाने पहुंचे। कोतवाल पंकज पंत ने बताया कि अभी तक बारातियों या लड़की पक्ष की तरफ से कार्यवाही के लिए कोई तहरीर नहीं आई है। अगर तहरीर आती है तो कार्यवाही करेंगे।

भाजपाइयों ने फूंका अखिलेश यादव का पुतला, प्रदर्शन किया

एनपीटी ब्यूरो

गाजियाबाद। बाबा साहेब डॉ. भीमराव रामजी आंबेडकर के चित्र के साथ होने पर भाजपाइयों ने बुधवार को सपा प्रमुख अखिलेश यादव का पुतला फूंका और प्रदर्शन किया। नवयुग मार्केट स्थित डॉ. आंबेडकर पार्क में जुटे भाजपा नेताओं ने सबसे पहले प्रतिमा पर माल्यार्पण किया और इसके बाद प्रदर्शन कर पुतला फूंका। इस मौके पर सांसद अतुल गर्ग ने कहा कि बाबा साहेब का अपमान समाज कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। यह प्रयास बाबा साहेब के विचारों को कमजोर करने और उन्हें एक राजनीतिक औजार बनाने की साजिश है। भाजपा दलित समाज के साथ खड़ी है और इस प्रकार की हर साजिश का मुंहतोड़ जवाब देगी। कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने कहा कि महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर जैसे महामानव की तस्वीर से छेड़छाड़ कर उसमें अपनी तस्वीर जोड़ना समाजवादी पार्टी और उसके प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा किया गया अत्यंत निंदनीय और दुर्भावनापूर्ण कृत्य है। यह न केवल एक घटिया राजनीतिक नौटंकी है, बल्कि करोड़ों दलितों के आत्मसम्मान, संघर्ष और अस्मिता पर सीधा हमला है। भाजपा सदर विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि अखिलेश यादव का यह कृत्य दलित समाज के साथ धोखा है। समाजवादी पार्टी को बाबा साहेब की छवि का राजनीतिक उपयोग तुरंत बंद करना चाहिए और अखिलेश यादव को देश से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए। अनुसूचित समाज के राष्ट्रीय नेता अशोक संत ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि अखिलेश यादव का यह कदम न केवल बाबा साहेब के आदर्शों का उपहास है, बल्कि दलित समाज की चेतना पर भी आघात है। समाजवादी पार्टी को यह समझना होगा कि बाबा साहेब किसी पार्टी विशेष की नहीं, बल्कि राष्ट्र की धरोहर हैं। अखिलेश यादव दलित समाज से माफी मांगें और अपनी मंशा स्पष्ट करें। अनुसूचित जाति मोर्चा अध्यक्ष अमित कल्याणी ने सवाल उठाया कि आज तक समाजवादी पार्टी में किसी भी दलित नेता को शीर्ष नेतृत्व क्यों नहीं सौंपा गया?

भाजपा नेता सुनील भराला की श्री जी एनक्लेव समेत दो कालोनियों पर चला बुलडोजर

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मेरठ। मेरठ विकास प्राधिकरण की अनुमति के बगैर पल्लवपुरम क्षेत्र में काटी जा रही अवैध कॉलोनियों पर वीसी के आदेश पर एमडीए का बुलडोजर गरजा। अनुज चौधरी एवं भाजपा नेता सुनील भराला द्वारा मैं सिखेड़ा, मीनाक्षीपुरम रोड पर श्री जी एनक्लेव के नाम से करीब आठ हजार वर्ग मीटर में काटी जा रही अवैध कालोनी में विकसित की गई सड़के, बाउण्ड्रीवाल, बिजली के खम्बे एवं अन्य विकास कार्यों को ध्वस्त कर दिया गया। प्राप्त विवरण के

अनुसार पल्लवपुरम क्षेत्र में मैंन दौराला रोड पर मोनू सरदार के द्वारा 2500 वर्ग मीटर में बिना मानचित्र स्वीकृत कराये अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। उक्त कालोनियों के बारे में एमडीए तक लगातार सूचनायें पहुंच रही थी। प्रर्वतन अधिकारी आनंद कुमार सिंह ने बताया कि ध्वस्तीकरण की कार्यवाही के दौरान नोडल अधिकारी प्रवर्तन, उप प्रभारी प्रवर्तन एवं प्रवर्तन स्टाफ के साथ-साथ सुरक्षाकर्मी भी मौजूद रहे।

बहराइच के 25 लेखपालों के विरूद्ध होगी विभागीय कार्यवाही

बहराइच। जनपद में आंगनबाड़ी कार्यकत्री के पदों पर गतिमान भर्ती प्रक्रिया जैसे संवेदनशील कार्य हेतु जनपद की विभिन्न तहसीलों से निर्गत किये गये आय एवं निवास प्रमाण-पत्रों में सम्बन्धित लेखपालों के स्तर से बरती गई लापरवाही व शिथिलता का कड़ा संज्ञान लेते हुए जिलाधिकारी मोनिका रानी ने जनपद के 25 लेखपालों के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये हैं। डीएम ने सम्बन्धित उप जिलाधिकारियों को भी निर्देशित किया है कि दोषी लेखपालों के विरूद्ध 15 दिवस में विभागीय कार्यवाही पूर्ण करते हुए कृत कार्यवाही से अवगत कराएं, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित उप जिलाधिकारियों के विरूद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही अमल में लायी जायेगी। डीएम ने बताया कि जांच में असत्य पाये गये समस्त आय एवं निवास प्रमाण-पत्रों को पोर्टल से निरस्त कर दिया गया है।

मजदूर दिवस पर श्रमिकों को सलाम, रैली और जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

सीतापुर। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर संगतिन किसान मजदूर संगठन से जुड़े मिश्रिख, मछरेहटा, गोंदलामऊ, महोली, पिसावां, हरगांव, खैराबाद के मजदूर साथियों ने अपने-अपने ब्लाक में एकत्र होकर 1 मई मजदूर दिवस पर मजदूरों से सम्बंधित विभिन्न विषयों पर बातचीत की। मजदूर दिवस का क्या इतिहास रहा, आज की तारीख में मजदूर साथियों की क्या स्थिति है, चार लेबर कोड क्या है, इसके लागू होने से मजदूर साथियों की जिंदगी पर क्या असर पड़ने वाला है इन सभी विषयों पर विस्तृत चचाओं के साथ नारे और गीत गए।

हम मेहनतकश जग वालों से जब अपना हिस्सा मांगेंगे...
एक खेत नहीं एक बाग नहीं, हम सारी दुनिया मांगेंगे..

ऐसे गीत और नारों के साथ रैली निकालते हुए, खण्ड विकास कार्यालय पहुंचकर मनरेगा में रोजगार के लिए तैयार किया हुआ डिमांड सम्बंधित अधिकारी/ कर्मचारी को रिसीव कराया गया। मनरेगा किस तरह से मजदूर साथियों को राहत पहुंचा रही है? और मजदूरी भुगतान समय पर नहीं होने से मजदूर साथी अनेकों समस्याओं का सामना कर रहे हैं।

मनरेगा कानून हम मजदूरों का कानून है, यह हमारा हक है। इसे ठीक से लागू कराने का हमारा संघर्ष जारी है, जारी रहेगाङ्घ यह कहना है संगतिन किसान मजदूर संगठन से जुड़े लोगों का।

जनपद में 2,47,000 से अधिक श्रमिकों का निर्माण श्रमिक के रूप में पंजीयन कराया जा चुका है।

रॉयल ड्रीम वर्ल्ड इंटर कॉलेज बिठूर में लेबर डे का आयोजन हुआ

कानपुर,(स्वप्निल तिवारी)रॉयल ड्रीम वर्ल्ड इंटर कॉलेज बिठूर में लेबर डे का आयोजन हुआ वही इस अवसर पर एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छात्रों को 'कम्युनिटी हेल्पर्स' यानी समाज के विभिन्न कार्यों में लगे मेहनती लोगों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की

भावना से अवगत कराना था। कार्यक्रम के दौरान बच्चों को समाज में अहम भूमिका निभाने वाले सहायकों की मेहनत,लगन और समर्पण के बारे में बताया गया। छात्रों ने स्कूल के जूनियर स्टाफ को धन्यवाद स्वरूप उपहार भेंट कर अपनी आभार भावना व्यक्त की। इस छोटे से लेकिन भावपूर्ण प्रयास ने स्कूल परिसर में एक सकारात्मक और भावुक वातावरण बना दिया। स्कूल की प्रधानाचार्या सपना सिंह ने इस अवसर पर कहा हमारे विद्यालय में बच्चों को सिर्फ शिक्षा ही नहीं बल्कि जीवन के मूल्यों और संवेदनाओं को भी सिखाया जाता है। लेबर डे का यह आयोजन बच्चों में सहानुभूति,कृतज्ञता और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने की दिशा में एक सार्थक कदम है। विद्यालय परिवार ने इस आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी छात्रों,शिक्षकों और कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

संपादकीय

मनमानी रोकने को दिल्ली सरकार विधेयक

निस्संदेह, सरस्वती के मंदिरों का व्यापार का केंद्र बनना दुर्भाग्यपूर्ण ही है। नौकरियों में अंग्रेजी के वर्चस्व के चलते अभिभावक अपना पेट काटकर बच्चों को महंगे पब्लिक स्कूलों में पढ़ाते हैं। लेकिन सीमित आय वर्ग वाले कर्मचारियों व आम लोगों का कष्ट तब बढ़ जाता है जब स्कूल प्रबंधन मनमाने ढंग से हर साल फीस बढ़ाने लगते हैं। दलील दी जाती हैं कि छात्रों को गुणवत्ता की शिक्षा देने और योग्य शिक्षकों के अच्छे वेतन हेतु फीस बढ़ाने की जरूरत होती है। सर्वविदित है कि निजी स्कूलों के शिक्षकों की तनख्वाह सरकारी स्कूलों के शिक्षकों के मुकाबले काफी कम होती है। दरअसल, केवल स्कूल की फीस ही नहीं बढ़ती बल्कि तमाम अन्य मदों में अभिभावकों की जेब तराशने का सिलसिला सारे साल बदस्तूर चलता रहता है। बच्चों के बेहतर भविष्य के लिये अभिभावक भी फीस की टीस को बर्दाश्त करते हैं। लेकिन जब दिल्ली के स्कूल प्रबंधकों की मनमानी सीमा पार करने लगी तो अभिभावक विरोध में सड़कों पर उतर आये। दिल्ली सरकार भी हरकत में आई और आनन-फानन में फीस नियंत्रण के लिये एक विधेयक लाया गया। सभी के लिये किफायती और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 का प्रमुख लक्ष्य रहा है। लेकिन इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य के मार्ग पर एक बड़ी बाधा निजी स्कूलों द्वारा अभिभावकों का आर्थिक शोषण रहा है। मुख्य रूप से ये स्कूल पूरी तरह लाभ के लिये संचालित किए जाते हैं। दरअसल, इस मामले में जांच व नियमन का मजबूत तंत्र न होने का लाभ निजी स्कूल उठाते रहे हैं। जिसने शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर व्यावसायीकरण को बढ़ावा दिया है। ऐसे में दिल्ली सरकार की कैबिनेट का राष्ट्रीय राजधानी के सभी स्कूलों में फीस के नियमन को एक विधेयक को मंजूरी देना सुखद ही है। जिसके अंतर्गत उचित अनुमोदन के बिना फीस बढ़ाने पर दस लाख रुपये तक के जुमार्ने का प्रावधान है। निश्चय ही दिल्ली सरकार की इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए। इससे उन अभिभावकों को राहत मिलेगी जो हर साल फीस बढ़ाए जाने से त्रस्त रहते हैं। बताया जा रहा है कि जल्दी ही विधानसभा में पेश किए जाने वाले इस विधेयक में स्कूलों के लिये जिला व राज्य स्तर पर समितियों के गठन का प्रस्ताव है। इनके पैनल द्वारा पारदर्शी व समयबद्ध तरीके से स्कूल प्रबंधन द्वारा फीस वृद्धि के प्रस्तावों की जांच की जाएगी। निस्संदेह, इस विधेयक का मकसद असहाय अभिभावकों को स्कूल प्रबंधन के मनमाने फैसलों से बचाना है। दरअसल, देखने में आया है कि स्कूल प्रबंधन से जुड़े अधिकारी मनमाने ढंग से फीस में बढ़ोतरी करते रहते हैं। जो एक जबरन वसूली जैसा ही है, वजह है स्कूल के अधिकारियों के पास तमाम अधिकारों का होना। उल्लेखनीय है कि देश में गुजरात, राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों ने स्कूलों में फीस की संरचना को विनियमित करने के लिये कानून बनाये हैं। हालांकि, अकसर राज्य सरकारें इस मामले में खुद को अदालती लड़ाई में उलझा पाती हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2021 में, सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान स्कूल फीस विनियमन अधिनियम, 2016 की संवैधानिक वैधता को बरकरार रखा है। जिसमें शिक्षा में मुनाफाखोरी रोकने के राज्य के अधिकार की पुष्टि की गई है। निस्संदेह, ऐसी ही स्थितियों में दिल्ली में प्रभावित अभिभावकों के विरोध प्रदर्शनों ने दिल्ली की भाजपा सरकार को एक नियामक विधेयक लाने के लिये बाध्य किया। उल्लेखनीय है कि इस कानून में उन स्पष्ट प्रवर्तन प्रावधानों को शामिल करने की कोशिश की गई है, जिनके जरिये शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों के बीच विवादों को कम किया जा सके। साथ ही यह भी कि निजी स्कूल बेहतर सुविधाओं और शिक्षकों को उच्च वेतन देने के नाम पर फीस वृद्धि को उचित न ठहरा सकें। विडंबना यह है कि स्कूल प्रबंधन अकसर इन्हीं दलीलों को देकर ही फीस में वृद्धि करते हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि उनमें से अधिकांश आय-व्यय का विवरण देने से कतराते हैं। फलतः अभिभावक सही जानकारी के अभाव में ठगे जाते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि मजबूत कानूनी सुरक्षा उपायों से शिक्षा व्यवस्था व्यापार का जरिया न बनी रह सकेगी।

जाति जनगणना विभाजन का नहीं, विकास का आधार बने

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गमार्या जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है।

पहलगाम की क्रूर एवं बर्बर आतंकी घटना के बाद मोदी सरकार लगातार पाकिस्तान को करारा जबाव देने की तैयारी के अति जटिल एवं संवेदनशील दौर में एकाएक जातिगत जनगणना कराने का निर्णय लेकर न विपक्षी दलों को बल्कि समूचे देश को चौकाया एवं चमत्कृत किया है। सरकार का यह निर्णय जितना बड़ा है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। मोदी सरकार का जातिगत जनगणना के लिए तैयार होना सुखद और स्वागतयोग्य है। पिछले कुछ समय से जातिगत जनगणना की मांग बहुत जोर-शोर से हो रही थी। कुछ राज्यों में तो भाजपा भी ऐसी जनगणना के पक्ष में दिखी थी, पर केंद्र सरकार का रुख इस पर बहुत साफ नहीं हो रहा था। अब अचानक ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राजनीतिक मामलों की उच्चस्तरीय कैबिनेट समिति की बैठक में यह फैसला ले लिया गया। बाद में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को बताया कि आगामी जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल रहेगी। यह कदम जहां देश के राजनीतिक और सामाजिक समीकरणों को बदलेगा, वही सामाजिक असमानताओं को दूर करने और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए लक्षित नीतियों को लागू करने में मील का पत्थर साबित होगा।

जातिगत जनगणना 1931 यानी अखंड भारत में अंग्रेजी सत्ता ने कराई थी। भारत में जनगणना की शुरूआत अंग्रेजी हुकूमत के दौर में, सन 1872 में हुई थी और 1931 तक हुई हर जनगणना में जाति से जुड़ी जानकारी को भी दर्ज किया गया। आजादी के बाद सन 1951 में जब पहली बार जनगणना कराई गई, तो तय हुआ कि अब जाति से जुड़े आंकड़े नहीं जुटाए जाएंगे। स्वतंत्र भारत में हुई जनगणनाओं में केवल अनुसूचित जाति और जनजाति से जुड़े डेटा को ही पब्लिश किया गया। 2011 में मनमोहन सरकार ने जातिवार जनगणना कराई अवश्य, लेकिन उसमें इतनी जटिलताएं एवं विसंगतियां मिलीं कि उसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए गए। इसके बाद कुछ राज्यों ने जातियों की गिनती करने के लिए सर्वे कराए, क्योंकि जनगणना कराने का अधिकार केवल केंद्र को ही है। हालांकि भाजपा ने बिहार में जाति आधारित सर्वे का समर्थन किया, लेकिन जातिगत जनगणना को लेकर वह मुखर नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अवश्य इसका समर्थन किया। लेकिन अब एकाएक भाजपा को जातिगत जनगणना करना अपने हित में दिखाई दिया क्योंकि अपनी नीतियों एवं योजनाओं के बल पर भाजपा ने पिछड़ी जातियों और दलितों की गोलबंदी कर सत्ता का सफर आसान बनाया है।

जातिगत जनगणना का भारतीय राजनीति और समाज-व्यवस्था पर व्यापक एवं दूरगामी प्रभाव पडेगा। कांग्रेस और कुछ क्षेत्रीय दल इसकी पुरजोर मांग करने में लगे हुए थे। सबसे ज्यादा जोर राहुल गांधी दे रहे थे, जबकि नेहरू से लेकर नरसिंह राव तक ने इसकी जरूरत नहीं समझी। यह तय है कि जातिगत जनगणना कराने के फैसले पर जहां कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दल इसका श्रेय लेना चाहेंगे, वहीं भाजपा इसे सामाजिक न्याय एवं समता-संतुलित समाज-निर्माण केंद्रित अपनी पहल बताएगी। जाति आधारित जनगणना सामाजिक न्याय में सहायक बनेगी या नहीं, लेकिन इससे जातिवादी राजनीति के नए दरवाजे खुलेंगे एवं आरक्षण का मुद्दा एक बार फिर राजनीति की धूरी बनेगा। कांग्रेस एवं विपक्षी दलों ने अपने संकीर्ण एवं स्वार्थी राजनीतिक नजरिये से यह मांग इसलिए उठाई थी ताकि इस आधार पर आगे आरक्षण के मुद्दे को गमार्या जा सके और जातीय गोलबंदी कर चुनावी फायदा लिया जा सके। लेकिन भाजपा-सरकार ने जाति जनगणना का ऐलान कर इस मुद्दे को अपनी पाली में ले लिया है। भले ही इसके आंकड़े आने के बाद आबादी के अनुपात में आरक्षण की मांग से भाजपा कैसे निपटेगी, यह बड़ी चुनौती उसके सामने है। वैसे भी इस तरह की पहल जिन राज्यों में हुई है, वहां भी इसे लेकर विवाद चल रहा है। ऐसे विवाद भाजपा के लिये एक नयी चुनौती बनेंगे। जाति आधारित जनगणना से भारतीय समाज के नये कोने-अंतरे-चुनौतियां सामने आयेगी। लेकिन जातिगत जनगणना के समर्थकों का मानना है कि यह सामाजिक न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम हो सकता है। जनगणना में दलितों और आदिवासियों की संख्या तो गिनी जाती है और उन्हें राजनीतिक आरक्षण भी मिला हुआ है लेकिन पिछड़ी और अति पिछड़ी (ओबीसी और ईबीसी) जातियों के कितने लोग देश में हैं इसकी गिनती नहीं होती है। जनगणना एक बहुत बड़ी कवायद है और अगर इसमें जातिगत गणना को भी शामिल किया जा रहा है, तो काम और भी सावधानी एवं सतर्कता से करना होगा। हजारों जातियां हैं और उनकी हजारों उप-जातियां हैं। सबको अलग-अलग गिनने के लिए देश को अपनी डिजिटल शक्ति का उपयोग करना पड़ेगा।

निश्चित ही नयी राजनीतिक एवं नीतिगत स्थितियां समस्याएं खड़ी होगी। अब सभी जातियों की गिनती होगी। यह गिनती मुस्लिम, ईसाई और अन्य समुदायों में भी होनी चाहिए, क्योंकि कोई दावा कुछ भी करे, जाति और उसके आधार पर विभेद सब जगह है। इससे भी ज्यादा आवश्यक, बल्कि अनिवार्य यह है कि जातिगत जनगणना जातिवाद की राजनीति का हथियार न बने और वह भारतीय समाज को विभाजित न करने पाए। इस अंदेशे को दूर करने के कुछ ठोस उपाय होने ही चाहिए कि जाति आधारित जनगणना जातीय विभाजन का कारण न बनने पाए। यह अंदेशा इसलिए है, क्योंकि यह किसी से छिपा नहीं कि कई राजनीतिक दल खुले रूप से जाति की राजनीति करते हैं। माना जाता है कि देश की आबादी में 52 फीसदी लोग पिछड़ी और अति पिछड़ी जाति के हैं। ओबीसी समुदाय के नेताओं का मानना है कि इस हिसाब से उनकी राजनीतिक हिस्सेदारी काफी कम है। राजनीतिक दल इन समुदायों का समर्थन हासिल करने के लिए जाति जनगणना का समर्थन कर रहे हैं।

भारत में जाति जनगणना आजादी के बाद रुकी, पर अब सामाजिक न्याय, नीतिगत सुधार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के लिए इसकी जरूरत महसूस की जा रही है। पारदर्शिता और सावधानी से किया गया यह कदम समावेशी विकास का आधार बन सकता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने जाति आधारित जनगणना को एक समतामूलक समाज निर्माण के दृष्टिकोण से समर्थन देने के संकेत दिए हैं। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने कहा कि यह संवेदनशील मामला है और इसका इस्तेमाल राजनीतिक या चुनावी उद्देश्यों के लिए नहीं बल्कि पिछड़ रहे समुदाय और जातियों के कल्याण के लिए होना चाहिए। जाति जनगणना के आंकडे प्रस्तुत होने से राजनीति और ब्यूरोक्रेसी में पिछड़ी और अति पिछड़ी जातियों की हिस्सेदारी कितनी कम है, यह डर संभवतः भाजपा को सता रहा था। लेकिन भाजपा का यह डर या तो खत्म हो गया है, या फिर उसने बिहार में इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव में चुनावी लाभ लेने के लिए ये कदम उठाया है। भाजपा इसके खिलाफ थी, उसने जातिगत जनगणना को देश को बांटने की कोशिश करने वाला बताया था। लेकिन एनडीए में शामिल भाजपा की ज्यादातर सहयोगी पार्टियां इसके पक्ष में हैं।

जातिगत जनगणना के आंकड़े 2026 या 2027 के अंत में आएंगे और तब तक बिहार और यूपी के चुनाव हो चुके होंगे। इसलिए इसका चुनावी लाभ लेने की बात सही नहीं है। वैसे भी भाजपा ने हाल के वर्षों में पिछड़ों और दलितों समुदाय को अपने साथ जोड़ने में कामयाबी हासिल की है। भाजपा इस जातिगत गणना से ये भी दिखाना चाहती है कि पिछड़ों के एक-आध समुदाय को छोड़ दें तो ओबीसी समुदाय का बड़ा हिस्सा उसके साथ है। वैसे तो विभिन्न राजनीतिक दल अमुक-अमुक जातियों का नेतृत्व करने के लिए केवल जाने ही नहीं जाते, बल्कि ऐसा दावा भी करते हैं। इसलिये जाति आधारित जनगणना का लाभ है तो हानि भी है। इससे बेहतर और कुछ नहीं कि जातिगत जनगणना वंचितों-पिछड़ों के उत्थान में सहायक बने, लेकिन यदि वह विभाजन को बल देती है और देश की एकजुटता प्रभावित करती है तो इससे दुर्भाग्यपूर्ण और कुछ नहीं होगा। जनगणना के आंकड़े सरकार और जनता के लिए खुले और पारदर्शी होने चाहिए, ताकि सामाजिक संबंधों, आर्थिक अवसरों और राजनीतिक गतिशीलता की नई एवं समानतामूलक दिशाएं उद्घाटित हो सके और भारतीय समाज की विविधता की एक व्यापक सकारात्मक तस्वीर प्रस्तुत की जा सके। कोई भी आंकड़ा तभी सराहनीय है, जब उससे विकास तेज करने में मदद मिलती हो, एक समतामूलक एवं संतुलित समाज की संरचना को बल मिलता हो।

बरेली शहर में भारी वाहनों की नो एंट्री रहेगी दो दिन रहेगा डायवर्जन सड़कों पर संभलकर निकले

बरेली। बरेली में आला हजरत खानदान से जुड़े उर्स-ए-ताजुश्शरिया इस बार चार व पांच मई को मनाया जाएगा। देशभर से लाखों जायरीन मथुरापुर स्थित जामियतुर्रजा इस्लामिक सेंटर व शहर कोतवाली क्षेत्र में आला हजरत दरगाह स्थित खानकाह ताजुश्शरिया पर उमड़ने की संभावना है। ऐसे में भारी व हल्के वाहनों का डायवर्जन लागू किया गया है। एसएसपी अनुराग आर्य के निर्देश पर एसपी यातायात अकमल खान ने रविवार व सोमवार को यह व्यवस्था लागू की है।

लागू रहेगा डायवर्जन

सभी प्रकार के भारी वाहन, रोडवेज बसें झुमका तिराहा व रोड नंबर एक परसाखेड़ा से व मिनी बाईपास से मथुरापुर की तरफ प्रतिबंधित रहेंगे।

रामपुर, मुरादाबाद की तरफ आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है, वह बड़ा बाईपास से विलवा, विलयधाम होते हुए इन्वर्टिस तिराहे से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे।

रामपुर, मुरादाबाद की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बदायूं की तरफ जाना है वह बड़ा बाईपास से विलवा, विलयधाम, फरीदपुर से बुखारा मोड़ से रामगंगा तिराहे से जा सकेंगे।

नैनीताल की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है, वह बड़ा बाईपास से इन्वर्टिस तिराहे से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे। नैनीताल की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बदायूं की तरफ जाना है वह बड़ा बाईपास से विलवा, विलयधाम, फरीदपुर से बुखारा मोड़ से रामगंगा तिराहे से जा सकेंगे। पीलीभीत से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है वह विलयधाम से बड़ा बाईपास से इन्वर्टिस तिराहा से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे व पीलाभीत से आने वाले भारी वाहन जिनको बदायूं की तरफ जाना है वह विलयधाम से बडा बाईपास, फरीदपुर से बुखारा मोड़ से रामगंगा तिराहे से जा सकेंगे।

बदायूं की तरफ से आने वाले सभी प्रकार के भारी वाहन जिनको बरेली आना है वह रामगंगा तिराहे से बुखारा मोड़, फरीदपुर, इन्वर्टिस तिराहा होते हुए ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे व जिन वाहनों को पीलीभीत, नैनीताल, दिल्ली व लखनऊ की तरफ जाना है वह बुखारा मोड़ से फरीदपुर, बड़ा बाईपास होकर अपने-अपने गंतव्य को जा सकेंगे। लखनऊ की तरफ से आने वाले भारी वाहन जिनको बरेली आना है वह इन्वर्टिस तिराहे से ट्रांसपोर्ट नगर तक आ सकेंगे व जिनको दिल्ली, पीलीभीत, नैनीताल जाना है वह बड़ा बाईपास से होकर जा सकेंगे।

दिल्ली व रामपुर की तरफ से आने वाली रोडवेज बसें झुमका तिराहे से विलवा से डेलापीर, सौ फुटा पूर्वी होते हुए सेटेलाइट रोडवेज बस स्टैंड तक आ सकेंगी व इसी मार्ग से वापस जाएंगी।

300 बेड अस्पताल में एंबुलेंस पायलटों का प्रशिक्षण शुरू

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के लिए गुरुवार से 102/108 एंबुलेंस के स्टाफ का प्रशिक्षण 300 बेड अस्पताल में शुरू हुआ। एंबुलेंस सेवा प्रदाता कंपनी ईएमआरआई ग्रीन हेल्थ सर्विस संस्था की तरफ से आए हुए ट्रेनर मनोहर और संदीप कुमार ने एंबुलेंस कर्मियों को प्रशिक्षित किया। उनको इमरजेंसी में उपकरणों के इस्तेमाल के बारे में बताया। हॉस्पिटल में आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में 4 जिलों (बरेली, बदायूं, पीलीभीत, कासगंज) के पायलट शामिल हुए। ये प्रशिक्षण संस्था के ऑपरेशन हेड नन्द किशोर, रीजनल मैनेजर विनय कुमार गुप्ता, प्रोग्राम मैनेजर शिवम सोनी के नेतृत्व में शुरू हुआ। सभी पायलटों को आपात स्थिति में गंभीर मरीजों की देखरेख, एंबुलेंस के रखरखाव, स्वच्छता, यातायात नियम की जानकारी दी।

सपाइयों ने किया धरना-प्रदर्शन

एनपीटी ब्यूरो

बरेली। समाजवादी पार्टी के पदाधिकारी और कार्यकताओं ने गुरुवार को सिविल लाइंस स्थित सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में धरना प्रदर्शन किया। सपाइयों ने कहा कि बीते कई सप्ताह से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन पर करणी सेवा द्वारा निरंतर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। साथ ही हमले भी किया जा रहे हैं। इस संबंध में बार-बार शिकायत करने के बावजूद स्थानीय पुलिस प्रशासन कोई भी ठोस कार्यवाही नहीं कर रही है। सपाइयों ने यह भी आरोप लगाया कि विपक्षी पार्टियों की शह पर ही अपराधियों के हौसले बुलंद होते जा रहे हैं।

अमरोहा के हसनपुर में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग फर्नीचर नगदी सुमेंत सारा सामान जला एक लाख से अधिक नुकसान

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो अमरोहा

अमरोहा के हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव सुल्तानपुर वीरान में बीती रात एक घर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई घर के मालिक अबरार अली दिल्ली में मजदूरी करते हैं घटना के समय घर में उनकी पत्नी कमर जहां और बच्चे मौजूद थे

आग में घर का फर्नीचर बच्चों की यूनिफॉर्म रजाई गद्दे जल गए इसके अलावा गेहूं खरीदने के लिए रखे ?25000रुपए की नगदी भी जलकर राख हो गई कमर जहां ने बताया कि उनके पति कुछ दिन पहले ही घर आए थे और गेहूं खरीदने के लिए पैसे देकर गए थे पीड़ित परिवार का कहना है कि आग से करीब एक लाख रुपए से अधिक का नुकसान हुआ घटना की सूचना राजस्व प्रशासन को दे दी गई है

महिला प्रदेश अध्यक्षा के प्रथम आगमन पर किया गया भव्य स्वागत

एनपीटी ब्यूरो

सीतापुर -राजा टोडरमल स्मारक समिति राजस्व सुरक्षा सेवा दल (फ्ररऊ) के पदाधिकारियो द्वारा राजा टोडरमल संस्था की नवनियुक्त महिला प्रदेश अध्यक्षा निधि खन्ना के सीतापुर प्रथम आगमन पर राजा टोडरमल पार्क निकट टोडरमल जन सूचना केंद्र कलेक्ट्रेट कचेहरी परिसर सीतापुर में भाव्य स्वागत किया गया। नव नियुक्त प्रदेश अध्यक्षा ने टोडरमल पार्क में पहुंचकर भू पैमाइश के जन्मदाता राजा टोडरमल जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। संस्था के पदाधिकारियों के द्वारा नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्षा को माल्यार्पण व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय संस्थापक अध्यक्ष संजय पुरी ने नियुक्ति पत्र देकर निधि खन्ना को उत्तर प्रदेश के महिला प्रदेश अध्यक्षा के पद पर नियुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि राजा टोडरमल की सीतापुर जन्मस्थली रही है।

टोडरमल ने भू पैमाइश में अपनी महती भूमिका निभाई थी। जिनकी बदौलत पूरे भारत का राजस्व कोष चलता है। कहा मैं संस्था का बिस्तार प्रदेश स्तर से लेकर ग्रामीण स्तर तक बहुत तेजी के साथ करूंगी। जनहित की समस्याओं का समाधान शासन प्रशासन से कराने की प्राथमिकता रहेगी। और राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय पुरी के दिशा निर्देशों का पालन करूंगी। लालबाग से आंख अस्पताल मार्ग का नाम टोडरमल के नाम किया जाए ,जो आज तक नहीं पूरा हो सका है

नव नियुक्त महिला प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति पर संस्था की राष्ट्रीय महासचिव प्रीति पुरी, रंगमंच प्रदेश अध्यक्ष अभय श्रीवास्तव, जिला अध्यक्ष शिवनाथ मिश्रा , जिला मीडिया प्रभारी /ऑल इंडिया संपादक संघ जिला अध्यक्ष सन्तोष कुमार राव, महिला नगर प्रभारी नीलम गोंड, पिछड़ा वर्ग महिला अध्यक्ष इंदू रानी, एडवोकेट सविता देवी, कार्यकारी सदस्य अवनीश कुमार,सदस्य नीलम शुक्ला, पूनम टंडन, ममता मेहरोत्रा, सीमा मेहरोत्रा,निर्मला मल्होत्रा, संजय शुक्ला ,राज बहादुर सैनी, यश श्रीवास्तव, राम प्रकाश भास्कर, सहित तमाम पदाधिकारीयों व सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया।

सैफनी में शिक्षा की नई सुबहः इंटीग्रल वर्ल्ड स्कूल का भव्य उद्घाटन

एनपीटी ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर सैफनी।इंटीग्रल वर्ल्ड स्कूल, सैफनी के उद्घाटन समारोह में उमंग-उत्साह का दृश्य था रंग-बिरंगी फूलों से सजी इमारत के समक्ष बच्चों के चेहरे पर खुशी और माता-पिता की मुस्कान ने नई उम्मीद जगाई समारोह में स्थानीय गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। स्कूल चेयरमैन दानिश खान ने कहा कि शिक्षा एक प्रगतिशील समाज की रीढ़ है जो इस नए विद्यालय की स्थापना की महत्ता बताता है। फीता काटकर विद्यालय का विधिवत उद्घाटन किया गया, और पुष्प वर्षा कर इस खुशी के मौके को और भी पावन बना दिया।

आधुनिक सुविधाएँ और नई पहल

इंटीग्रल वर्ल्ड स्कूल का परिसर आधुनिकता का उदाहरण है। यहां विज्ञान एवं कंप्यूटर लैब, अत्याधुनिक लाइब्रेरी, व्यायामशाला और विशाल खेल मैदान जैसी सुविधाएं हैं, जो क्षेत्र के विद्यार्थियों को उच्च गुणवत्ता की शिक्षा उपलब्ध कराएंगी। पिछड़े क्षेत्रों में बड़े स्कूलों के खुलने से स्थानीय लोगों में शिक्षा के प्रति उत्साह बढ़ता है झ ठीक इसी आशा के साथ सैफनी में भी उम्मीदें जगीं।कार्यक्रम में वक्ताओं ने यह भी कहा कि अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा से क्षेत्रीय प्रतिभाओं को नई उड़ान मिलेगी। स्कूल प्रबंधकों ने बताया कि प्रारम्भिक सत्र में कक्षा-1 से कक्षा-5 तक पढ़ाई शुरू हो चुकी है। उन्होंने उम्मीद जताई कि यहाँ के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर अपने क्षेत्र व देश का नाम रौशन करेंगे।

वन स्टाप सेंटर के निरीक्षण में डीएम को बेपटरी मिली व्यवस्थाएं,केन्द्र प्रशासक रचना कटियार को हटाने के दिये निर्देश

बहराइच । जिलाधिकारी बहराइच मोनिका रानी ने सलारगंज स्थित वन स्टाप सेंटर का औचक निरीक्षक किया। निरीक्षण के दौरान सेंटर की साफ-सफाई, उपस्थिति पंजिका, पीड़ित महिला आमद पंजिका, रसोईघर, स्टाक सहित अन्य पंजिकाओं का निरीक्षण किया। सेंटर का साफ-सफाई तथा अभिलेखों का रख-रखाव सही न पाये जाने पर डीएम ने केन्द्र प्रशासक रचना कटियार को हटाये जाने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान दोपहर के भोजन में विलम्ब होने तथा भोजन से सम्बन्धित शासनादेश भी केन्द्र पर उपलब्ध न पाये जाने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी व्यक्त की। निरीक्षण के दौरान भोजन सामग्री क्रय इत्यादि की टेण्डर प्रक्रिया में शिथिलता बरतने व अत्यधिक विलम्ब होने एवं पर्यवेक्षण कार्य में लापरवाही बरतने के दृष्टिगत जिला प्रोबेशन अधिकारी के विरूद्ध शासन को पत्र लिखे जाने का भी निर्देश दिया।

पुलिस और पत्रकार एसोसिएशन रजि. के प्रयासों से परिजनों से मिला गुम हुआ बच्चा

एनपीटी ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद। रास्ता भटककर नगर के पंजाब नेशनल बैंक के पास चार वर्षीय बच्चा रोता दिखा। बैंक पर मौजूद होमगार्ड की निगाह बच्चे पर पड़ी तो उन्होंने शाहबाद पत्रकार वेलफेयर एसोसिएशन रजि के महासचिव सिफत मियां से संपर्क किया। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। हेड कांस्टेबल राजवीर सिंह बच्चे को लेकर थाने पहुंचे। जहां महिला आरक्षी संध्या उपाध्याय ने बच्चे से उसके पिता का नाम और पता पूछा लेकिन बच्चा कुछ भी बता नहीं सका। पुलिस और पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सोशल मीडिया समेत कई माध्यमों से बच्चे के परिजनों का पता लगाने की कोशिश की, अंततः अथक प्रयासों के बाद बच्चे के पिता का नाम और घर का पता मालूम हो सका। बच्चा शाहबाद नगर के मोहल्ला फराशीन निवासी अखलाक का था बच्चे का नाम अबूबकर है। महिला आरक्षी संध्या उपाध्याय ने बच्चे से उसके पिता की पहचान कराई। बच्चे ने जैसे ही अपने पिता को देखा वह उनके गले जा लगा। पुलिस ने बच्चे को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। बच्चे के परिजनों ने पुलिस के साथ साथ पत्रकार एसोसिएशन के पदाधिकारियों की जमकर प्रशंसा की। बीते दिनों भी पुलिस और पत्रकार एसोसिएशन के संगठन मंत्री विनोद गुप्ता के प्रयासों से गुम हुआ एक बच्चा अपने परिजनों से मिल सका था।

पुलिस लाइन, जेल रोड पर प्रतिबंधित पॉलीथिन गंदगी के विरुद्ध चला अभियान

एनपीटी ब्यूरो

मथुरा। शासन द्वारा निकायों में प्रतिबंधित प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए प्रतिबंधित पॉलीथिन के प्रयोग की रोकथाम के दृष्टिगत को लेकर निरंतर कार्यवाही किए जाने एवं प्रतिबंधित प्लास्टिक के उपयोग की रोकथाम हेतु व्यापक प्रचार प्रसार करने हेतु निर्देशित किया गया है। नगर आयुक्त शशांक चौधरी द्वारा भी नगर निगम मथुरा वृंदावन क्षेत्र अंतर्गत प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक एवं पॉलीथिन के विरुद्ध निरंतर कार्यवाही करने हेतु कड़े निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में सहायक नगर आयुक्त श्रीमती कल्पना सिंह चौहान, जोनल प्रभारी औरंगाबाद के निर्देशन में नगर निगम की टीम द्वारा प्रतिबंधित सिंगल यूज प्लास्टिक के विरुद्ध कार्यवाही की गई नगर निगम की टीम द्वारा पुलिस लाइन जेल रोड पर प्रतिबंधित पॉलीथिन एवं गंदगी के विरुद्ध अभियान चलाया गया। उक्त कार्यवाही में रुपए 2700 का जुमार्ना वसूला गया। कार्यवाही के दौरान क्षेत्रीय सफाई निरीक्षक ईटीएफ की टीम सहित पुलिस लाइन चौकी से क्षेत्रीय पुलिस निरीक्षक एवं अन्य पुलिस कर्मियों के साथ नगर निगम के कर्मी भी उपस्थित रहे।

सहकारी बैंक में ग्राहकों को मिलेगी इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई की सुविधा

एनपीटी ब्यूरो

सहकारी बैंक में ग्राहकों को मिलेगी इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई की सुविधा

मथुरा। जिला सहकारी बैंक अब ग्राहकों को इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और यूपीआई सेवा देने जा रहा है। जिला सहकारी बैंक प्रबंध समिति की अध्यक्ष निरंजन सिंह धनगर की अध्यक्षता में संपन्न हुई बैठक में यह जानकारी दी गई। बैठक में बैंक में 2024-25 के आंकड़ों एवं आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट का अनुमोदन किया गया। बीते वर्ष में बैंक को कुल 3178.83 लाख रुपये की आय हुई। जिसे वित्तीय वर्ष 2025-26 में बढ़ाकर 3354.00 लाख रुपये किया जाना प्रस्तावित किया गया। उन्होंने कहा कि खरीफ अभियान में जिले के कृषकों को उर्वरक की उपलब्धता व ऋण प्रवाह निरंतर बनाए रखने के लिए उर्वरक व्यवसाय ऋण सीमा और अल्पकालीन फसली ऋण सीमा भी स्वीकृत कराए जाने का निर्णय लिया है। जिला सहकारी बैंक में मॉडर्न बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने के दृष्टिगत नाबार्ड द्वारा प्रस्तावित साझा सेवा के अंतर्गत सदस्यता ग्रहण किए पर निर्णय लिया गया। इससे बैंक के ग्राहकों को सीबीएस एवं सीबीएस प्लस सेवाओं कॉमन एमआईएस सर्वर और डाटा वेयरहाउस, व्हाइट लेबल इंटरनेट बैंकिंग और मोबाइल बैंकिंग आदि सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। उपाध्यक्ष सुरेंद्र सिंह, मुख्य कार्यपालक अधिकारी दमन लाल शर्मा, सुमित कुमार, जगदीश कुमार कुंतल, निहाल सिंह आर्य, उमेश प्रताप सिंह, बनवारी सिंह सिकरवार, मानवेंद्र सिंह शर्मा आदि मौजूद रहे।

दरोगा ने श्रद्धालु को मारा तमाचा, वीडियो हुआ वायरल

मथुरा। वृंदावन में अक्षय तृतीया पर लाखों श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। जगह-जगह बैरियर लगाए गए थे। इस दौरान एक दरोगा ने एक श्रद्धालु के साथ अभद्रता कर दी। दरोगा ने उसके तमाचा मार दिया। इससे वहां माहौल बिगड़ने लगा लेकिन स्थिति को नियंत्रण में कर लिया। जानकारी के अनुसार ठा. राधा स्नेह बिहारी मंदिर के पास ड्यूटी पर पुलिसकर्मी तैनात थे। यहां एक श्रद्धालु भीड़ में बैरियर से जबरन घुसने लगा तो पुलिसकर्मी ने उसे रोका तो वह झगड़ा करने लगा। इस पर वहां मौजूद दरोगा ने उसके गाल पर तमाचा जड़ दिया। थप्पड़ मारने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। गौरतलब है कि एक दिन पूर्व ही पुलिस प्रशासन एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने रामकृष्ण मिशन हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि आने वाले श्रद्धालुओं के साथ शालीनता और विनम्रता से व्यवहार किया जाए।

मथुरा में बाजार बंद को लेकर नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने पाकिस्तान का पुतला फूंका

एनपीटी ब्यूरो

मथुरा। गुरुवार को नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी विभिन्न क्षेत्र में घूम-घूम कर बंद की सफलता को लेकर अलग अलग बाजारों में सुबह से ही संपर्क करते दिखाई दिए। दोपहर में सभी आक्रोशित व्यापारियों द्वारा महानगर के प्रमुख होली गेट चौराहे पर पाकिस्तान का पुतला फूकते हुए जमकर जूते से पिटाई की गई व प्रधानमंत्री से पाकिस्तान को जोरदार जवाब देने की अपील की गई।

इस अवसर पर वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामचंद्र खत्री, नगर महामंत्री शशि भानु गर्ग, सुनील साहनी, सह महामंत्री श्री भगवान चतुवेर्दी, वरिष्ठ मंत्री विकास जिंदल, युवा नगर अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल, राज नारायण, शरद चतुवेर्दी, महेश गुप्ता, सुनील शर्मा, प्रेम शंकर अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, बृजेंद्र सिंह गुर्जर, उमेश वर्मा, मनीष अग्रवाल, पंकज चतुवेर्दी, रोहित चतुवेर्दी, विश्वनाथ धनगर, अवधेश खंडेलवाल, प्रमोद अग्रवाल, योगेश अग्रवाल, लोकेश तायल, राजेश अग्रवाल, आशीष गर्ग, परग गुप्ता, सचिन चौधरी आदि सैकड़ो व्यापारी उपस्थित थे।

भारतीय किसान यूनियन श्रमिक जनशक्ति द्वारा जिलाधिकारी महोदय को सौंपा गया ज्ञापन

सीतापुर प्राइवेट स्कूलों में हर साल कोर्स बदलना और फीस बढ़ाना

एनपीटी ब्यूरो

1.महोदय सादर अवगत कराना है कि प्राइवेट स्कूलों की चलती मनमानी के कारण आज मजदूर आदमी अपने बच्चों को शिक्षा नहीं दिला पा रहा है क्योंकि प्राइवेट स्कूलों में हर साल फीस बढ़ रही है तथा हर साल कोर्स चेंज हो रहा है कोर्स उनकी चुनिंदा दुकानों पर ही उपलब्ध है सीतापुर में अगर 50 स्कूल है तो सभी स्कूलों का कोर्स अलग है। एक स्कूल का कोर्स दूसरे स्कूल में नहीं चलेगा। सबसे बड़ी समस्या यह है की स्कूल में हर साल कोर्स बदल दिया जाता है। अगर एक घर के कई बच्चे एक स्कूल में पढ़ रहे हैं। तो एक बच्चे का कोर्स दूसरे बच्चे के काम नहीं आता है। इस प्रकार गरीब मजदूर किसान के बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाएंगे। शिक्षा को व्यापार बना दिया गया है। यह एक अत्यंत गंभीर विषय है

2.विकासखंड खैराबाद की ग्राम नगरा सलेमपुर अली राजा सरदार कॉलोनी में आज तक खड़ंजा नाली नहीं बना है जिससे जल भराव रहता है जनता को निकलने में परेशानियों का सामना करना पड़ता है खड़ंजा नाली निर्माण कराया जाए

3. विकासखंड खैराबाद के नगरा सलेमपुर अलीराजा कॉलोनी के निकट सराय नदी का पुल टूटा है जिससे रास्ता अवरुद्ध है पुल का निर्माण कराया जाए इस मौके पर युवा प्रदेश अध्यक्ष मुमताज गाजी, युवा जिला अध्यक्ष फुरकान अंसारी, जिला सचिव कुलदीप यादव, जिला कार्यकारिणी सदस्य रामबाबू, तहसील सचिव प्रभात कुमार , सलमान, रामू, भोलू, हसीना, मालती, सुशीला, शादाब, आदि सैकड़ो किसान उपस्थित रहे।

भाकियू टिकैत ने तहसील प्रांगण में धरने के बाद सौंपा ज्ञापन

एनपीटी ब्यूरो

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद।भारतीय किसान यूनियन टिकैत का तहसील प्रांगण में किसानों की समस्याओं को लेकर धरना प्रदर्शन हुआ एसडीएम तहसीलदार व कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शाहाबाद ने धरना स्थल पर जाकर किसानों की समस्याओं सुनी और कई समस्याओं का समाधान कराया बाकी समस्याओं का एक हफ्ते में समाधान करने का आश्वासन पर धरना समाप्त किया राणा शुगर मिल से किसानों का बकाया भुगतान दिलवाया जाए सीएससी शाहाबाद में डॉक्टरों की लापरवाही है डॉक्टर टाइम से नहीं बैठ रहे हैं क्षेत्र में आवारा पशुओं का जो आतंक है उन्हें शीघ्र पकड़वाया जाए धरना स्थल पर मुख्य अतिथि मनोज चौधरी मंडल अध्यक्ष मुरादाबाद सरदार जगजीत सिंह गिल जिला अध्यक्ष रामपुर चौधरी सुनील कुमार पश्चिमी उत्तर प्रदेश सचिव जिला महासचिव होरीलाल लोधी जिला प्रवक्ता वीरेंद्र सिंह यादव जयवीर सिंह जिला प्रवक्ता मुरादाबाद रंजीत यादव युवा जिला अध्यक्ष राम बहादुर यादव ब्लॉक अध्यक्ष मिलक खुशीराम यादव ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी सुंदर पाल सिंह तहसील अध्यक्ष सर्वजीत सिंह युवा ब्लॉक अध्यक्ष बिलासपुर प्यारा सिंह राजवीर सिंह यादव युवा ब्लॉक अध्यक्ष शाहाबाद नावेद खान जिला सचिव आदि मौजूद रहे।

गेस्ट हाउस में भारतीय किसान यूनियन भानु की मासिक पंचायत एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

उत्तर प्रदेश रामपुर शाहबाद।बृहस्पतिवार को हर महा की तरह इस महा भी मासिक पंचायत का आयोजन किया गया और किसानों की समस्याओं को लेकर उप जिला अधिकारी शाहाबाद हिमांशु उपाध्याय को ज्ञापन दिया ज्ञापन किसानों की मांगों को लेकर दिया ग्रामीण क्षेत्र में सरकार के द्वारा जल जीवन मिशन के तहत टंकियां का कार्य पूरा कराकर पेयजल की व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए और हेडपंप खराब है उन्हें ठीक कराया जाए तूरखेड़ा में 1962 में शहीद हुए सैनिक की प्रतिमा का निर्माण जल्द कराया जाए जिससे किसानों को गर्भ महसूस हो सके ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब किसान मजदूर के राशन कार्ड अचानक काटे जाने से कार्ड धारकों को दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है राशन कार्डों को जल्द जोड़ा जाए शाहबाद क्षेत्र के ग्राम भगवतीपुर में 15-20 साल से जो झील में पानी सुखा हुआ है उसमें पानी जल्द छोड़ जाए जिससे किसानों को सिंचाई करने का लाभ मिल सके इस मौके पर वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष आकिल खान तहसील प्रमुख महासचिव बाबा सुरेंद्र सिंह मंडल सचिव झंडू सिंह आदिल खान राम चरण सिंह कृपाल आदि किसान मौजूद रहे

मुम्बई में जैन मंदिर विध्वंस करने एवं पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में जैन समाज में आक्रोश

प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा

नेशनल प्रेस टाइम्स, ब्यूरो। ललितपुर, महरौनी ।सकल दिगम्बर जैन समाज महरौनी ने हाल ही में देश भर में जैन समाज के विरुद्ध हो रही हिंसात्मक घटनाओं और धार्मिक स्थलों के प्रति बढ़ते उत्पीड़न को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है। समाज ने आरोप लगाया है कि एक के बाद एक कई स्थानों पर जैन साधु-साध्वियों पर हमले हो रहे हैं और मंदिरों को निशाना बनाया जा रहा है। जिसको लेकर देश भर में समाज द्वारा ज्ञापन दिए जा रहे है, इसी क्रम में महरौनी दिगम्बर जैन पंचायत समिति के तत्वाधान में प्रधानमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन महरौनी तहसीलदार तनवीर हसन को सौंप कर विभिन्न घटनाओं से अवगत कराया ।वही पहलगाम में हुए आतंकी हमले से समाज में रोष व्याप्त है और ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री से पाकिस्तान एवं आतंकवादियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है ।

ज्ञापन के माध्यम से जैन समाज द्वारा प्रमुख घटनाएं ज्ञापित की 1. मुंबई के विले पार्ले में जैन मंदिर पर बुलडोजर चलाया गया, लगभग 30 वर्ष पुराने जैन मंदिर को बी.एम.सी. द्वारा एक होटल व्यवसायी के इशारे पर बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया। समाज ने इस घटना को धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया है।

2. नीमच, मध्यप्रदेश के सिगोंली थाना क्षेत्र में स्थित एक जैन मंदिर के प्रांगण में जैन मुनियों पर हिंसक हमला

किया गया। यह घटना न केवल कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि साधु-संतों की सुरक्षा को लेकर भी गंभीर चिंता उत्पन्न करती है।

3. जबलपुर, मध्यप्रदेश में दो भाजपा नेताओं द्वारा जैन समाज को लेकर की गई आपत्तिजनक टिप्पणी ने समाज को आहत किया है। समाज ने इन बयानों की तीव्र निंदा करते हुए कार्रवाई की मांग की है।

4. हजारीबाग रोड, रांची, झारखंड में पैदल यात्रा कर रही जैन साध्वियों के समूह को पीछे से टक्कर मारी गई, जिसमें आर्यिका श्री चिन्तन मति माता जी गंभीर रूप से घायल हो गईं और दो अन्य माता जी को भी चोटें आईं। यह घटना समाज को झकझोर देने वाली रही।

जिसको लेकर सकल दिगम्बर जैन समाज महरौनी ने केंद्र एवं राज्य सरकारों से मांग की है कि इन सभी घटनाओं की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही जैन साधु-साध्वियों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु ठोस कदम उठाए जाएं। समाज ने यह भी कहा कि यदि शीघ्र कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई तो देशव्यापी आंदोलन की रणनीति पर विचार किया जाएगा!

ज्ञापन पर अध्यक्ष कोमल चंद, प्रमोद सिंघई, व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, प्रशन्न सिंघई,अनिल मिठया, पवन मोदी, पवन जैन पार्षद, आमोद, प्रवीण, सतेंद्र सिंघई, राजेश खिमलासा, काले लोडुआ, ऋषभ कठरया, अजित सेठ,जिनेश , आनंद जैन, मुकेश सराफ, शिखर चंद्र, संजय ,प्रदीप ,गौरव ,मनोज , संजीव, अभिषेक सिंघई, राकेश, संजू,आशु,अनुराग , हैप्पी,गौरव,शरद ,सुखमाल, चक्रैश, दीपक ,अमित, आशीष ,आकाश , कुमुद कांत , अरविंद, मुकेश, रजनीश , प्रिंस ,मयंक , महेंद्र बाबा ,विजय ,विनय , पंकज , राहुल,सचिन , अरविंद,कार्तिक,अनिल ,सचिन , अभिषेक, मनोज ,नितिन शास्त्री, पुष्पेन्द्र, राकेश, संजीव,अशोक सराफ , प्रदीप मोदी , राहुल आदि बड़ी संख्या में समाज के लोगो के हस्ताक्षर अंकित थे।

संस्कार भारती द्वारा श्रद्धांजलि सभा सम्पन्न

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो। ललितपुर ।संस्था संस्कार भारती इकाई ललितपुर के तत्वाधान में संस्कार भारती ललितपुर के कार्यालय पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया।

एवं घण्टाघर पर मोमबत्ती जलाकर एवं दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि व्यक्त की गयी । श्रद्धांजलि सभा में पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष पर्यटकों की नृशंस हत्या की घोर भर्तस्ना की गयी एवं मारे गए 28 निर्दोष भारतीयतों की आत्माओं की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की गई।

साथ ही भारत सरकार से शीघ्र ही आतंकवादियों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्यवाही किए जाने एवं आर्थिक सहायता देने की मांग की गई।

बैठक की अध्यक्षता बृजमोहन संज्ञा जी ने की, जबकि संचालन के के पाठक द्वारा किया गया। इस अवसर पर समाज सेवी वरिष्ठ भाजपा नेता बाबू गंधर्वसिंह ,पत्रकार अजय जैन मनोज चौबे गोविंद नारायण व्यास शिवानी झा ,शिवा झा ,पत्रकार पुष्पा झा ,कृपा शंकर व्यास ,गोपीलाल डोडलानी ,, केएल नामदेव सर्वेश श्रीवास्तव आदि द्वारा भी अपने विचार व्यक्त किया अंत में संस्था के कोषाध्यक्ष शील चन्द्र जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया।

मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ जिला इकाई सागर ने मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा

सागर। मध्य प्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष देवेंद्र कश्यप के नेतृत्व में पत्रकारों ने मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन को अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय के माध्यम से पत्रकार प्रोटेक्शन एक्ट की विशेष मांग के साथ ही पत्रकारों की 21 सूत्रीय मांगो का ज्ञापन सौंपा।

गौरतलब है कि प्रतिवर्ष 1 मई (मजदूर दिवस) को मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ पूरे प्रदेश में पत्रकारों के हक अधिकारों, एवं पत्रकारों पर बेवजह की जाने वाली प्रताड़ना, तथा फर्जी मुकदमों को लेकर हमेशा संघर्ष करता रहा है। इसी तारतम्य में आज सागर कलेक्टर को मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ सागर जिले के सदस्यों ने जिला अध्यक्ष देवेंद्र कश्यप के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा। इस दौरान बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे मुख्य रूप से साकेत जैन, अजय श्रीवास्तव, आदित्य यादव,उमेश यादव, प्रमोद राजपूत, अतुल अग्रवाल, शैलेश अग्रवाल, अमित मिश्रा (अथर्व), भूपेंद्र ठाकुर, अर्पित सेन, सोनू कुशवाहा, सीताराम पलैया, महेश भाई, महेंद्र राज,अनुराग विश्वकर्मा, रामावतार पटेल, जितेंद्र साहू, चंद्रेश यादव, ब्रह्म दत्त दुबे, राजेश पवार, सुश्री वंदना तोमर जी, ज्योति शर्मा, राजेश पाराशर, शरद श्रीवास्तव, प्रदीप जाटव, नितिन साहू गढ़ाकोटा, शुभम साहू, धर्मेंद्र हजारी राहतगढ़,मनोज तिवारी बरोदिया, त्रिवेन्द्र जाट,निखिल सोंधिया देवरी, विनोद जैन सुरखी, अभिषेक रजक, आनंद रजक बांदरी , प्रकाश जैन शाहगढ़,दीपक सरवरिया,सुधीर श्रीवास्तव, बण्डा,राजेश रजक, राहुल रजक मकरोनिया, अनिल वर्मा, सुनील लड़िया सहित सागर जिले के सभी ब्लाक अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

गुना में बसों में यात्रियों की सुरक्षा में यातायात नियमों की अनदेखी पाये जाने पर 60 वाहनों पर लगाया 25,700/-रुपये जुमार्ना

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

गुनाः नवागत पुलिस अधीक्षक गुना अंकित सोनी द्वारा जिले में सरल व सुदृढ़ यातायात व्?यवस्?था बनाकर रखने एवं वाहन चालकों से यातायात नियमों का सख्?ती से पालन कराये जाने तथा यातायात नियमों का उल्?लंघन करने वाले वाहन चालकों पर कार्यवाही हेतु दिये जा रहे निदेर्शों के गुना पुलिस द्वारा जिले में वाहन चैकिंग की निरंतर कार्यवाहियां की जा रहीं हैं । इसी तहत अतिरिक्?त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में यातायात प्रभारी निरीक्षक अजयप्रताप सिंह कुशवाह द्वारा अपने यातायात बल के साथ बीती रात गुना के अंबेडकर चौक पर बसों की चेकिंग की गई । इस दौरान हंस ट्रेवल्स, गिर्राज ट्रेवल्स, पीतांबरा ट्रैवल्स आदि बसों को चैक किया गया, जिसमें उनके फि?टनेस, परमिट सहित अन्य जरूरी दस्तावेज जाँचे गए । साथ ही

ड्राइवर्स का ड्रिंक एंड ड्राइव टेस्ट किया गया एवं बसों के अंदर मौजूद सवारियों की गणना भी की गई । एक बस ड्राइवर शराब के नशे में भी मिला जिस कारण उसके विरूद्ध मोटरयान अधिनियम की धारा 185 के अंतर्गत न्यायिक चालान बनाया गया । कई बसों की केबिन में 05 तो किसी बस में 07 लोग अतिरिक्त संख्या में बैठे मिले । क्षमता से अधिक सबारियां बैठी होने पर विधिवत जुमार्ने की कार्यवाही की गई । इस चेकिंग में कुल 60 वाहनों पर चालानी कार्यवाही कर 25,700/-रुपये शमन शुल्क वसूला गया ।थाना प्रभारी यातायात द्वारा चालकों को समझाइश दी गई कि शराब पीकर या अन्य किसी नशे की हालत में बस नही चलाएं । बसों में क्षमता से अधिक सवारी ना बैठाएं । बसों में इमरजेंसी विंडो और आग बुझाने के सिलेंडर और मेडिकल की किट जरूरी दवाइयों व उप?करणों सहित सही हालत में रखें । तेज रफ्तार में बस नही चलाएँ । आपकी खुद की हिफाजत के साथ-साथ बस में सवार सभी यात्रियों को सुरक्षित पहुँचाने की जि?म्मेदारी भी बस स्टाफ के ऊपर रहती है और इसमें भी ड्रायबर्स की सबसे ज्?यादा जिम्?मेदारी रहती है । इसलिये सभी चालक हमेशा ट्राफिक नियमों का पालन करते हुए ड्राइव करें ।

जून माह में महिला पर्यवेक्षक भर्ती का रिजल्ट जारी हो सकता है, 2000 पद बढ़ाए जाने की मांग

एमपीईएसबी ने समूह-5 भर्ती परीक्षा-2024 का परिणाम घोषित किया

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

भोपालः मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा महिला पर्यवेक्षक भर्ती की परीक्षा 7 मार्च से 13 अप्रैल 2025 तक आयोजित की गई थी परीक्षा के बाद अब महिला अभ्यर्थी रिजल्ट का इंतजार कर रहे हैं बीते मंगलवार को गुना में महिला परीक्षार्थियों ने महिला पर्यवेक्षक के पद बढ़ाए जाने को लेकर कलेक्टर को ज्ञापन दिया गया है ज्ञापन में परीक्षार्थियों ने मांग की है कि कम से कम 2000 पदों पर भर्ती की जाए आपको बता दें महिला पर्यवेक्षक के लगभग 660 पदों पर विज्ञापन जारी किया गया था इसकी परीक्षाएं 13 अप्रैल 2025 को संपन्न हो चुकी है अब कर्मचारी चयन मंडल रिजल्ट बनाने की तैयारी कर रहा हैइसका रिजल्ट जून माह में जारी होने की संभावना है यह भर्ती 7 साल के बाद आने से लगभग 6 लाख अभ्यर्थी ने फॉर्म भरा था इसका कटऑफ भी 120 से 160 के बीच रहने की संभावना है बीते दिन कर्मचारी चयन मंडल द्वारा द्वारा समूह-5 अंतर्गत नर्सिंग स्टॉफ, पैरामेडिकल स्टॉफ व समकक्ष पदों हेतु आयोजित संयुक्त भर्ती परीक्षा-2024 का परिणाम भी घोषित कर दिया गया है। यह परीक्षा 15 से 25 फरवरी 2025 के बीच प्रदेश के 11 शहरों में ऑनलाइन आयोजित की गई थी। यह परीक्षा 3060 पदों पर भर्ती के लिए की गई थी। ईएसबी द्वारा चयन सूचना संबंधित विभागों को दी जाएगी। इसके आधार पर नियुक्ति की प्रक्रिया संबंधित विभाग द्वारा की जाएगी। ईएसबी ने परीक्षा के लिए कुल 1,24,646 अभ्यर्थियों को प्रवेश पत्र जारी किए गए थे, जिनमें से 89,495 परीक्षार्थी उपस्थित हुए, जबकि 35,150 अनुपस्थित रहे। परीक्षा का परिणाम परसेंटाइल स्कोर के आधार पर तैयार किया गया है

आतंकवाद के खिलाफ शिक्षक-कर्मचारी हुए एकजुट पहलगाम हमले में दिवंगत पर्यटकों को दी श्रद्धांजलि

नेशनल प्रेस टाइम्स

बैतूल। शासकीय माध्यमिक शाला खंजनपुर में गुरुवार 1 मई की रात 7 बजे पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन बैतूल शाखा द्वारा एक सामूहिक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। यह सभा जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले में घायल पर्यटकों के अच्छे स्वास्थ्य की कामना और शहीद हुए नागरिकों को श्रद्धांजलि देने के उद्देश्य से रखी गई थी।

यह आयोजन राष्ट्रीय स्तर के नेता विजय कुमार बंधु तथा प्रांतीय नेता परमानंद डेहरिया के आह्वान पर किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी शिक्षकों, कर्मचारियों और अधिकारियों ने एकजुट होकर आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और सरकार से आतंकियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। जिला अध्यक्ष रवि सरनेकर ने बताया कि मजदूर दिवस के अवसर पर देश की अखंडता और एकता को प्राथमिकता देते हुए सभी विभागों के शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारी एक मंच पर आए और देश के नागरिकों पर हुए इस जघन्य हमले के विरोध में सामूहिक श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में प्रदीप चौधरी, राजू गंगारे, रमेश पवार, सुरेश लोखंडे, दिलीप वरवड़े, संतोष चौकीकर, रीना लोनारे, ललित वामनकर सहित जिले भर से सैकड़ों शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारी उपस्थित रहे। शिक्षक, कर्मचारी और अधिकारियों ने कहा कि वे देश के साथ खड़े हैं और देशहित सर्वोपरि है। सभी ने एक स्वर में कहा कि आतंकवाद को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया

विधायक की पुरानी आदतों से किसान व्यापारी परेशान, पहले उलझाओ फिर सुलझाने का श्रेय

नेशनल प्रेस टाइम्स बैतूल

बैतूल। बैतूल की राजनीति में अब यह ट्रेंड बन गया है, पहले किसानों को योजनाओं से परेशान करो, फिर पुरानी व्यवस्था को दोबारा लागू कर श्रेय लेने की होड़ लगाओ। किसानों की जेब और सब्र दोनों को कसौटी पर कसने के बाद अब सत्ताधारी नेताओं ने किसान हितैषी बनने की कवायद शुरू कर दी है। मामला है कृषि उपज मंडी का, जहां पिछले वर्ष तक किसानों को दो लाख रुपये तक की राशि नकद दी जाती थी, लेकिन पारदर्शिता के नाम पर आरटीजीएस की व्यवस्था लागू कर दी गई।

इस निर्णय से किसानों की मुश्किलें कई गुना बढ़ गईं। उपज बेचने के बाद भुगतान सीधे खाते में आने के बजाय कभी बैंक की तकनीकी खराबी तो कभी फंड ट्रांसफर की प्रक्रिया में देरी जैसी वजहों से किसान हफ्तों तक राशि का इंतजार करते रहे।

अब जब किसान अपनी समस्या लेकर आवाज उठाने लगे, आंदोलन की सुगबुगाहट शुरू हुई, तब जाकर मंडी में दो लाख तक नकद भुगतान की पुरानी व्यवस्था फिर से लागू की गई। लेकिन समस्या का समाधान होते ही राजनीतिक

श्रेय की होड़ भी शुरू हो गई। सत्ता पक्ष के नेताओं ने इसे किसान हित में ऐतिहासिक फैसला बताते हुए वाहवाही लूटने की कवायद शुरू कर दी।

कांग्रेस के पूर्व विधायक निलय डागा ने इस पूरे घटनाक्रम को सत्ताधारी दल की सुनियोजित चाल बताया है। उन्होंने कहा, यह सब सत्ता में बैठे लोगों की मिलीभगत से हुआ है। पहले किसानों को आरटीजीएस के जाल में उलझाकर भुगतान से वंचित किया गया और अब उसी को वापस लाकर श्रेय लिया जा रहा है। किसान हितैषी होने का सिर्फ दिखावा किया जा रहा है।

पूर्व विधायक डागा ने यह भी आरोप लगाया कि मंडी प्रबंधन किसानों की जगह व्यापारियों को संरक्षण दे रहा है। यही कारण है कि भुगतान की प्राथमिकता किसानों की नहीं रही। जबकि शासन द्वारा स्पष्ट आदेश है कि दो लाख तक की राशि नकद दी जाए।

किसानों का भी यही कहना है कि आरटीजीएस से भुगतान होने पर कभी चार दिन तो कभी सात दिन लग जाते हैं। इस दौरान उन्हें ब्याज पर रुपये उधार लेकर अपने रोजमर्रा के खर्च पूरे करने पड़ते हैं। नकद भुगतान की पुरानी व्यवस्था उनके लिए अधिक भरोसेमंद और व्यवहारिक थी।

असल सवाल यही है कि क्या यह सचमुच किसानों की समस्या का समाधान है, या फिर एक बार फिर से श्रेय की राजनीति का दिखावटी तमाशा? अगर प्रशासन और मंडी प्रबंधन पहले दिन से ही किसानों की सुविधा को प्राथमिकता देता, तो उन्हें महीनों तक भुगतान के लिए भटकना न पड़ता। यह दुखद है कि किसानों की पीड़ा को राहत नहीं, बल्कि राजनीतिक चमकाने का हथियार बना दिया गया है ।किसानों को पहले जानबूझकर परेशान करो, फिर समाधान कर खुद को मसीहा बताओ, यह राजनीति की गिरावट का सबसे दुखद उदाहरण है।

प्रदीपन संस्था ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में 16 संभावित बाल विवाह को रोका

नेशनल प्रेस टाइम्स बैतूल

बैतूल। प्रदीपन संस्था द्वारा 22 अप्रैल से 30 अप्रैल तक अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर बाल विवाह मुक्त भारत और जिला बनाने के लिए विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान की सबसे बड़ी सफलता यह रही कि इसके माध्यम से 16 संभावित बाल विवाह रोके गए। संस्था के सदस्यों ने बालिकाओं के पालकों को समझाइश देकर उन्हें बाल विवाह को रोकने में सफलता प्राप्त की।

प्रदीपन संस्था की संचालिका रेखा गुजरे ने बताया कि इस अभियान के तहत संस्था के कार्यकताओं ने बैतूल जिले के 50 गांवों में जाकर जन समुदाय, महिला संगठनों, स्कूलों, बच्चों से आम सभाओं, बैठकों, रोल प्ले और दीवार लेखन के माध्यम से संवाद किया। इन्हें बाल विवाह के दुष्परिणामों, इसके कानूनी अपराध होने तथा सामाजिक अभिशाप होने के बारे में जानकारी दी गई। अभियान के माध्यम से 16 संभावित बाल विवाह रोके गए।

धर्मगुरुओं ने भी संभाली थी कमान

अभियान का समापन अक्षय तृतीया के दिन जिले के विभिन्न धर्मगुरुओं के सहयोग से हुआ। संस्था के कार्यकर्ता मंदिर, मस्जिद, चर्च और अन्य धार्मिक स्थलों पर पहुंचे और धर्मगुरुओं से बाल विवाह के विरोध में समर्थन संदेश दिलवाए। इस अवसर पर फादर जोजो डॉन बास्को, रेव. सिनियार्ड ईएलसी कोठी बाजार, जैन धर्म के मुनि, इमाम जुनैद अहमद जामा मस्जिद, गायत्री शक्तिपीठ के पुजारी श्री लखन बिरेन्द्र, तथा बौद्ध धर्म की अनुयायी मीना पाटिल ने बाल विवाह को रोकने का आह्वान किया। धर्मगुरुओं ने संयुक्त रूप से कहा कि कोई भी धर्म या भारत का संविधान बाल विवाह की अनुमति नहीं देता। बाल विवाह से बच्चों का शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास प्रभावित होता है। यह समाज की उन्नति में बाधक है और एक कानूनी अपराध भी है। उन्होंने अपील की कि लड़कियों की शादी 18 वर्ष और लड़कों की 21 वर्ष की उम्र पूरी होने पर ही की जाए।

मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने आम श्रद्धालुओं की तरह किए बाबा श्याम के दर्शन

श्रद्धालुओं के सुगम दर्शन व्यवस्था व सुविधाओं के सम्बन्ध में ली जानकारी

नेशनल प्रेस टाइम्स,ब्यूरो।

सीकर। उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी गुरूवार को खाटूश्यामजी दौरे पर रही। इस दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने एक आम श्रद्धालु की तरह लाइन में लगकर बाबा श्याम के मंदिर में पहुंचकर पूजा-दर्शन किए तथा बाबा श्याम के दरबार में शीश नवाया और देश-प्रदेश में अमन,चैन, खुशहाली की कामना की। दर्शन के बाद उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने खाटूश्याम मंदिर में दर्शन व्यवस्था, जिला प्रशासन व मंदिर कमेटी द्वारा किए जा रहे नवाचार, श्याम श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली। वहीं मंदिर कमेटी के पदाधिकारियों ने उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी का श्याम दुपट्टा ओढ़ाकर स्वागत और सम्मान किया।

खैरथल में दूसरे दिन भी चला अतिक्रमण हटाने का अभियान: लोगों को मिली राहत

एनपीटी ब्यूरो

खैरथलः जिला कलक्टर के निर्देश पर खैरथल नगर परिषद ने शहर में चलाए जा रहे अतिक्रमण हटाओ अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा। टीम ने आरम्भ किए अभियान के दूसरे दिन दोपहर बाद कार्रवाई रेलवे फाटक से चालीस फीट रोड, रेलवे फाटक से अग्रसेन चौराहे, हेमू कालाणी चौक रेलवे स्टेशन रोड़ पर कारवाही करते हुए लक्ष्मण रेखा के बाहर के सामान,काउंटर,ठेले,दुकानों के बाहर लगे साइन बोर्ड, मेज स्टूल टैक्टर-ट्रॉली में भरे जिससे दुकानदारों मे हड़कंप मच गया

नगर परिषद के आयुक्त मुकेश शर्मा ने बताया की परिषद क्षेत्र में हो रहे अस्थाई अतिक्रमण को हटाने के कारवाही जारी रहेगी परिषद द्वारा खेंची गई लाइन के बाहर सामान को जप्त किया जाएगा जरूरत पड़ी तो कानूनी कार्रवाई भी की जायेगी

शर्मा ने बताया की यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। कार्रवाई के दौरान परिषद आयुक्त मुकेश शर्मा, जेईएन मोती लाल वर्मा ,सुबेसिंह सहित सफाई कर्मचारी मौजूद रहे।

शहर के अनेकों बुद्धिजीवियों ने परिषद की कारवाही पर खुशी जताते हुए,कारवाही को निरंतर रखने की मांग की है लोग अतिक्रमण से परेशान रहते है जिससे पैदल निकलना भी दुश्वार हो जाता है।

देश सेवा कर घर लौटे सूबेदार सुरेंद्र सिंह का ग्रामीणों ने किया अभिनंदन

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

झुंझुनूं चंवरा। राजकीय सेवा के बाद पैतृक गांव मैनपुरा लोटने पर सूबेदार फार्मासिस्ट सुरेंद्र सिंह बराला का ग्रामीणों द्वारा अभिनंदन किया गया। गांव पहुंचने पर सूबेदार सुरेंद्र सिंह सर्वप्रथम मुख्य बस स्टैंड पर अवस्थित शहीद स्मारक पहुंचे। जहां करगिल शहीद रणवीर सिंह बराला को सलामी देकर शारदा सुमन अर्पित किया और शहीद प्रतिमा से गले मिलकर भावुक हो उठे। उपस्थित ग्रामीणों ने भारत माता की जय और हिंदुस्तान जिंदाबाद के गगन भेजी नारे लगाए। सूबेदार को घोड़ी, डीजे और गाड़ियों के काफिले के साथ ग्रामीणों द्वारा घर तक लाया गया। जहां समारोह पूर्वक सूबेदार सुरेंद्र सिंह का अभिनंदन किया गया। समारोह में ग्रामीणों ने सूबेदार का फूल माला पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, पुष्प गुच्छ भेंट कर भव्य अभिनंदन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सूबेदार सुरेंद्र सिंह ने कहा कि सैनिक की कोई जाति और धर्म नहीं होता। सैनिक का एक ही धर्म होता है वह है इंसानियत, ईमानदारी और मातृभूमि की रक्षा करना। उन्होंने ग्रामीणों का आभार जताते हुए युवाओं से कहा कि अच्छे फिजिकल की तैयारी करें और सेना में भर्ती होकर भारत माता की सेवा में अपना अहम योगदान दें। जहां भी देश को आपकी आवश्यकता पड़े मातृभूमि की रक्षा के लिए हमेशा आगे रहे। कार्यक्रम का संचालन श्रीचंद बराला द्वारा किया गया। इस दौरान श्री चंद्र बराला, पूर्व सरपंच महेंद्र सिंह बराला, सुभाष बराला, कैप्टन रामस्वरूप ढाका, शीशराम सुंडा, सोहनलाल, विक्रम किलाणियां, नरेश बोचार, हजारीलाल कुमावत, राकेश कुमावत, पीतराम सैनी, रामावतार बराला, पूर्ण बारवाल, हवलदार चंदगी राम बराला, सुरेंद्र रसग्गनिया, राकेश कसवा, बंशीधर बारवाल, रामस्वरूप मीणा, दीपक मूंड, रामलाल मीणा, श्यामसुंदर शर्मा, अनिल वर्मा, बूंटी राम बराला सहित काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

वन राज्यमंत्री ने नाहर शक्ति माता मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की

राज्य सरकार प्राचीन व ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों के उन्नयन व जीर्णोद्धार हेतु प्रतिबद्ध मंत्री शर्मा

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

अलवर 1 मई। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने आज सरिस्का के सिलिबेरी स्थित नाहर शक्ति माता मंदिर में पूजा अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि व खुशहाली की कामना की।

मंत्री शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के सवार्गीण विकास के साथ-साथ प्राचीन व ऐतिहासिक धार्मिक स्थलों के उन्नयन व जीर्णोद्धार को लेकर प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री एवं अलवर सांसद भूपेन्द्र यादव के नेतृत्व में अलवर को पर्यटन हब के रूप में विकसित करने हेतु सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हाल ही में पेश किए गए बजट में अलवर जिले के धार्मिक स्थलों के उन्नयन एवं जीर्णोद्धार कराए जाने की विशेष सौगातें दी गई है जिनमें मूसी महारानी छतरी, गरबा जी मंदिर व लालदास मंदिर अलवर में जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य कराए जाने, ग्रामीण पर्यटन को बढावा देने के लिए रूसी रानी (दबकन) में विकास कार्य कराए जाने की घोषणा के साथ-साथ संस्कृति पोर्टल से प्रदेश के गांवों व मंदिरों के इतिहास को रिकॉर्ड करने, विभिन्न मंदिरों के उन्नयन हेतु 101 करोड रुपए, मंदिर में भोग की राशि को बढाकर 3000 रुपए प्रतिमाह और पुजारियों का मानदेय 7500 रुपए प्रतिमाह करने की ऐतिहासिक घोषणा की है। इससे न केवल धार्मिकों स्थलों का उन्नयन होकर स्वरूप में निखार आएगा बल्कि जिले के पर्यटन विकास को भी तीव्र गति मिलेगी। उन्होंने मंदिर कमेटी द्वारा किए गए स्वागत सम्मान के लिए हृदय से आभार। इस दौरान उन्होंने अपने प्रतिदिन पौधा लगाने के संकल्प के तहत पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश

अनोखी पहल: पीड़ित परिवार की मदद को उमड़े सर्व-समाज के लोग

खैरथल : एक सड़क दुर्धटना में अपने कमाऊ पुत्र को खो चुके गरीब परिवार को मदद के लिए सर्व समाज के लोग आगे आकर मदद कर रहे है जिससे पीड़ित परिवार को हाथ ना फैलाना पड़े , इसलिए उठाया जिम्मा. सड़क हादसे में मौत के बाद, अनेक युवा बने परिवार का सहारा --- खैरथल शहर के कई युवाओं ने मिसाल कायम की है , कुछ दिनों पूर्व मातौर रोड़, पेट्रोल पंप के सामने स्थित शिव मंदिर के पुजारी के इकलौते पुत्र कार्तिक मणिकांत कौशिक (18) की एक वाहन की टक्कर से मौत हो गई थी। इस हादसे के बाद विपत्तियों का पहाड़ टूट पड़ा , युवक परिवार का एकमात्र सहारा था, जो एक आईसक्रीम ऐजेंसी में कार्य कर अपने परिवार की गुजर बसर करता था, उसकी मौत के बाद परिवार के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया। इस घटना से व्यथित हो लोकहित को समर्पित संस्था,विप्र कल्याण समिति के जिला अध्यक्ष संदीप मिश्रा ने सर्व समाज के अपने परिचितों, मित्रों से इस परिवार की आर्थिक सहायता की योजना बनाई और अपने प्रथम सेवा प्रकल्प के तहत मदद के लिए नकद 26 हजार रूपए और अन्य सहायता जैसे अन्न आदि एकत्रित कर पीड़ित परिवार को सुपुर्द किये ताकि परिवार को आर्थिक संबल मिल सके , समिति के सभी सदस्यों ने बताया कि भविष्य में इस प्रकार की जो भी सहायता होगी वो की जाएगी । इस दौरान सुबेदार सुभाष गौड़, संदीप मिश्रा,पुरेन्द्र चौधरी अध्यापक, सुभाष जांगिड़, राजेश यादव प्रिंसिपल, विष्णु दत्त जोशी,बनवारीलाल शर्मा रेंजर,बी. एन अवस्थी,पीताम्बर शर्मा, राजेन्द्र शर्मा हरसौली वाले,पं पुरूषोत्तम शर्मा, ब्रजमोहन जांगिड़, सोनू रोहिल्ला, संदीप शर्मा रानोठ वाले, एएसआई यादराम गुर्जर केप्टन दुलीचंद चौधरी, ओमप्रकाश शर्मा, सतीस चौधरी, राहुल खंडेलवाल, नवबहार जाट, सुरेन्द्र लाटा, नरेश शर्मा , हरीश शर्मा,राजेन्द्र सोनी , पिंटू सोनी, मामन अग्रवाल, सुनील राजपलानी आदि मौजूद रहे।

पेड़ो पर परिंडे बंधवाकर पक्षी बचाने का दिलाया संकल्प

दैनिक जीवन मे पर्यावरण संरक्षण की आदतों को करें शामिल - जैन

ब्यरो -एनपीटी

बून्दी। बढ़ते ग्रीष्म काल में मूक पक्षियों को बचाने के लिए इन दिनों उमंग संस्थान द्वारा आमजन को पक्षी मित्र बनाने की मुहिम चलाई जा रही है जिसके तहत पक्षियों के लिए पेड़ो पर परिंडे बंधवाकर पक्षी बचाने का संकल्प दिलाया जा रहा है। इसी क्रम में पीएमश्री राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय झांपडी में उमंग संस्थान के परिंडा अभियान की प्रभारी अनुराधा जैन के नेतृत्व में देवलाल सैनी, जगन प्रसाद शर्मा, पार्वती सैनी,मैना बाहेती, ब्रजकंवर ने परिंडा बांधकर उनमें जल भरा तथा पक्षियों के लिए नियमित दाने पानी की व्यवस्था की।

इस दौरान परिंडा अभियान की संयोजिका अनुराधा जैन ने बालकों को दैनिक जीवन मे पर्यावरण संरक्षण की आदतों को शामिल करने हेतु प्रेरित करते हुए अपने अपने घर में परिंडे बांधने और ग्रीष्मकाल में पक्षियों के लिए शीतल जल की व्यवस्था करने का संकल्प भी दिलवाया।

देईखेडा में विधायक सीएल प्रेमी ने विकास कार्यों की अनुशंसा

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी! कस्बे में विधायक सीएल प्रेमी ने विधायक कोष से दस लाख रूपए की अलग अलग कार्यों की अनुशंसा की ग्राम पंचायत देईखेडा सरपंच राजकुमार मीना ने विधायक को गांव के मुख्य कच्चे रास्तों में हो रहे कीचड की समस्याओं से निजात दिलाने को लेकर अवगत कराया ताकी ग्रामीणों को परेशानी ना हो जिस पर प्रेमी ने विधायक कोष से सुरेश कुमार के घर से इंटर लोंकिक नाली निर्माण कार्य के लिए पांच लाख व गणेश कुआ से रामनिवास मीना के घर तक इंटर लोंकिक खुरंजा निर्माण कार्य के लिए पांच लाख रुपए की अनुशंसा करते हुए स्वीकृत जारी की यह जानकारी विधायक प्रतिनिधि अशोक मीना ने दी

निराश्रित गौवंश को आश्रय अभियान

34 गोवंशों को प्रदान किया गया आश्रय

एनपीटी ब्यूरो

खैरथल-तिजारा, एक मई। जिले के शहरी क्षेत्रों (नगर परिषद / नगर पालिका) में निराश्रित गौवंश के कारण आए दिन दुर्घटनाओं की आशंका और घटनाओं को देखते हुए जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने इस दिशा में एक अभिनव पहल "निराश्रित गोवंश को आश्रय अभियान 2025 शुरू की जिसमें अभियान के प्रथम दिन जिले भर में कुल 34 गोवंशों को आश्रय प्रदान किया गया।

जिला कलेक्टर ने बताया कि इस अभियान का संचालन नगर परिषद एवं नगर पालिका क्षेत्रों में किया जा रहा है। अभियान के प्रथम दिन नगर परिषद तिजारा क्षेत्र से 21 गोवंश को श्री मोनी बाबा गौशाला सूरजमुखी आश्रम मेंआश्रय प्रदान किया। इसी प्रकार नगर परिषद भिवाड़ी द्वारा 11 गोवंश को बाबा मोहन राम गौशाला तथा खैरथल में 2 गोवंशों को आश्रय प्रदान किया गया।

अभियान के तहत नगर परिषद और नगर पालिका स्तर पर प्रभावी ढंग से संचालित कर नगरों में घूम रहे निराश्रित गौवंश को चिन्हित कर निकटवर्ती गौशालाओं में सुरक्षित रूप से पहुंचाया जा रहा है।

इस अभियान का उद्देश्य दुर्घटनाओं को रोकना, सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना और निराश्रित पशुओं को बेहतर देखभाल उपलब्ध कराना है।

बाल विवाह के खिलाफ, धर्म गुरु

ब्यरो -एनपीटी

बूंदी! जिले में बाल अधिकारों की सुरक्षा और बाल विवाह की रोकथाम के लिए कार्यरत ग्राम राज्य विकास एवं प्रशिक्षण संस्थान ने बाल विवाह की रोकथाम के लिए धर्म गुरुओं के बीच चलाया जागरूकता अभियान, जैसा कि हम सभी जानते हैं कि, विवाह किसी पंडित मौलवी या पादरी जैसे पुरोहितों के बिना संपन्न नहीं हो सकता, इसलिए उन्हें बाल विवाह के खिलाफ अभियान से जोड़ने का फैसला किया , और 21 मंदिरों, गुरुद्वारो, चर्चो मे जाकर ऋ्श्ढर संस्थान की अभिलाषा अग्रवाल, सुमन शर्मा ने सभी पंडितो, पुजारियों, पादरियों, मोलवी को बाल- विवाह की शपथ दिलवाई और बाल- विवाह मुक्त भारत अभियान मे उन्हे शामिल किया, उन्होंने बताया की वह सभी बाल- विवाह जेसी कुरुति के लिए मिलकर आवाज उठाएंगे, और इसकी सूचना तुरंत प्रशासन को देंगे, और बालक / बालिका की निर्धारित आयु के बाद ही वह विवाह सम्पन्न करवाएंगे

बेहद खुशी का विषय यह हैं की आज पंडित और मोलवी इस बात को समझते हुए, न सिर्फ इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि खुद आगे बढ़कर बाल- विवाह नही होने देने की शपथ ले रहे हैं, यदि पुरोहित वर्ग बाल- विवाह संपन्न कराने से इंकार कर दे तो देश से रातोंरात इस अपराध का सफाया हो सकता है, इस अभियान मे उनके आशीतित सहयोग व समर्थन से हम अभीभुत हैं, इसको देखते हुए हमारा मानना हैं,कि हम जल्द ही हम बाल - विवाह मुक्त बुन्दी के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे

अलवर सेंट्रल जेल में लॉरेंस गैंग के बदमाश के पास मिला मोबाइल, प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार

नेशनल प्रेस टाइम ब्यूरो

अलवर सेंट्रल जेल तलाशी के दौरान की गई जांच के दौरान कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य सुनील उर्फ सोनू के कब्जे से मोबाइल और सिम कार्ड बरामद हुआ है घटना के बाद पुलिस ने प्रोडक्शन वारंट पर सुनील उर्फ सोनू को गिरफ्तार कर पूछताछ शुरू कर दी है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जाएगा कोतवाली थाने के सहायक उपनिरीक्षक मोरमुकुट ने बताया कि 11 अप्रैल को सेंट्रल जेल में सुरक्षा के तहत सघन तलाशी चेकिंग अभियान चलाया था की जिसमें बंदी सुनील और जयंत के पास मोबाइल फोन सिम कार्ड मिला मामले की गंभीरता को देखते हुए जेल प्रशासन ने कोतवाली थाने पर मामला दर्ज कराया जिस पर जयंत को जयपुर जेल शिफ्ट कर दिया गया और दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की गई पुलिस ने सुनील निवासी मित्राउ, शिव मंदिर गली, साउथ वेस्ट दिल्ली को जेल से गिरफ्तार किया और उससे पूछताछ की।सुनील वर्ष 2020 से लॉरेंस गैंग से सदस्य के रूप में जुड़ा हुआ है। वह वर्तमान में अलवर के कोट कासिम क्षेत्र में हुए एक हत्या के मामले में सजा काट रहा है। उसके खिलाफ हत्या धारा 303 हत्या के प्रयास धारा 307 लूट और गैंगवार सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं अब पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जेल के अंदर मोबाइल कैसे पहुंचा और इसमें कौन-कौन लोग शामिल हैं। मामले की जांच जारी है।

अंबेडकर सर्किल पर लगाया वाटर कूलर

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

सीकर आभावास। ग्राम पंचायत आभावास मैं स्थित अंबेडकर सर्किल पर स्वर्गीय नारायण लाल मुंडोतिया की धर्मपत्नी भंवरी देवी व सुपुत्र सुवालाल, रामस्वरूप प्रकाश चंद, शंकर लाल गोपाल लाल मुंडोतिया द्वारा अंबेडकर सर्किल वार्ड नंबर 1आभावास में वाटर कूलर सप्रेम भेंट किया। चंद्राराम, सांवरमल, बिरदीचंद मुण्डोतिया, रामावतार घनश्याम दिनेश नवीन मांगीलाल जांगिड़ सूर्य प्रकाश मुकेश बालकिशन आदि मौजूद रहे।

जन्म से मृत्यु तक मिलता है श्रमिक योजनाओं का लाभः अरविन्द चौहान

पालिका में मनाया गया अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस, बांटे गए प्रमाण पत्र

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

कैराना। नगर पालिका परिषद कैराना के सभागार कक्ष में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी अरविंद सिंह द्वारा 25 पात्र श्रमिकों को प्रमाण पत्र वितरित किये गए।
बृहस्पतिवार को नगर पालिका परिषद के सभागार कक्ष में राष्ट्रीय श्रमिक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिलाधिकारी शामली अरविंद सिंह व संचालन तासीम अली ने किया। उन्होंने कहा कि सभी श्रमिक है, बसके कार्य अलग- अलग बांटे गए हैं देश में पहले ऐसी व्यवस्था नहीं थी कि श्रमिकों के कार्यों का समय निर्धारित हो,लेकिन अब श्रमिकों के कार्य का समय आठ घंटे निर्धारित है। श्रमिकों के इच्छा के अनुसार ही आठ घंटे से अधिक कार्य कराया जा सकता है, वो भी ओवरटाइम में लगाया जाएगा।श्रमिक अपना रजिस्ट्रेशन कराएं और डीबीटी के माध्यम से लाभ सीधा उनके खातों में जायेगा।प्रत्येक मण्डल में श्रमिकों के बच्चों को शिक्षित करने के लिए अटल विद्यालय बनाये गए हैं।उन्होंने कहा कि श्रमिक रजिस्ट्रेशन कराने के बाद इसी आधार पर आयुष्मान कार्ड भी बनवा सकते है। श्रमिकों को जन्म से लेकर मृत्यु तक योजनाओं का लाभ मिलता है। पेंशन, शिक्षा, बीमा, शिशु लाभ,कन्या विवाह हेतु अनुदान सहित बड़ी संख्या में श्रमिकों के उत्थान के लिए योजनाएं संचालित की जा रही है। मुख्य विकास अधिकारी शामली विनय कुमार तिवारी ने कहा कि सरकार द्वारा श्रमिकों के कल्याण हेतु अनेकों योजनाएं संचालित की जा रही है। श्रमिक कल्याण बोर्ड का भी गठन किया गया है। जागरूकता के अभाव में रजिस्ट्रेशन नही कराए जाते। श्रमिक रजिस्ट्रेशन उपरांत योजनाओं का लाभ प्राप्त करें। इस दौरान एसडीएम कैराना स्वप्निल कुमार यादव,सहायक श्रमायुक्त शामली अचला पांडेय,पालिकाध्यक्ष शमशाद अंसारी,अधिशासी अधिकारी समीर कुमार कश्यप व श्रमिक विभाग से मुनव्वर जंग व गुलजार अंसारी उपस्थित रहे।

रंजिश के चलते मासूम व माँ-बेटी को किया घायल

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कैराना। पुरानी रंजिश के चलते दबंगों ने घर में घुसकर सात वर्षीय मासूम सहित माँ-बेटी को मारपीट कर घायल कर दिया। घायल अवस्था में मासूम को उपचार हेतु सीएचसी में भर्ती कराया गया है। गुरुवार को नगर के मोहल्ला रेतेवाला निवासी यूनुस के मकान में पुरानी रंजिश के चलते दबंग घुस आए और आते ही गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि विरोध करने पर दबंगों ने घर में घुसकर परिवार पर हमला कर दिया। इस दौरान सात वर्षीय मासूम अनस, बहन अफसाना व माँ इमरान घायल हो गईं। पीड़ित घायल बेटे अनस को लेकर उपचार हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर भर्ती कराया गया है। घटना के संबन्ध में कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

भाजपाईयों ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला फूंका

अखिलेश व बाबा साहब की एक फोटो पर जताया आक्रोश, की नारेबाजी, अखिलेश नहीं कर सकते बाबा साहब की बराबरी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

शामली। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की एक फोटो से पैदा हुआ विवाद थम नहीं रहा है। गुरुवार को भाजपा के पदाधिकारियों ने दिल्ली रोड स्थित अम्बेडकर चौक पर अखिलेश यादव का पुतला फूंका तथा जमकर नारेबाजी की। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की एक फोटो से भाजपाईयों का गुस्सा चरम पर है। गुरुवार को दर्जनों भाजपा पदाधिकारियों ने शहर के अजंता चौक स्थित अम्बेडकर चौक पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ जमकर नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूंका। वक्ताओं ने कहा कि इस फोटो में आधा चेहरा अखिलेश यादव का है जबकि आधा चेहरा बाबा साहब अंबेडकर का है, भारत के संविधान निमार्ता और दलित समुदाय के प्रतीक बाबा साहब अम्बेडकर का इससे बड़ा अपमान नहीं हो सकता कि उनके चेहरे को विकृत कर उस पर अखिलेश यादव का चेहरा लगा दिया जाए। चाहे अखिलेश यादव कितनी भी बार जन्म लें, वे बाबा साहब की महानता या समाज के वंचित वर्गों के उत्थान में उनके योगदान की बराबरी नहीं कर सकते। वे इस फोटो को दिखाकर दलितों के वोट पाने की कोशिश कर रहे है। इस अवसर पर भाजपा अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष बादल गौतम, नीरज जाटव, पूरनसिंह, जाटव, घनश्याम पारचा, पुनीत द्विवेदी, अल्पसंख्यक मोर्चा जिलाध्यक्ष रविन्द्र जैन, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष रोहित विश्वकर्मा, सोमसिंह, प्रदीप मायूस, सतीश धीमान, पारस भारद्वाज मौजूद रहे।

बद्रीनाथ धाम पर भंडारे के लिए खाद्य सामग्री का ट्रक रवाना

शामली। मानव सेवा ईश्वर सेवा उत्थान समिति द्वारा बद्रीनाथ धाम में 27वें विशाल भंडारे के लिए खाद्य सामग्री से भरे एक ट्रक को रवाना किया गया। ट्रक को एडीएम संतोष कुमार सिंह ने हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर अरविन्द कुमार गर्ग, अंकुर अग्रवाल, कुशांक चौहान, सुशील कुमार गर्ग, विजय संगल, राहुल तायल, राघव गर्ग, जितेन्द्र सैनी, दीपक सैनी, अंकुर मित्तल, सोमी, अनिल कुमार, पाली आदि मौजूद रहे।

संक्षेप समाचार :

वक्फ बोर्ड कानून के विरोध में तकिया मोहल्ला में बुझा दीं लाइटें

चौसाना। बुधवार की रात चौसाना कस्बे के तकिया मोहल्ला में वक्फ बोर्ड कानून के खिलाफ लोगों का आक्रोश खुलकर सामने आया। रात्रि नौ बजे से सवा नौ बजे तक मोहल्ले के लोगों ने अपने-अपने घरों की बिजली बंद कर दी और सड़क पर उतरकर शांति पूर्ण ढंग से विरोध दर्ज कराया। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से नए वक्फ कानून को वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन में मोहल्ले के पुरुषों के साथ-साथ कई युवा भी शामिल हुए। विरोध जताने के लिए सभी लोग एक साथ सड़क पर खड़े हो गए। किसी के हाथ में पोस्टर तो किसी के हाथ में मोबाइल की फ्लैशलाइट थी। विरोध कर रहे लोगों ने बताया कि नया वक्फ कानून मुसलमानों की संपत्तियों पर नियंत्रण का प्रयास है, जिससे समुदाय में असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। प्रदर्शन में शामिल बाबर, रिजवान, उमरी, परवेज, आसिफ, दिलशाद, इसरार, मेहताब, कादिर, गुफरान, मुजम्मिल, इरफान आदि ने कहा कि यह कानून समुदाय की धार्मिक आजादी और संपत्ति के अधिकार पर कुठाराघात है। उनका कहना था कि बिना किसी ठोस संवाद और आपसी सहमति के ऐसा कानून लाना संविधान की मूल भावना के खिलाफ है। आंदोलनकारी युवाओं ने कहा कि यह विरोध पूरी तरह शांतिपूर्ण है और भविष्य में भी लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज बुलंद करते रहेंगे। लोगों का कहना है कि वे प्रशासन के माध्यम से अपनी बात सरकार तक पहुंचाएंगे और जब तक कानून वापस नहीं लिया जाता, विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शन के चलते करीब एक घंटे तक मोहल्ले में अंधेरा पसरा रहा, जिससे लोगों की एकता और विरोध की गंभीरता साफ झलक रही थी। मोहल्ले में पुलिस की कोई तैनाती नहीं देखी गई, जिससे पता चलता है कि प्रदर्शन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहा।

भीम आर्मी और आसपा पदाधिकारियों ने दिया न्याय का भरोसा

चौसाना। टोड़ा में सरफराज पर कुल्हाड़ी से हुए जानलेवा हमले के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया है। 27 अप्रैल को अपने घर के सामने चबूतरे पर बैठे सरफराज पर अचानक हमला कर दिया गया था। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने से लोगों में आक्रोश फैल गया। घटना के बाद से ही ग्रामीणों में गुस्सा है और वे दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। बुधवार देर शाम को भीम आर्मी और आजाद समाज पार्टी (आसपा) के पदाधिकारी हाईकमान के निर्देश पर गांव पहुंचे और घायल सरफराज से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित परिवार का हालचाल जाना और हर संभव मदद का भरोसा दिया। इस दौरान डा. राजकुमार (मंडल सह-संयोजक, भीम आर्मी), सतेंदर झाल (पूर्व मंडल उपाध्यक्ष, आसपा), मनोज गौतम (पूर्व ज़िला उपाध्यक्ष, आसपा), अंकुश (भीम आर्मी) व सलीम गुर्जर (पूर्व ज़िलाध्यक्ष, आसपा शामली) मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि यदि प्रशासन ने मामले में जल्द कार्रवाई नहीं की तो वे सड़कों पर उतरकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से एकजुट होकर न्याय की लड़ाई में साथ देने की अपील की।

दस ग्राम अवैध स्मैक के साथ हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

एक हिस्ट्रीशीटर को 10 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है पकड़े गए आरोपी तस्कर ने अपना नाम व पता फुरकान पुत्र फैमूदीन उर्फ फैमू निवासी मौहल्ला आर्यपुरी बताया है।

कैराना। पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर हिस्ट्रीशीटर बदमाश को दस ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक शामली रामसेवक गौतम के आदेशानुसार चलाए गये मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त अपराधियों की गिरफ्तारी व बरामदगी अभियान के अनुपालन में अपर पुलिस अधीक्षक शामली के निर्देशन एवं क्षेत्राधिकारी कैराना श्याम सिंह के कुशल नेतृत्व में कैराना पुलिस द्वारा

पहलगाम में निर्दोष लोगों की हत्या पर जताया कड़ा आक्रोश

■ सरकार से पाकिस्तान से जल्द बदला लेने की ■मांग, किसान मजदूर संगठन ने सौंपा प्रार्थना पत्र

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
शामली। किसान मजदूर संगठन ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या पर कड़ा आक्रोश जताते हुए सरकार से पाकिस्तान से जल्द बदला लेने की मांग की है। संगठन ने कहा कि किसान मजदूर संगठन भारत सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है इसलिए जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार गुरुवार को किसान मजदूर संगठन के पदाधिकारियों ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष लोगों की हत्या पर आक्रोश जताते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रार्थना पत्र देते हुए भारत सरकार से आतंकवादी हमले का जल्द से जल्द बदला लेने की मांग की। उन्होंने कहा कि उनका संगठन हर फैसले में भारत सरकार के साथ मजबूती से खड़ा है तथा प्रशासन की स्वीकृति से रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया जाएगा। इस अवसर पर यशपाल सिंह, सोनू कुमार, नरेश सिंह तोमर, इसरार प्रधान, रवि शर्मा, जयभगवान, जमील प्रधान आदि भी मौजूद रहे।

मंगलेश्वर महादेव मंदिर में आज देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा

शामली। कलेक्ट्रेट प्रांगण स्थित नवनिर्मित मंगलेश्वर महादेव मंदिर में शुक्रवार को देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा धूमधाम एवं श्रद्धा के साथ की जाएगी। गुरुवार को कलेक्ट्रेट के अधिकारियों व अधिवक्ताओं ने देव प्रतिमाओं की नगर परिक्रमा निकाली जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों व अधिवक्ताओं ने भाग लिया। कलेक्ट्रेट प्रांगण में नवनिर्मित मंगलेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव परिवार व अन्य देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा को लेकर पूजा अर्चना का आयोजन किया जा रहा है। गुरुवार को एडीएम संतोष कुमार सिंह, एडीएम न्यायिक परमानंद झा, एसडीएम विनय कुमार भदौरिया सहित कलेक्ट्रेट परिवार व अधिवक्ताओं ने ढोल नगाडों के साथ देव प्रतिमाओं की नगर परिक्रमा निकाली। शुक्रवार को पूरे विधि विधान व पूजा अर्चना के साथ देव प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। सुबह 9 बजे हवन व दोपहर साढे 12 बजे कलेक्ट्रेट प्रांगण में विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

रामजीलाल सुमन के काफिले पर हमले से सपाईयों में आक्रोश

सपा अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

शामली। समाजवादी पार्टी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ ने सपा के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद रामजीलाल सुमन को करणी सेना द्वारा जान से मारने की धमकी व अलीगढ जाते समय उनके काफिले पर हमले पर आक्रोश जताते हुए राष्ट्रपति से कार्रवाई की मांग की है। जानकारी के अनुसार गुरुवार को सपा कार्यकर्ताओं ने कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन करते हुए सपा के राष्ट्रीय महासचिव व सांसद रामजीलाल सुमन पर करणी सेना द्वारा जान से मारने की धमकी, उनके आवास पर हमला करने तथा 27 अप्रैल को बुलंदशहर जाते समय अलीगढ में उनके काफिले पर हमला करने पर कड़ा आक्रोश जताते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। सपाईयों ने आरोप लगाया कि अलीगढ में करणी सेना द्वारा सांसद पर किए गए हमले में कई वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गए, वहीं कई कार्यकर्ताओं को चोटें भी आयी है। रामजीलाल सुमन को लगातार धमकियां दी जा रही है। यह न केवल कानून व्यवस्था के लिए खतरा है बल्कि लोकतंत्र, सामाजिक समरसता व भारत की अखंडता पर सीधा प्रहार है। सरकार द्वारा भी हमलावरों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। सरकार हमलावरों को खुला संरक्षण दे रही है। उन्होंने राष्ट्रपति से हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने व रामजीलाल सुमन को सुरक्षा उपलब्ध कराए जाने की मांग की। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सलेकचंद प्रधान, गोपाल कश्यप, जावेद जंग, रविन्द्र प्रधान जोगी, सावन जयंत, संजीव कुमार, भूपेन्द्र सैनी, तफरूजराव, मुमताज, अर्चना चौधरी, पूजा रावत, महराज, बबली कश्यप, अंजेश आदि मौजूद रहे।

संविदा कर्मचारियों पर दुष्कर्म के प्रयास का आरोप

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
कांधला। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने बताया कि गत 28 अप्रैल को पीड़िता अपने घर पर अकेली थी आरोप है कि गंगेरू बिजली घर पर तैनात गांव इस्सोपुरटील निवासी गौतम पुत्र जोगीराम, व गढ़ी राम कौर निवासी कुलदीप पुत्र यशपाल पीड़िता के घर में घुस आए और पीड़िता को जबरदस्ती दुष्कर्म करने की नीयत से दबोच लिया। पीड़िता के द्वारा शोर मचाने पर आरोपियों ने जान से मारने की धमकी देते हुए बताया कि उनके पास उक्त महिला की अश्लील वीडियो है और वायरल करने की धमकी दी। शौर शराबा होने पर आरोपी दोनों पीड़िता को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। महिला ने अपने परिजनों को घटना की जानकारी दी घटना के संबंध में पीड़ित परिजनों ने गंगेरू पुलिस चौकी को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। आरोप है कि कई दिन बीत जाने के बाद भी गंगेरू पुलिस चौकी के दरोगा यह पुलिसकर्मियों ने दोनों संविदा कर्मचारियों से सांठगांठ करते हुए मामला रफा दफा कर दिया। मामला दो समुदाय से जुड़ा होने के कारण ग्रामीणों में रोष बना हुआ है।महिला ने गुरुवार को उच्च अधिकारियों को शिकायत कर दोनों आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

छात्राओं को साइबर अपराधों के प्रति किया जागरूक

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो कैराना। नगर के दिगंबर जैन कन्या इंटर कॉलेज व आर्य कन्या इंटर कॉलेज में पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम से बचाव हेतु जानकारी देने के लिए कार्यशाला आयोजित की गई। गुरुवार को कैराना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक धर्मेंद्र सिंह व महिला उपनिरीक्षक शिल्पी चौधरी द्वारा नगर के दिगंबर जैन कन्या इंटर कॉलेज व आर्य कन्या इंटर कॉलेज में कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें छात्राओं को साइबर अपराधों,फेक न्यूज व डिजिटल अपराधों की रोकथाम से बचाव हेतु जानकारी प्रदान की गई। छात्राओं को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि साइबर ठगों द्वारा ठगी के नए-नए तरीके अपने जा रहे हैं। साइबर ठग पुलिस अधिकारी बन वीडियो कॉल पर परिवार के किसी सदस्य को पकड़े जाने की सूचना देते हैं और फिर रुपए की मांग करते हैं। अगर इस प्रकार की कोई भी कॉल किसी के भी पास आती है तो वह तुरंत अपने नजदीकी थाने में संपर्क कर संपूर्ण जानकारी पुलिस को दे। इस दौरान कंप्यूटर सेंटर के छात्र व छात्राएं,कॉलेज स्टाफ सहित पुलिस टीम मौजूद रही।

स्वास्थ्य उपकेंद्र बना शोपीस, मरीज भटकने को मजबूर

■ ग्रामीण ने की सीएम पोर्टल पर शिकायत, डॉक्टर बोलीं—हर रोज आती हूं

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो
चौसाना। खोडसमा गांव का स्वास्थ्य उपकेंद्र इन दिनों खुद बीमार नजर आ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि अस्पताल के नाम पर महज एक इमारत खड़ी है, जहां इलाज नहीं बल्कि ताले ज्यादा मिलते हैं। गांव के रहने वाले समशाद ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है। उनका आरोप है कि अस्पताल महीने में मुश्किल से एक या दो बार खुलता है, बाकी दिन मरीज इधर-उधर भटकते रहते हैं। समशाद का कहना है कि खोडसमा के सैकड़ों लोग इस अस्पताल पर निर्भर हैं, लेकिन डॉक्टर के न आने से लोगों को 10-15 किलोमीटर दूर जाने को मजबूर होना पड़ता है। हसरकार गांव-गांव स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने की बात करती है, लेकिन यहां तो महीनों अस्पताल खुलता ही नहीं। हालांकि इस पूरे मामले में ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर सुमन ने आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है, हजो व्यक्ति शिकायत कर रहा है, वो मेरे पास कुछ खास दवाइयां लेने आया था, जो उस समय मेरे पास उपलब्ध नहीं थीं। मैंने उसे ब्लॉक से लेने की सलाह दी थी। मैं हर रोज अस्पताल आती हूं और मरीजों को देखती हूं।हह डॉक्टर सुमन ने यह भी कहा कि उन्हें कभी-कभी ब्लॉक स्तर की ड्यूटी भी निभानी पड़ती है, जिसकी वजह से एकाध दिन अस्पताल बंद रह सकता है।

आर्य जाट महासभा चुनाव को लेकर विचार विमर्श

शामली। आर्य जाट महासभा की आगामी कार्यकारिणी के चुनाव को लेकर गुरुवार को एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में चुनाव को निष्पक्ष संपन्न कराने के लिए, चौधरी सुनील निर्वाल को चुनाव अधिकारी मनोनीत किया गया। अध्यक्ष भूपेन्द्र मलिक ने बताया कि आर्य जाट महासभा के सभी सम्मानित व्यक्तियों से विचार विमर्श के बाद चुनाव की तारीख की घोषणा की जाएगी। बैठक का संचालन सतेन्द्र खैवाल ने किया। इस अवसर पर प्रदीप पंवार, सूर्यवीर सिंह, यशपाल पंवार, डा. प्रताप चौधरी, सुनील मौजूद रहे।

आवश्यकता है
दैनिक नेशनल प्रेस टाइम्स में शामली थानाभवन जलालाबाद झिंझाना बिडौली ऊन चौसाना बाबरी गढ़ी पुख्ता एलम बनत आदि स्टेशनों पर रिपोर्टरो की आवश्यकता है
इच्छुक व्यक्ति संपर्क करें
आदिल राणा
जिला प्रभारी शामली
91-9082190000,
91-9997173786

सुंदर नगर स्कूल में प्रतिभाओं का हुआ सम्मान, गजला बनीं टॉपर

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को माल्यार्पण कर किया गया प्रोत्साहित

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

चौसाना। क्षेत्र के सुंदर नगर स्कूल में बुधवार को एक गरिमामय सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें दसवीं बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। समारोह का मुख्य उद्देश्य छात्रों के उत्साहवर्धन के साथ-साथ उनके उज्जवल भविष्य की कामना करना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कूल के प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने की, जबकि संचालन शिक्षिका रचना शर्मा ने किया। समारोह में गुरु गोविंद सिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन कर सबका मन मोह लिया। हाईस्कूल की छात्रा गजाला ने 89.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉपर का गौरव प्राप्त किया। विधि गर्ग ने 88.67 प्रतिशत अंकों के साथ दूसरा स्थान और आनिया ने 85 प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। इसके अलावा संजना (84.5%), सानिया (82.33%) और नरगिस (78%) ने भी शानदार अंक प्राप्त कर अपनी मेहनत का परिचय दिया। प्रधानाचार्य अनिल कुमार ने सभी मेधावी छात्रों को फूलों की मालाएं पहनाकर और शुभकामनाएं देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि बच्चों की मेहनत और लगन से ही स्कूल का नाम रोशन होता है। ऐसे सम्मान समारोह न केवल विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाते हैं, बल्कि अन्य छात्रों को भी प्रेरित करते हैं। समारोह में स्थानीय अभिभावकों, शिक्षकों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति ने आयोजन को और भी विशेष बना दिया। उपस्थितजनों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ विद्यार्थियों की उपलब्धियों की सराहना की और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

चौसाना की गलियों में फैला कूड़ा बना सिरदर्द, ग्रामीणों में नाराजगी

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

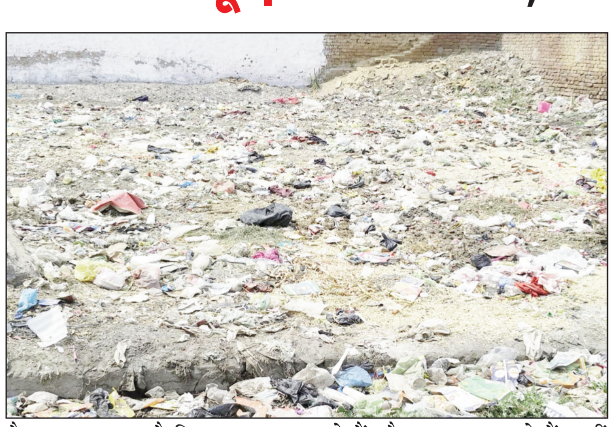

चौसाना। कस्बे की प्रमुख गलियों में जगह-जगह लगे कूड़े के ढेर लोगों के लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। विशेषकर होली के टिल्ले के पास नई मस्जिद के सामने की गलियों में गंदगी इस कदर फैल चुकी है कि राह चलना मुश्किल हो गया है। स्थानीय लोगों ने सफाई व्यवस्था को लेकर नाराजगी जाहिर की है और आरोप लगाया है कि शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। गांव निवासी समशाद, लीला, दुधिया, अय्यूब, मेंबर, शाहबाज, रहमान, मनोज, अनुज, मोनिश, सतबीर आदि ने बताया कि गली के किनारे कूड़े के ढेर लगे हैं, जिससे उठ रही दुर्गंध से सांस लेना तक मुश्किल हो गया है। उनका कहना है कि ग्राम प्रधान और सचिव से कई बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। ग्रामीण समशाद ने बताया, हम कई बार शिकायत कर चुके हैं, पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। बच्चे बीमार पड़ रहे हैं और मच्छर पनप रहे हैं। वहीं लीला का कहना है, कूड़े के कारण गली में चलना मुश्किल हो गया है। बरसात में हालात और भी बदतर हो जाते हैं। दूसरी ओर, गांव के ही यामीन, शमीम, किरणपाल, रिंकू, फौजी आदि ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव में सफाई के नाम पर लाखों रुपये का खर्चा दिखाया जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही है। ग्रामीणों का कहना है कि कई मोहल्लों में महीनों से सफाई नहीं हुई और ना ही कोई जिम्मेदार मौके पर आता है। शमीम ने बताया, सरकारी कागजों में सफाई हो रही है, लेकिन असल में गलियों की हालत खराब है। कोई पूछने वाला नहीं है। वहीं फौजी का कहना है, गांव में सफाई कर्मचारी कभी दिखाई नहीं देते। पंचायत का सारा ध्यान सिर्फ कागजी कामों में है। वहीं ग्राम सचिव राहुल कुमार ने सफाई दी। उन्होंने कहा, गांव की लगभग सभी गलियों में सफाई कराई जा चुकी है। होली के टिल्ले के पास जो गली बची है, वहां कल ही सफाई कराई जाएगी।

औद्योगिक विकास और निवेश की सम्भावनाओं के तलाशने निकले

एनपीटी ब्यूरो

एनपीटी, झारखण्ड के औद्योगिक विकास और निवेश की सम्भावनाओं के तलाशने निकले हेमन्त सोरेन की नेतृत्व वाली प्रतिनिधिमंडल स्पेन और स्वीडन यात्रा से वापस लौट आये। रांची पहुंचने पर मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने अपनी पहली प्रतिक्रिया पहलगाम आतंकी घटना को लेकर दी। उन्होंने कहा कि इस घटना की जितनी निंदा की जाये कम है। साथ ही उन्होंने कहा कि कहीं ना कहीं देश में जो सूचना तंत्र है, यहां उसका घोर अभाव दिखा। उम्मीद कर रहे हैं कि आगे ऐसी घटना नहीं हो। बता दे की करीब दो हफ्ते की स्पेन एवं स्वीडन यात्रा में सीएम हेमन्त ने झारखण्ड में निवेश करने के लिए प्रवासी भारतीय समेत अन्य विदेशी कम्पानी को लुभाया। कई तरह की महत्वपूर्ण मीटिंग भी की। वहां के अधिकारियों एवं औद्योगिक घरानों के साथ बैठक भी की। मुख्यमंत्री स्पेन और स्वीडन में कई औद्योगिक ईकाइयों का दौरा किया। वोल्वो के प्लांट का निरीक्षण करने के अलावे कम्पानी को झारखण्ड में यूनिट लगाने का ऑफर दिया। इसके अलावे मुख्यमंत्री व उनकी टीम ने कई औद्योगिक समूहों, वहां की सरकार के प्रतिनिधियों व अन्य संगठनों के साथ बैठक की, पूंजी निवेश के लिए आमंत्रित किया। झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने स्पेन और स्वीडन के निवेशकों से राज्य में निवेश का आग्रह किया और उसने व्यापार अनुकूल माहौल उपलब्ध करने का वादा किया है। गौरतलब हो कि 19 से 29 अप्रैल तक विदेश दौरे पर रहे सीएम के साथ उनकी पत्नी कल्पना सोरेन के अलावे नौ अन्य शीर्ष

अधिकारियों की भी टीम थे। उनमें मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, उद्योग सचिव अरवा राजकमल और अन्य अधिकारी शामिल थे। हेमन्त सोरेन के विदेश भ्रमण के क्या-क्या बनीं सम्भावनाएंः यात्रा के तहत, राज्य सरकार को आरसीडी एस्पेनयोल फुटबॉल क्लब से खेल विकास में सहयोग के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने का प्रस्ताव मिला। टेस्ला समूह से झारखंड में वाणिज्यिक और औद्योगिक बैटरी भंडारण उत्पादों से संबंधित एक बड़ा कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव मिला है।

मुख्यमंत्री ने टेस्ला ग्रुप ए.एस. (चेकोस्लोवाकिया) के सीईओ और सह-संस्थापक दुसान लिचार्डस के साथ बैठक की। बैठक के दौरान, लिचार्डस ने झारखण्ड में वाणिज्यिक और औद्योगिक बैटरी भंडारण उत्पादों की असेंबली एक बड़ा कारखाना स्थापित करने का प्रस्ताव रखा। यह परियोजना रोमानिया के ब्राइला में कंपनी की हाल ही में स्थापित कारखाने के समान होगी, जिसका उद्देश्य नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण बुनियादी ढांचे को बढ़ाना है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने बार्सिलोना में स्टार्टअप मेंटरशिप, स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण, आपूर्ति श्रृंखला, जैव-औषधि, क्रिकेट फ्रैंचाइजी स्वामित्व और चिकित्सा प्रौद्योगिकी जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय मूल के उद्योगपतियों और विशेषज्ञों के साथ बातचीत की। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से निवेश का आह्वान करते हुए कहा कि आओ, निवेश करो और आगे बढ़ो। झारखण्ड व्यापार के लिए पूरी तरह से तैयार है। मुख्यमंत्री ने निवेशकों से झारखंड आने और निवेश के अवसरों का पता लगाने का आग्रह किया। बयान में कहा गया कि बैठक के दौरान मूल्यवर्धित खाद्य प्रसंस्करण में निवेश के अवसरों पर भी चर्चा की गई।

नरोत्तमपुर पंचायत भवन में मनाया गया अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०),झालसा रांची के निदेर्शानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के तत्वाधान में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ शेष नाथ सिंह के निर्देश पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सचिव रूपा बंदना किरो की उपस्थिति में आज पाकुड़ प्रखण्ड के नरोत्तमपुर पंचायत भवन में अन्तर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत राष्ट्रगान से की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सचिव रूपा बंदना किरो, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू, लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सहायक अजफर हुसैन विश्वास पंचायत के मुखिया द्वारा अंतराष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर मजदूर के सम्मान में कई बिंदु पर प्रकाश डालते हुए सम्बोधित की गई। उक्त कार्यक्रम में डालसा सचिव रूपा बंदना किरो ने कहा कि आज हम सब एक मई को मजदूर दिवस अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाते हैं,भारत में यह सबसे पहले चेन्नई में 1923 में मनाया गया था। अन्तर्राष्ट्रीय

श्रमिक दिवस का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों, उनके योगदान, और उनके द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों को याद करना और उनकी सराहना करना है। श्रमिकों के अधिकारों, जैसे उचित वेतन, सुरक्षित कार्य वातावरण, और उचित कार्य घंटों के बारे में जागरूकता पैदा करता है। श्रमिकों को संगठित करने और एकजुटता से अपने अधिकारों के लिए, संघर्ष करने के लिए प्रेरित करता है। साथ ही कहा कि इस कार्यक्रम में महिलाओं की उपस्थित बतलाती है कि यहां की महिलाएं काफी कर्मठ हैं, ऐसे में इन जगहों का विकसित होना और सभी को सफलता निश्चित मिलेगी। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी समीर अल्फ्रेड मुर्मू ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में योग्य व्यक्ति को मनरेगा के तहत साल में सौ दिनों का काम दिया जाता है। साथ ही कई योजना चलाये जा रहे हैं, ताकि मजदूरों का पलायन न हो। इसे रोकना और रोजगार से जोड़ने का कार्य योजना के तहत किया जा रहा है। इस दौरान लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के सहायक अजफर हुसैन विश्वास समेत अन्य ने मजदूरों के हित में अपने-अपने विचार को रख जागरूक किया। मौके परमंच का संचालन इन्डियन नेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष जेड एच बिस्वास ने की। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकार पाकुड़ के सहायक नंदलाल पाल, ग्रामीण माला सिन्हा, रूप विश्वास, मोनल कुमारी, नन्दनी बर्मन अब्दुल वदूद, सलिम रशिद अंसारी, मंगल सोरेन, मोलिना पैरा लीगल वॉलिंटियर्स याकूब अली, उत्पल मंडल नीरज कुमार राउत समेत अन्य उपस्थित रहे।

जातिगत जनगणना राहुल गांधी के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत, वंचितों को मिलेगा उनका हक- मनोबर आलम

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), कांग्रेस के हिरणपुर प्रखण्ड कमिटी के अध्यक्ष मो. मनोबर आलम ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि यह केवल एक आंकड़े की बात नहीं है,यह एक आन्दोलन की जीत है, यह उन लाखों लोगों की जीत है, जिन्हें समाज ने हमेशा हाशिए पर रखा। यह गरीबों, मजदूरों, पिछड़ों, और दबे-कुचले वर्गों की जीत है, जिनके लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सबसे पहले आवाज उठाई और उनकी लड़ाई लड़ी। कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष मो. मनोबर आलम ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सदन से लेकर सड़क तक, हर मंच पर यह

सवाल उठाया कि जब तक जातिगत जनगणना नहीं होगी, तब तक इन वर्गों को सही प्रतिनिधित्व और न्याय नहीं मिलेगा। कांग्रेस प्रखण्ड अध्यक्ष मो. मनोबर आलम ने कहा कि अब, जब केन्द्र सरकार ने जातिगत जनगणना कराने का फैसला लिया है, तो यह उन लोगों की आवाज का परिणाम है, जिन्होंने दशकों से अपनी पहचान की लड़ाई लड़ी है। यह जीत न केवल एक नीति परिवर्तन है, बल्कि समाज के उस हिस्से की बहादुरी और संघर्ष का सम्मान है, जो अब तक गुमनाम था। उन्होंने कहा कि जातिगत जनगणना राहुल गांधी के संघर्ष की ऐतिहासिक जीत है, साथ ही वंचितों को इससे उनका हक भी मिलने का झलक उभर कर आयेगा।

मौसम ने करवट बदली, बादल छाने के साथ हुई बारिश

एनपीटी ब्यूरो

पाकुड़ (झा०खं०), तपती धूप और उमस भरी गर्मी के दरमियान मौसम ने करवट बदली है और मौसम विभाग के पूर्व अनुमान के मुताबिक के पाकुड़ सहित आसपास के इलाके में झमाझम बारिश हुई है। साथ ही आसमान में बादल छाते ही बारिश के साथ तेज हवाओं का झोंका पेड़ पौधे से टच करते हुए मौसम की पूवार्नुमान की दर हकीकत प्रकाश में आया। वही मौसम के बदलते ही ठंड का एहसास भी लोगों को हुआ है।

जातिगत जनगणना एक स्वागत योग्य और ऐतिहासिक कदम है- शंकर नायक

एनपीटी, रांची, आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केन्द्रीय उपाध्यक्ष सह- पूर्व विधायक प्रत्याशी विजय शंकर नायक ने कहा कि जातिगत जनगणना एक स्वागत योग्य और ऐतिहासिक कदम है। यह पहल बाबासाहेब आंबेडकर, महात्मा ज्योतिराव फुले, और कांशीराम जैसे समाज सुधारकों के सामाजिक समानता के सपने को साकार करने की दिशा में एक ठोस प्रयास है। उन्होंने यह भी कहा कि यह जनगणना न केवल सामाजिक-आर्थिक असमानताओं को उजागर करेगी, बल्कि नीति निर्माण, संसाधन वितरण, और आरक्षण की नीतियों को और अधिक प्रभावी बनाने में भी सहायक होगी। हम इस कदम का समर्थन करते हैं और इसे सामाजिक न्याय की दिशा में एक महत्वपूर्ण शुरूआत मानते हैं। जातिगत जनगणना का महत्व जातिगत जनगणना के आंकड़े अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसपी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) समुदायों की वास्तविक स्थिति को सामने लायेंगे। यह शिक्षा, रोजगार, और सरकारी योजनाओं में उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करने में मदद करेगा। साथ ही, यह उन समुदायों की पहचान करेगा जो अभी भी सामाजिक और आर्थिक रूप से वंचित हैं, जिससे लक्षित नीतियां बनाई जा सकेंगी। नायक ने आगे कहा कि हम इस अवसर पर उन क्षेत्रीय दलों और नेताओं, जैसे लालू प्रसाद यादव, मुलायम सिंह यादव, नीतीश कुमार, और सामाजिक संगठनों, जैसे बामसेफ (वामन मेश्राम के नेतृत्व में), को श्रेय देते हैं, जिन्होंने दशकों तक इस मांग को जीवित रखा। बिहार में 2023 के जातिगत सर्वेक्षण ने इस मुद्दे को राष्ट्रीय पटल पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन नेताओं और संगठनों की जमीनी लड़ाई ने सरकार को यह कदम उठाने के लिए मजबूर किया। उन्होंने यह भी कहा कि बीजेपी और कांग्रेस इस विषय पर अवसरवादी राजनीति की हमें यह कहना पड़ता है कि भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और कांग्रेस की इस मुद्दे पर अवसरवादी और ढुलमुल रवैया रही है। दोनों राष्ट्रीय पार्टियों ने अपनी सत्ता और वोटबैंक की राजनीति के आधार पर इस मुद्दे को बार-बार टाला और केवल तब समर्थन किया, जब राजनीतिक दबाव असहनीय हो गया। नायक ने बीजेपी की दोहरी नीति का आरोप लगाते हुए कहा कि बीजेपी ने 2010 में विपक्ष में रहते हुए जातिगत जनगणना का समर्थन किया, जब सुषमा स्वराज और गोपीनाथ मुंडे ने संसद में इसकी वकालत की। लेकिन 2014 में सत्ता में आने के बाद, बीजेपी ने इस मुद्दे को ठंडे बस्ते में डाल दिया। 2018 में गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने 2021 की जनगणना में ओबीसी डेटा शामिल करने का वादा किया, लेकिन यह वादा खोखला साबित हुआ। कर्नाटक बीजेपी अध्यक्ष बी.वाई. विजेंद्र ने 2023 में इसे हिंदुओं को बांटने की साजिश करार दिया, जो बीजेपी के सवर्ण- केन्द्रित हिंदुत्व एजेंडे को दशार्ता है। उन्होने कांग्रेस पर इस मुद्दे पर निष्क्रियता का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस ने 2004- 2014 के अपने शासनकाल में इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं लिया। 2011 में यूपीए सरकार ने सामाजिक-आर्थिक और जातिगत जनगणना (एएउउ) कराई, लेकिन इसके आंकड़े सार्वजनिक नहीं किया गया। विशेषज्ञों ने डेटा में त्रुटियों की बात कही, लेकिन कांग्रेस ने इसे सुधारने की कोई कोशिश नहीं की। कहा 2018 से राहुल गांधी ने इसे अपने एजेंडे में शामिल किया, लेकिन यह केवल बीजेपी को घेरने की रणनीति थी। 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने इसे अपने घोषणापत्र में शामिल किया। लेकिन यह सवाल उठता है कि सत्ता में रहते हुए उन्होंने इस दिशा में ठोस कदम क्यों नहीं उठाए? दोनों पार्टियों ने इस मुद्दे को केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए इस्तेमाल किया और क्षेत्रीय दलों और सामाजिक संगठनों के दबाव के बिना शायद यह घोषणा कभी न होती।

जेल में बंद कैदी ने की आत्महत्या, जांच में जुटी पुलिस

एनपीटी ब्यूरो

दुमका (झा०खं०), 14 वर्षीय भतीजी के दुष्कर्म और हत्या मामले के आरोपी दुमका सेन्ट्रल जेल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने की संगीन वृतांत प्रकाश में आया है।.मृतक का नाम पवन राय है, जिसे 14 वर्षीय नाबालिग भतीजी के रेप और मर्डर के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। कोर्ट ने उसे न्यायिक हिरासत में दुमका सेन्ट्रल जेल भेज दिया था। जहां आज कैदियों ने उसे बाथरूम में फंदे से लटका हुआ पाया मसलिया थानाक्षेत्र के शिकारपुर के रहने वाले पवन राय पर आरोप था कि उसने 16 अप्रैल को देर शाम शौच के लिए खेतों में गई 14 वर्षीय नाबालिग भतीजी का रेप किया और पकड़े जाने के डर से उसकी हत्या कर दी। अगले दिन पुलिस ने पीड़िता का शव बरामद किया था। पुलिस ने 27 अप्रैल को पवन राय को गिरफ्तार किया था। बताया जा रहा है कि 28 अप्रैल से आरोपी ने भोजन-पानी छोड़ दिया था। आरोपी पवन राय ने खाना-पीना छोड़ दिया था। गौरतलब है कि जब जेल प्रशासन को पवन राय के भोजन-पानी छोड़ देने की खबर मिली तो उसे समझाया। 30 अप्रैल से पवन ने खाना शुरू कर दिया था। आज वह नहाने के लिए बाथरूम में गया। आशंका है कि बाथरूम में ही उसने गमछे के सहारे फांसी लगा ली। उसे फंदे से लटकता देख साथी कैदियों ने नीचे उतारा और अस्पताल ले गये। अस्पताल में डॉक्टरों ने पवन को मृत घोषित कर दिया। अस्पताल ले जाने के क्रम में हुई आरोपी की मौत इस केस में जेल अधीक्षक कुमार चंद्रशेखर ने बताया कि बंदी को जीवित हालत में ही फंदे से नीचे उतारा गया था। अस्पताल ले जाने के क्रम में उसकी मौत हो गयी। सम्भवत, पश्चाताप में उसने ऐसा कदम उठा लिया होगा। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गयी है कि आखिर पवन राय ने क्यों अपनी जान दी।

जातीय जनगणना सामाजिक न्याय की दिशा में ऐतिहासिक कदम- सुदेश महतो

एनपीटी, रांची

आजसू पार्टी के केन्द्रीय अध्यक्ष सुदेश कुमार महतो ने केन्द्र सरकार द्वारा जातीय जनगणना कराने के ऐतिहासिक और दूरदर्शी फैसले की सराहना की है। इस निर्णय को सामाजिक समानता, न्याय और समावेशी विकास की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम बताते हुए उन्होंने इसे भारत के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को बदलने वाला कदम करार दिया। उन्होंने कहा कि देश में मूल जनगणना के साथ ही जातीय जनगणना कराने के केन्द्र सरकार के फैसले से सामाजिक न्याय का अध्याय अत्यंत मजबूत होगा। यह देश के एक- एक आम जनमानस की मांग थी। इससे भविष्य का भारत बनाने में एक बड़ा आधार मिलेगा। सुदेश महतो ने कहा है कि आजसू पार्टी ने समय-समय पर लगातार जातीय जनगणना की मांग उठाई है और यह फैसला पार्टी के दीर्घकालिक संघर्ष और सामाजिक न्याय के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है। हमारी पार्टी ने अपने अधिवेशन में भी इससे सम्बन्धित प्रस्ताव पारित किया है। यह हमारी मुख्य मांग रही है। महतो ने अपने बयान में कहा कि केन्द्र सरकार का जातीय जनगणना कराने का फैसला सामाजिक न्याय के प्रति उसकी दृढ़ इच्छाशक्ति और संवेदनशीलता को दशार्ता है। हम फैसले का स्वागत करते हैं। आजसू पार्टी ने विगत कई वर्षों से विभिन्न मंचों, जनसभाओं और आंदोलनों के माध्यम से जातीय जनगणना की आवश्यकता पर बल दिया है। हमारा मानना रहा है कि भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में, जहां सामाजिक और आर्थिक असमानताएं जटिल चुनौतियां पेश करती हैं, जातीय जनगणना के बिना समावेशी विकास और सामाजिक न्याय संभव नहीं है। यह फैसला न केवल हमारे इस संघर्ष को मान्यता देता है, बल्कि यह देश के करोड़ों वंचित और हाशिए पर मौजूद समुदायों के लिए एक नई उम्मीद लेकर आया है। उन्होंने झारखण्ड के संदर्भ में इस निर्णय के महत्व को विशेष रूप से रेखांकित करते हुए कहा कि झारखण्ड एक आदिवासी बहुल राज्य है, जहां आदिवासी, दलित, पिछड़े, अलसंख्यक और अन्य वंचित समुदायों ने ऐतिहासिक रूप से सामाजिक-आर्थिक उपेक्षा का सामना किया है। आजसू पार्टी ने हमेशा इन समुदायों की आवाज को बुलंद किया और उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया है। हमने बार-

बार इस बात पर जोर दिया कि बिना जातीय जनगणना के इन समुदायों की सटीक जनसंख्या, उनकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति और उनकी जरूरतों को समझना असंभव है। यह फैसला झारखंड के इन समुदायों के लिए एक नया द्वार खोलेगा, जिससे सरकारी योजनाएं और संसाधन उन तक प्रभावी ढंग से पहुंच सकेंगे। महतो ने जातीय जनगणना के व्यापक प्रभावों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं है, बल्कि यह सामाजिक परिवर्तन और समानता का एक आन्दोलन है। इसके आंकड़े नीति निर्माण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करेंगे। यह हमें यह समझने में मदद करेगा कि कौन से समुदाय शिक्षा, रोजगार, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। यह फैसला हमें यह जानने में सक्षम बनाएगा कि किन समुदायों को शैक्षिक छात्रवृत्तियों, कौशल विकास कार्यक्रमों या विशेष आर्थिक सहायता की आवश्यकता है। इसके अलावे, यह सामाजिक एकता को बढ़ावा देगी और हाशिए पर मौजूद समुदायों को अपनी पहचान और अधिकारों के प्रति जागरूक होने का अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने आजसू पार्टी के योगदान को याद करते हुए कहा कि हमारी पार्टी ने हर मोर्चे पर जातीय जनगणना की मांग को उठाया है। चाहे वह विधानसभा में चर्चा हो, जनसभाओं में जनजागरण हो, या सामाजिक संगठनों के साथ सहयोग, आजसू ने इस मुद्दे को हमेशा प्राथमिकता दी है। हमारा मानना है कि सामाजिक न्याय तभी संभव है जब समाज के हर वर्ग की वास्तविक स्थिति को समझा जाए और उनके लिए लक्षित नीतियां बनाई जाए। केन्द्र सरकार का यह फैसला हमारी इस मांग को स्वीकार करने का प्रमाण है, और हम इसे अपने संघर्ष की जीत मानते हैं। आजसू पार्टी इस ऐतिहासिक फैसले का पूर्ण समर्थन करती है और केंद्र सरकार से आग्रह करती है कि जातीय जनगणना को समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से लागू किया जाए। महतो ने इस प्रक्रिया में सभी हितधारकों, विशेष रूप से स्थानीय समुदायों, सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और विशेषज्ञों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया ताकि आंकड़ों की सटीकता और विश्वसनीयता सुनिश्चित हो। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि आजसू पार्टी इस प्रक्रिया में हर स्तर पर सक्रिय सहयोग प्रदान करेगी और सामाजिक जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने कार्यकताओं और समर्थकों को प्रेरित करेगी। महतो ने समाज के सभी वर्गों, बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकताओं, युवाओं और मीडिया से इस पहल का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा, ह्लजातीय जनगणना केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह सामाजिक समानता और सशक्तिकरण का एक मिशन है।

यह हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम इस प्रयास को सफल बनाएऔर एक ऐसे भारत का निर्माण करें जहां हर व्यक्ति को उसका हक, सम्मान और अवसर प्राप्त हो। महतो ने केंद्र सरकार को इस साहसिक और प्रगतिशील निर्णय के लिए धन्यवाद दिया है। उन्होंने कहा है की आजसू पार्टी सामाजिक न्याय और समावेशी विकास के अपने संकल्प को दोहराती है। हम केन्द्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर इस ऐतिहासिक पहल को साकार करने में योगदान देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। यह फैसला न केवल वर्तमान पीढ़ी के लिए, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी एक समृद्ध, समान और प्रगतिशील भारत की नींव रखेगा।

एमआईईटी पब्लिक स्कूल में श्रमिक दिवस पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

एनपीटी ब्यूरो

मेरठ। मवाना रोड स्थित एमआईईटी पब्लिक स्कूल में श्रमिक दिवस के अवसर पर एक प्रेरणादायक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को श्रमिक वर्ग के योगदान के प्रति जागरूक करना और उनके प्रति सम्मान व सहानुभूति की भावना को बढ़ावा देना था।

कार्यक्रम में विद्यालय के चेयरमैन विष्णु शरण, डायरेक्टर अजय बंसल और प्रधानाचार्या रुपाली सहगल सहित समस्त विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। इस अवसर पर विद्यालय के सभी श्रमिकों का तिलक कर सम्मानपूर्वक अभिनंदन किया गया।

विद्यार्थियों ने श्रमिकों की महत्ता पर आधारित विचारों की प्रस्तुति दी, जिसने सभी को गहराई से प्रभावित किया। इसके साथ ही कविता पाठ के माध्यम से श्रमिक वर्ग के संघर्ष, परिश्रम और सामाजिक योगदान को मार्मिक रूप से प्रस्तुत किया गया। विशेष रूप से विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक ने श्रमिकों के जीवन की कठिनाइयों और उनके अमूल्य योगदान को सजीव रूप में मंचित किया।

चेयरमैन विष्णु शरण ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रमिक वर्ग समाज की बुनियाद है और उनकी मेहनत ही किसी भी राष्ट्र की प्रगति का मूल आधार होती है। डायरेक्टर अजय बंसल ने इसे केवल सांस्कृतिक कार्यक्रम न मानते हुए विद्यार्थियों के लिए एक नैतिक शिक्षण का अवसर बताया, जिसमें उन्होंने श्रम, समानता और मानवीय गरिमा के महत्व को समझा। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्या रुपाली सहगल ने सभी शिक्षकों, छात्रों एवं अतिथियों के प्रति किया।

मई दिवस पर ट्रांसलेम एवं एमपीएस में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मेरठ। ट्रांसलेम एकेडमी इंटरनेशनल मई दिवस धूमधाम से मनाया गया। इसमें रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सैकरेस, होल्डिंग कनोपी, म्यूजिकल चेयर जैसे गेम्स खिलाए गये। जिसका डी स्टाफ ने खूब आनंद उठाया। इसके बाद चारों सदनों ने तरह- तरह के जलपान का आयोजन किया था जो कि एक प्रतियोगिता थी। इसमें सभी डी स्टाफ को जलपान को चखकर अंक देने थे। इस अवसर पर स्कूल के प्रधानाचार्य अनुराग दास ने कहा कि इस प्रकार के आयोजनों से समाज में समरसता आती है और ऊँचनीच का भेदभाव भी मिटता है। इस कार्यक्रम का संचालन अरुणा पराशर ने किया। इस आयोजन में पल्लवी शर्मा, करिश्मा, रिचा, प्रदीप त्यागी, अमित चौधरी आदि ने सहयोग किया।

दूसरी तरफ मेरठ पब्लिक स्कूल की सभी शाखाओं में हर्षोल्लास से मनाया गया कृतज्ञता दिवस मेरठ पब्लिक स्कूल ग्रुप की सभी शाखाओं में कृतज्ञता दिवस के उपलक्ष में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन हुआ। इस अवसर पर विद्यालय की सभी शाखाओं में शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को इस दिवस के महत्व को समझाया गया। श्रमिकों के योगदान को दर्शाते हुए विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों, भाषण, लघुनाटक, गीत, कविता गायन आदि की रंगारंग प्रस्तुतियाँ दी गईं। विद्यालय प्रबंधन, सभी प्रधानाचार्यों, शिक्षकों व अन्य कर्मचारियों ने विद्यालय की सुरक्षा, स्वच्छता एवं विशिष्ट कार्यक्रमों में दिए जाने वाले श्रमिकों के सहयोग की सराहना करते हुए उन्हें कृतज्ञता दिवस की शुभकामनाएं दीं। सभी श्रमिकों के लिए विभिन्न गेम्स का आयोजन भी हुआ एवं उन्हें उपहार वितरित किए गए।

सांसद रामजीलाल सुमन को सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर सपाईयों का प्रदर्शन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मेरठ। सपा के राज्यसभा सांसद एवं राष्ट्रीय महासचिव रामजीलाल सुमन पर करनी सेना के द्वारा किये जा रहे हमलों और जान से मारने की धमकी को देखते हुए उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की मांग को लेकर सपाईयों ने आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर प्रदर्शन किया और जिलाधिकारी के माध्यम से राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में कहा गया है कि प्रदेश में आए दिन जनता के उत्पीडन, हत्याओं, लूट और महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं हो रही हैं। करनी सेना द्वारा बुलंदशहर जाते समय अलीगढ में भी उनके काफिले पर हमला किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पीडीए का नारा देकर समाज के सभी शोषण उत्पीड़न वर्गों के सम्मान एवं संविधान प्रदत्त अधिकार की लड़ाई मजबूती से लड रहे हैं लेकिन बीजीपी के लोगों की लोकतंत्र और बाबा साहेब में कोई आस्था नहीं है। ज्ञापन देने वालों में जिलाध्यक्ष विपिन चौधरी के अलावा विधायक अतुल प्रधान, पूर्व विधायक प्रभु दयाल बाल्मीकि, महानगर अध्यक्ष आदिल चौधरी, निरंजन सिंह, मुखिया गुर्जर आदि समेत सैकडों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी का गाजियाबाद जिलाधिकारी को ज्ञापन

एनपीटी ब्यूरो

गाजियाबाद - समाजवादी पार्टी द्वारा अध्यक्ष पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के आह्वान पर गाजियाबाद में विरोध प्रदर्शन करते हुए जिला अधिकारी गाजियाबाद को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया। जिसमें पार्टी के महासचिव एवं राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन पर हमले एवं लगातार जान से मारने की धमकी को लेकर उनकी सुरक्षा की मांग की गई। इस दौरान जिला अध्यक्ष फैसल हुसैन महानगर अध्यक्ष वीरेंद्र यादव के साथ पार्टी कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों के साथ ही नितेश माथुर (रोहित) राष्ट्रीय महासचिव, समाजवादी छात्र सभा भी उपस्थित रहे।

नोबल पब्लिक स्कूल में श्रम एवं श्रमिक विषय पर पोस्टर मेकिंग

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मेरठ। गढ़ रोड स्थित नोबल पब्लिक स्कूल में अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में समूह घ के सभी कर्मचारियों को माल्यार्पण व पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। स्कूल एम डी अमित कुमार एवं प्रधानाचार्य डा मनोज त्यागी ने सभी कर्मचारियों को उपहार देते हुए समाज व विद्यालय मे उनके योगदान की सराहना की।सभी कक्षाओं में छात्रों ने ₹श्रम एवम श्रमिक₹ विषय पर पोस्टर मेकिंग की।तथा विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन भी किया।इस अवसर पर सभी समूह घ कर्मचारियों को जलपान भी कराया गया।एकेडमिक हेड सविता शर्मा ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए, श्रमिकों के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में सभी विंग कॉर्डिनेटर और शिक्षक शिक्षिकाओं का सहयोग रहा।

इंदिरापुरम विकास प्लान के तहत बिछाई जाएंगी नई सीवर लाइन

एनपीटी ब्यूरो

साहिबाबाद। इस बार मानसून में इंदिरापुरम में सीवर न उफने इसके लिए नगर निगम ने अभी से काम शुरू कर दिया है। इंदिरापुरम विकास प्लान के तहत नई सीवर लाइन बिछाने का काम जल्द ही शुरू किया जाने वाला है। इस योजना के तहत न सिर्फ सीवर लाइनों की मरम्मत के कार्य पर जोर दिया जाएगा। बल्कि तीन नई सीवर लाइन बिछाने का काम भी किया जाना है। जलकल विभाग, महाप्रबंधक, केपी आनंद ने बताया कि इंदिरापुरम के नगर निगम को हस्तांतरण के बाद से ही नगर निगम लगातार इंदिरापुरम की सीवर और सड़कों की समस्या को सुलझाने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि सीवर लाइन बिछाने का यह काम लगभग पांच करोड़ की लागत से किया जाना है। इस प्लान के तहत तीन नई सीवर लाइन बिछाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हर साल आने वाला मानसून इंदिरापुरम को जलमग्न कर देता है। ऐसे में मानसून के प्रकोप का असर इस बार इंदिरापुरम को ना झेलना पड़े इसके लिए नगर निगम ने अधिक जलमग्न होने वाले एरिया को बांटा है। और प्राथमिकता देते हुए करीब तीन जगहों पर सीवर लाइन बिछाने की योजना बनाई है।

करणी सेना के खिलाफ सपाइयों का प्रदर्शन गिरफ्तारी की की मांग

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद। सपा सांसद रुचि वीरा और पूर्व सांसद डॉक्टर एसटी हसन की अगुवाई में सपा कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट पर जबरदस्त प्रदर्शन किया। मोदी योगी होश में आओ के नारे लगाते हुए सपाई कलेक्ट्रेट में दाखिल हुए। इस बीच करणी सेना के कार्यकताओं को गिरफ्तार करने और उनके खिलाफ कार्रवाई की मांग वाले नारे भी सपाइयों ने खूब लगाए प्रदर्शन के दौरान सपा नेता और कार्यकताओं के हाथों में डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की तस्वीर नजर आई। प्रदर्शन के दौरान सपा नेताओं ने एक ज्ञापन स्थानीय प्रशासन को सोपा जिसमें करणी सेना के कार्यकताओं पर कड़ी कार्रवाई समेत कई मांग की गई।

समाजवादी पार्टी के सांसद रामजीलाल सुमन के काफिले पर 27 अप्रैल को अलीगढ़ के गवर्नर में हमला हुआ था सपा सांसद 20 गाड़ियों के काफिले के साथ आगरा से बुलंदशहर जा रहे थे गवाना टोल प्लाजा से पहले छत्रिए समाज के युवक अचानक हाईवे पर आ गए थे। इन्होंने सफा संसद के काफिले पर टायर और पत्थर फेक हमले के बाद समर्थकों और पुलिस ने रामजीलाल को सुरक्षा घेरे में ले लिया था।

आज से कारोबारी भर सकते हैं जीएसटीआर-1- गौरव गुप्ता बार एसोसिएशन

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद।जीएसटी में पंजीकृत कारोबार से जुड़े लोगों के लिए अप्रैल महीने का जीएसटीआर वन भरने की प्रक्रिया गुरुवार से शुरू हो रही है। जोनल टैक्स बार एसोसिएशन के गौरव गुप्ता ने बताया कि कारोबारियों को इसमें बिक्री से संबंधित ब्योरा देना होगा।

जीएसटीआर-1 दाखिल करने के लिए आवश्यक दस्तावेज- जीएसटीआर-1 दाखिल करने के लिए, आपको निम्नलिखित दस्तावेजों और जानकारी की आवश्यकता होगी। वैध जीएसटीआईएनः यह आपकी जीएसटी पहचान संख्या है और यह फॉर्म पर अनिवार्य रूप से उल्लिखित होनी चाहिए। डिजिटल हस्ताक्षर सर्टिफिकेट (डीएससी): यदि आप ऑनलाइन फॉर्म जमा कर रहे हैं, तो आपको डीएससी की आवश्यकता होगी। आप आधार आधारित ई-हस्ताक्षर का भी उपयोग कर सकते हैं। चालान और डेबिट/क्रेडिट नोटः आपको कर अवधि के दौरान जारी किए गए सभी चालानों और डेबिट/क्रेडिट नोटों का विवरण प्रदान करना होगा। बैंक लेनदेन विवरणः यदि आपने बैंक के माध्यम से कर भुगतान किया है, तो आपको बैंक लेनदेन विवरण की आवश्यकता होगी

एमआईटी में 17 आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति चेक वितरित, चेहरों पर खिली मुस्कान

एनपीटी ब्यूरो

मेरठ, 1 मई। परतापुर बाईपास स्थित एमआईटी कॉलेज में पढ़ाई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में चेयरमैन विष्णु शरण ने 17 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के चेक वितरित किए।

छात्रवृत्ति पिशितया विद्या उषा ट्रस्ट द्वारा दी गई, जिसका उद्देश्य जरूरतमंद छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान कर उनकी शिक्षा सुगम बनाना है। इस वर्ष बीटेक के 7 और बी फार्मा के 1 छात्र को 30,000 रुपये प्रति छात्र, बीबीए के 3 छात्रों को 16,000 रुपये प्रति छात्र तथा बीसीए के 6 छात्रों को 12,500 रुपये प्रति छात्र के चेक प्रदान किए गए।

चेयरमैन विष्णु शरण ने बताया कि 2019 में यह महसूस किया गया कि कई मेधावी छात्र केवल आर्थिक तंगी के कारण पढ़ाई छोड़ने को मजबूर हो जाते हैं। ऐसे छात्रों की सहायता के उद्देश्य से पिशितया विद्या उषा ट्रस्ट की स्थापना की गई, जो पिछले सात वर्षों से लगातार आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान कर रहा है।

कार्यक्रम का संचालन निगारिश सैफी ने किया। इस अवसर पर वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल, निदेशक डॉ. केएलए खान, प्रिंसिपल डॉ. हिमांशु शर्मा, फामेर्सी प्रिंसिपल डॉ. नीरज कांत शर्मा, डीन एकेडेमिक्स डॉ. गौरव शर्मा और अजय चौधरी सहित कॉलेज के कई अधिकारी एवं शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बिजली विभाग के रिटायर्ड कर्मचारी कर रहे स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्यूरो

मुरादाबाद।स्मार्ट मीटर अगर घरों में लगवाया तो वह बर्बाद कर देगा और बिजली का बिल बहुत अधिक आएगा। इसलिए जो बिजली के कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं। वह अपने घरों में स्मार्ट मीटर नहीं लगवा रहे हैं। उलटा स्मार्ट मीटर लगाये जाने का विरोध कर रहे हैं। यह चौंकाने वाला खुलासा उन लोगों से हुआ है, जिन्होंने अपना पूरा जीवन बिजली विभाग खपा दिया और सेवानिवृत बिजली कर्मचारियों को पूरी तरह से इस बात का ज्ञान है, बिजली विभाग का मीटर कैसे काम करता है?

मुरादाबाद के हर बिजली घर में 30 से 40 रिटायर्ड कर्मचारी ऐसे हैं, जिन्होंने विभाग से रिटायर होने के बाद भी बिजली कनेक्शन तो ले रखा है, मगर आज तक अपने परिसर में बिजली मीटर नहीं लगवाया है। वही विभागीय नियमों के अनुसार, किसी भी उपभोक्ता के यहां मीटर लगाना अनिवार्य है, फिर चाहे वह विभाग का पूर्व कर्मचारी ही क्यों न हो। मगर इन कर्मचारियों ने स्मार्ट मीटर का बायकॉट कर दिया है।

स्मार्ट मीटर पर भी उठे सवाल-इस बीच, विभाग की ओर से लगाए जा रहे स्मार्ट मीटर भी विवादों में हैं। कई स्थानों से शिकायतें आ रही हैं कि स्मार्ट मीटर गलत रीडिंग दिखा रहे हैं। ऐसे में विभाग खुद असमंजस में है कि इन मीटरों को कैसे भरोसे के साथ रिटायर्ड कर्मचारियों के परिसरों में लगाया जाए।

मुख्य अभियंता चुप क्यों- जब इस पूरे मामले पर मुख्य अभियंता मुरादाबाद से प्रतिक्रिया लेने की कोशिश की गई, तो उन्होंने बात करने से इनकार कर दिया। वही अधीक्षण अभियंता ग्रामीण राकेश मोहन ने बताया, जो बिजली विभाग में काम कर रहे है उनका बिजली बिल तय होता है जो उनकी सैलरी या रिटायर्ड कर्मचारियों की पेंसन से काटा जाता है, जिसके चलते वो लोग ये स्मार्ट मीटर लगवाने से इंकार कर रहे है

यह पूरा मामला न सिर्फ विभागीय अनियमितताओं की ओर इशारा करता है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि कैसे नियमों को ताख पर रखकर कुछ लोगों को विशेष लाभ दिया जा रहा है।

पहले विभाग के कर्मचारी लगाएं तब उपभोक्ताओं के यहां लगे लोगों का कहना है कि अगर स्मार्ट मीटर इतना अच्छा है तो पहले विभागीय कर्मचारियों के यहां लगाया जाए। उसके बाद आम उपभोक्ता के घरों में लग रहें हैं

'नेशनल प्रेस टाइम्स'
दैनिक समाचार पत्र में एनसीआर के जनपदों के लिए ब्यूरो चीफ, तहसील ब्यूरो, संवाददाता व मार्केटिंग के लिए इच्छुक लड़के व लड़की सम्पर्क करें।
विज्ञापन, न्यूज, आदि के लिए संपर्क करें।
सुखपाल सिंह (संपादक)
प्रमोद मिश्रा (सह-संपादक)
8448184482
एस.के. राणा (सह-संपादक)
8938805409
पता : 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद
फोन- 0120-4549844, मो. 9312606107
nationalpresstimes@gmail.com/
www.nationalpresstimes.com
नेशनल प्रेस टाइम्स की तरफ से मुफ्त कानूनी सलाह के लिए सम्पर्क कर सकते हैं।
एडवोकेट आदर्श कुमार राय
(इलाहाबाद हाईकोर्ट)
09415624173

स्वामी' प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक सुखपाल सिंह ने 209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश से प्रकाशित एवं पुरराज प्रिंटिंग एंड पैकिंग प्राइवेट लिमिटेड प्रेस ई-19,सेक्टर-6,नोएडा, गौतमबुद्धनगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित। RNI No. : UPHIN/2015/64579 मुख्य कार्यालय-209, द्वितीय तल, दुर्गा चैम्बर, आरडीसी, राजनगर, गाजियाबाद। मो. 9312606107, फोन- 0120-4549844, nationalpresstimes@gmail.com/ www.nationalpresstimes.com नोटः- समाचार पत्र से संबंधित किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्याय क्षेत्र गाजियाबाद ही होगा। *पीआरबी अधिनियम के अनुसार समाचार चयन और संपादन के लिए उत्तरदायी। समाचार पत्र में छपने वाले विज्ञापन की सत्य/ असत्य की जानकारी स्वयं करें, किसी भी विज्ञापन की असत्यता की जिम्मेदारी समाचार पत्र की नहीं होगी।